https://www.facebook.com/jantaunion

झाँसी
गुरुवार, 15 जनवरी 2026
वर्ष 18 अंक 125
पृष्ठ 8 मूल्य ₹ 3.00
www.epaperjantaunion.com

जनता यूनियन

अधिकतम : 16° से.
न्यूनतम : 8° से.

jantaunion@gmail.com

युवक ने फाँसी लगाकर की आत्महत्या...-3 | लक्ष्मी तालाब प्रकरण में एनजीटी का सख्त...-8

सार संक्षेप

भारत के दोस्त ने मार गिराया अमेरिका का एफ-16 लड़ाकू विमान, हिले ट्रंप

नई दिल्ली (जीएनएस)। हकीकत चाहे जितनी देर से सामने आए लेकिन जब आती है तो सबसे पहले भ्रम तोड़ती है। आज यूक्रेन से आई एक खबर ठीक वैसा ही कर रही। वो खबर जो सिर्फ यूक्रेन और रूस तक सीमित नहीं बल्कि अमेरिका, नाटो, पाकिस्तान और भारत सबको एक साथ सोचने पर मजबूर कर रही। खबर यह है कि यूएस मेड एफ सोलर फाइटर जेट रूसी ₹300 एयर डिफेंस सिस्टम द्वारा आसमान से गिराया गया। दरअसल एफ 16 वही फाइटर जेट है जिसे सालों से गेम चेंजर और रशियन एयर डिफेंस ब्रेकर बताया जा रहा था। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप अपने जिन हथियारों का डर दिखाकर दुनिया भर के कई देशों को अपने हिसाब से चलाना चाहते हैं उन पर कब्जा करने के लिए दबाव बनाते हैं और वही हथियार ट्रंप की बेइज्जती करा रहे हैं। ट्रंप अपने जिन हथियारों को ब्रह्मास्त्र बताकर उन्हें दुनिया भर के देशों को खरीदने के लिए ऑफर देते हैं। अब वही हथियार रूस के हथियार के आगे मिट्टी में मिल जा रहे हैं। अमेरिका बहुत गुरूर करता था जो भारत के दुश्मन पाकिस्तान के पास भी बड़ी तादाद में है। साथ ही बताऊंगा कि रूस की इस कार्रवाई ने कैसे अमेरिका को बहुत बड़ा झटका दे दिया है जो अमेरिका को बहुत बड़ा नुकसान पहुंचाने वाला है। दरअसल जहां ट्रंप वेनेजुएला ईरान और ग्रीनलैंड की लड़ाई में फंसे हुए हैं और कब्जे वाली नीति से तनाव बढ़ा रहे हैं। ठीक उसी समय अमेरिका के लिए बहुत बुरी खबर सामने आई है।

मतदान से पहले राज ठाकरे की एमएनएस को लगा बड़ा झटका, हाई कोर्ट ने लिया ये फैसला

मुंबई (जीएनएस)। महाराष्ट्र नगर निगम चुनावों से पहले, बॉम्बे उच्च न्यायालय ने कई वार्डों में निर्विरोध निर्वाचित उम्मीदवारों के संबंध में एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। न्यायालय ने ऐसी निर्विरोध जीत को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया और कहा कि मौजूदा कानूनों के तहत, बिना मतदान के उम्मीदवारों को निर्वाचित घोषित करना वैध है। याचिका किस बारे में थी? यह याचिका महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के नेता अविनाश जाधव ने दायर की थी। उन्होंने तर्क दिया कि बिना मतदान कराए उम्मीदवारों को विजेता घोषित करना लोकतांत्रिक सिद्धांतों के विरुद्ध है। याचिका में यह भी आरोप लगाया गया कि कुछ क्षेत्रों में, अन्य उम्मीदवारों ने दबाव या प्रलोभन के कारण अपना नामांकन वापस ले लिया, जिससे कोई मुकाबला नहीं रह गया।

आरटी-पीसीआर जाँच में कोविड की पुष्टि न होने पर मुआवजा खारिज नहीं किया जा सकता: हाईकोर्ट

मुंबई (जीएनएस)। मुंबई उच्च न्यायालय ने कहा है कि कोविड-19 पीड़ित व्यक्ति की मौत के बाद दायर मुआवजे की अर्जी केवल इस आधार पर खारिज नहीं की जा सकती कि आरटीपीसीआर जांच रिपोर्ट में संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई। उच्च न्यायालय की औरंगाबाद पीठ ने आयानगर जिला कलेक्टर को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत 50 लाख रुपये की बीमा राशि पाने से जुड़े एक व्यक्ति के दावे पर प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया।

ईरान पर कभी भी हो सकता है अमेरिकी हमला, कतर सेना एयर बेस से कर्मियों को निकाल रहा अमेरिका, भारतीयों को भी ईरान छोड़ने की दी गई सलाह

ईरान (जीएनएस)। क्या ईरान में कभी भी अमेरिकी हमला हो सकता है? यह सवाल इसलिए उठ रहा है क्योंकि अमेरिका ने कतर में अमेरिकी सैन्य बेस से अपने कर्मचारियों को निकलने की सलाह दी है वहीं भारत सरकार ने भी ईरान में रह रहे अपने नागरिकों को स्पष्ट शब्दों में कहा है कि हालात तेजी से बिगड़ रहे हैं, इसलिए भारतीय नागरिक बिना देरी किए ईरान छोड़ दें। भारतीय दूतावास ने अपने नागरिकों से अपील की है कि वे भीड़भाड़ वाले इलाकों से दूर रहें और उपलब्ध व्यावसायिक उड़ानों के माध्यम से जल्द से जल्द भारत लौटने की योजना बनाएं। छात्रों, व्यापारियों और पर्यटकों को विशेष सतर्कता बरतने को कहा गया है। भारतीय दूतावास का कहना है कि मौजूदा हालात में सुरक्षा की गारंटी देना मुश्किल होता जा रहा है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने भारतीयों के लिए हेल्पलाइन नंबर भी जारी कर दिये हैं

वहीं, कतर के अल उदैद एयर बेस पर तैनात कुछ अमेरिकी सैन्य कर्मियों को आज शाम तक क्षेत्र छोड़ने की सलाह दी गई है। यह कदम ईरान के साथ बढ़ते अमेरिकी तनाव और मध्य-पूर्व में संभावित सैन्य कार्रवाई की आशंकाओं के बीच उठाया गया है। हम आपको बता दें कि अल उदैद एयर बेस मध्य-पूर्व में अमेरिका का सबसे बड़ा सैन्य अड्डा है जहां लगभग 10,000 सैनिक तैनात हैं। देखा जाये तो अमेरिका ने यह कदम सतर्कता के नजरिये से उठाया है। हम आपको याद दिला दें कि पिछले साल जून में ईरान पर अमेरिकी हवाई हमलों से पहले भी अमेरिका ने अपने कुछ सैनिकों और उनके परिवारों को मध्य-पूर्व के बेसों से हटाया था। अमेरिका के हवाई हमले के बाद ईरान ने जवाब में कतर स्थित इसी एयर बेस पर मिसाइल हमला भी किया था।

वहीं ईरान के हालात की बात करें तो आपको बता दें कि विरोध प्रदर्शनों की शुरुआत भले ही आर्थिक परेशानियों के मुद्दे पर हुई हो, लेकिन अब यह आंदोलन राजनीतिक बदलाव की मांग में बदल चुका है। कई शहरों में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच हिंसक झड़पों की खबरें सामने आई हैं। हालात पर काबू पाने के लिए सरकार ने इंटरनेट और संचार सेवाओं पर सख्त पाबंदियां लगा दी हैं, जिससे आम लोगों की आवाज़ बाहर तक पहुंचना और मुश्किल हो गया है। हालांकि किसी तरह कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आये हैं जिनमें देखा जा सकता है कि अस्पतालों के बाहर लाशों का अंबार है और सड़कों पर प्रदर्शनकारी सुरक्षा बलों से भिड़ रहे हैं। ईरान के अलग-अलग हिस्सों से रिपोर्टें मिल रही हैं कि हालात दिन-ब-दिन गंभीर होते जा रहे हैं। मीडिया रिपोर्टों और मानवाधिकार संगठनों के अनुसार, अब तक प्रदर्शनों के दौरान हज़ारों लोगों की मौत हो चुकी है और सैंकड़ों लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अस्पतालों में भारी संख्या में घायल इलाज के लिए आए हैं जिनमें से कई लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

उधर, ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई ने इस पूरे मामले में विदेशी दखल का आरोप लगाते हुए कहा है कि देश शत्रुओं के षड्यंत्र से जूझ रहा है। उन्होंने अमेरिका को चेताते हुए यह भी कहा है कि ईरान को वेनेजुएला समझने की भूल ना करें। हम आपको यह भी बता दें कि ईरान की सरकार सरकारी टीवी चैनलों और समर्थक रैलियों के माध्यम से प्रदर्शनकारियों को अराजक तत्व बताते हुए जनता से संयम रखने की अपील भी कर रही है।

नाटो सपने में भी भारत जैसा नहीं कर पाएगा, ईयू की सीक्रेट रिपोर्ट पूरे यूरोप के होश उड़ाए

नई दिल्ली (जीएनएस)। यूरोपीय यूनियन इस समय भारत की फॉरेन पॉलिसी पर बकायदा स्टडी कर रहा है। इतना ही नहीं एक रिपोर्ट भी पब्लिश की गई है जिसमें यूरोप खुद मान रहा कि भारत अमेरिका रूस ब्रिक्स, जी20, और ग्लोबल साउथ सबके साथ एक साथ कैसे चल पा रहा है। यह यूरोप के लिए अब एक पहेली बन चुका है और इसी बीच भारत और चीन ने वेनेजुएला के तेल बाजार में बड़ी एंट्री मार दी है जिससे अमेरिका का टोन तक बदलता हुआ दिख रहा है। दरअसल दुनिया के ऑयल मार्केट में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। लंबे समय बाद वेनेजुएला का कच्चा तेल अंतरराष्ट्रीय बाजार में लौटने जा रहा है। आपको याद होगा अमेरिकी प्रतिबंधों की वजह से वेनेजुएला का तेल लगभग बाजार से गायब था। लेकिन अब हालात बदल रहे हैं। दुनिया की दो सबसे बड़ी कमोडिटी ट्रेडिंग कंपनियां और ट्रेफिग्रा ने भारत और चीन की रिफाइनरियों से बातचीत शुरू कर दी है ताकि मार्च से वेनेजुएला का तेल सप्लाई किया जा सके। इन कंपनियों को अमेरिकी सरकार से विशेष अनुमति मिली है कि वेनेजुएला के तेल की मार्केटिंग तक कर सकें। यानी जो तेल सालों से गोदामों में फंसा था अब वह कानूनी तरीके से जहाजों में लोड होगा। अब भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक देश है और सस्ता तेल मतलब सीधा फायदा।

थाईलैंड में हुआ भीषण हादसा!

चलती ट्रेन पर गिरी विशाल निर्माण क्रेन, 19 यात्रियों की मौत और 80 लोग घायल

थाईलैंड (जीएनएस)। थाईलैंड में एक बेहद दर्दनाक और असामान्य ट्रेन दुर्घटना की खबर सामने आई है। राजधानी बैंकॉक से देश के उत्तर-पूर्वी हिस्से की ओर जा रही एक यात्री ट्रेन पर अचानक एक विशाल निर्माण क्रेन गिर गई। इस हादसे में कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई है और 80 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। थाई पुलिस के अनुसार, यह घटना उस समय हुई जब ट्रेन अपने निर्धारित मार्ग पर गति में थी। रेल पटरी के पास चल रहे एक निर्माण कार्य के दौरान अचानक एक भारी-भरकम क्रेन अनियंत्रित होकर सीधे ट्रेन के डिब्बों के ऊपर गिर गई। ट्रेन थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक से देश के उत्तर-पूर्वी इलाके की ओर जा रही थी। पुलिस ने बताया कि थाईलैंड में एक कंस्ट्रक्शन क्रेन गिरने और ट्रेन के ऊपर गिरने से कम से कम 19 लोग मारे गए और लगभग 80 घायल हो गए। ट्रेन थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक से देश के उत्तर-पूर्वी इलाके की ओर जा रही थी। स्थानीय पुलिस ने बताया कि मलबे में और भी शव थे जिन्हें अभी बाहर निकाला जाना बाकी था।

ग्रीनलैंड पर फिर बोले ट्रंप, कहा - इससे कम कुछ भी मंजूर नहीं

वाशिंगटन (जीएनएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को ग्रीनलैंड पर अमेरिकी नियंत्रण के लिए अपने दबाव को और भी तीखे अंदाज में दोहराया और आर्कटिक द्वीप को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए प्रस्तावित गोल्डन डोम मिसाइल रक्षा प्रणाली का एक अहम हिस्सा बताया। उनके इन बयानों से वाशिंगटन में होने वाली उच्च स्तरीय वार्ता से पहले डेनमार्क और ग्रीनलैंड के साथ तनाव बढ़ गया है।

राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आवश्यक

बुधवार तड़के सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा कि अमेरिका को गोल्डन डोम हवाई और मिसाइल रक्षा नेटवर्क के निर्माण और संचालन के लिए ग्रीनलैंड की आवश्यकता है, जिसे उन्होंने अमेरिकी धरती की रक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने आगे कहा कि अगर ग्रीनलैंड अमेरिकी नियंत्रण में होता तो नाटो कहीं अधिक शक्तिशाली और प्रभावी होता और इस बात पर जोर दिया कि इससे कम कुछ भी अस्वीकार्य है।

छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद की टूटी कमर, पुणे मार्गेम पुनर्वास पहल से 29 माओवादियों ने डाले हथियार

सुकमा (जीएनएस)। बुधवार को छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) के सहयोगी संगठनों के 29 नक्सलियों ने अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया, जिससे दरभा मंडल में माओवादी प्रभाव को एक बड़ा झटका लगा है। सुकमा के पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण ने पुणे मार्गेम पुनर्वास पहल के तहत हुए इन आत्मसमर्पणों का उल्लेख करते हुए राज्य सरकार की नीति और हाल ही में गोगुंडा में स्थापित सुरक्षा शिविर को एक महत्वपूर्ण माओवादी गढ़ को नष्ट करने का श्रेय दिया। इस समूह में गोगुंडा में दंडकारण्य आदिवासी किसान मजदूर संगठन (डीएकेएमएस) के प्रमुख पोडियम बुधा भी शामिल थे, जिन पर 2 लाख रुपये का इनाम था। इनके अलावा, डीएकेएमएस, मिलिशिया और जनताना सरकार के सदस्य भी इसमें शामिल थे। सुरक्षा और समाज में पुनर्एकीकरण के वादों से प्रभावित होकर उन्होंने वरिष्ठ पुलिस और सीआरपीएफ अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। गोगुंडा का दुर्गम इलाका कभी माओवादियों के दरभा डिवीजन के लिए सुरक्षित पनाहगाह हुआ करता था, लेकिन नवस्थापित सुरक्षा शिविर ने आक्रामक नक्सल-विरोधी अभियानों, तलाशी अभियानों और निरंतर दबाव को जन्म दिया, जिससे उनकी गतिविधियां कमजोर पड़ गईं। इससे विद्रोहियों का समर्थन नेटवर्क काफी कमजोर हो गया, जिसके कारण ये आत्मसमर्पण हुए और यह क्षेत्र में एक निर्णायक मोड़ का संकेत है।

फिर हो गयी भारत और अमेरिका में दोस्ती, अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से की मुलाकात

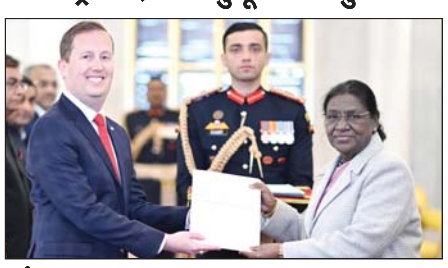

नई दिल्ली (जीएनएस)। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने आज राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपना परिचय पत्र सौंपा। राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में सर्जियो गोर से उनका परिचय पत्र स्वीकार किया। बयान में कहा गया है कि गोर के अलावा त्रिनिदाद और टोबैगो गणराज्य के उच्चायुक्त चंद्रदाथ सिंह और ऑस्ट्रिया गणराज्य के राजदूत रॉबर्ट जिस्चग ने भी राष्ट्रपति मुर्मू को अपने परिचय पत्र प्रस्तुत किए।

भारतीय नौसेना का पराक्रम: पोरबंदर से मस्कट पहुंचा स्वदेशी पोत आईएनएसवी कौंडिन्या, रचा इतिहास

मस्कट (जीएनएस)। भारतीय नौसेना के कमोडोर अमित श्रीवास्तव ने कहा कि यह यात्रा एक ऐतिहासिक क्षण है और उन्होंने स्वदेशी रूप से निर्मित पोत आईएनएसवी कौंडिन्या द्वारा गुजरात के पोरबंदर से 18 दिनों की यात्रा पूरी करके बुधवार को मस्कट पहुंचने पर सभी चुनौतियों का सामना करने के लिए भारतीय नौसेना के दल की सराहना की। पोर्ट सुल्तान काबूस में एएनआई से बात करते हुए श्रीवास्तव ने कहा कि इस पोत के निर्माण में भारतीय नौसेना, छत्रछह और अन्य के वास्तुकारों और अधिकारियों का योगदान था।

इसका परीक्षण भारतीय नौसेना की टीमों द्वारा किया गया। यह एक ऐतिहासिक क्षण है जब पोत ने पोरबंदर से मस्कट तक की यात्रा 16 दिनों में पूरी की। भारतीय नौसेना का प्रशिक्षित दल किसी भी चुनौती का सामना कर सकता है। आवश्यक जांच और मरम्मत के बाद, पोत भारत के लिए अपनी वापसी यात्रा शुरू करेगा। स्वदेशी रूप से निर्मित पोत ढ्ढरुड्ड कौंडिन्या के आगमन के साक्षी बने व्यापारी किरण अशर और अनिल खिमजी ने इस ऐतिहासिक यात्रा के पूरा होने पर अपनी खुशी और उत्साह व्यक्त किया। अशर ने एएनआई को बताया हम बेहद खुश हैं - सीना 56 का हो गया है। हम ध्वजारोहण समारोह के लिए पोरबंदर भी गए थे। यह एक भावुक क्षण था। जहाज के ओमान पहुंचने से सभी खुश हैं। व्यवसायी अनिल खिमजी ने कहा, हम जहाज के तट पर आने का इंतजार कर रहे हैं। हम बहुत उत्साहित हैं। भारतीय नौसेना के स्वदेशी रूप से निर्मित पारंपरिक शैली के जहाज ढ्ढरुड्ड कौंडिन्या ने अपनी ऐतिहासिक 18 दिवसीय यात्रा सफलतापूर्वक पूरी की और आज मस्कट, ओमान पहुंच गया।

सुप्रीम कोर्ट ने आरटीई के तहत आरक्षित सीटों के प्रावधान लागू करने के लिए नियम बनाने का निर्देश दिया

नई दिल्ली (जीएनएस)। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए नियम बनाने का निर्देश दिया कि निजी गैर-सहायता प्राप्त गैर-अल्पसंख्यक स्कूलों में आर्थिक और सामाजिक रूप से कमजोर वर्गों के बच्चों के लिए प्रवेश में 25 प्रतिशत कोटा लागू हो। न्यायालय ने यह भी कहा कि शैक्षणिक संस्थानों में गरीब बच्चों को प्रवेश देना ''एक राष्ट्रीय मिशन होना चाहिए।'' शीर्ष अदालत ने कहा कि ईडब्ल्यूएस श्रेणी के बच्चों को प्रवेश देना उपयुक्त सरकार और स्थानीय प्राधिकार का दायित्व है। न्यायालय ने कहा कि इसी तरह, अदालतों को, चाहे वे संवैधानिक हों या दीवानी, उन अभिभावकों को सुगम पहुंच और प्रभावी राहत प्रदान करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने चाहिए जो इस अधिकार से वंचित होने की शिकायत करते हैं।

आसियान देशों को भारत का कड़ा संदेश

आतंकवाद से मिलकर लड़ना होगा : मेजर जनरल

नई दिल्ली (जीएनएस)। आतंकवाद के खिलाफ सामूहिक वैश्विक कार्रवाई की बढ़ती आवश्यकता पर जोर देते हुए, आतंकवाद विरोधी एवं जंगल युद्ध विद्यालय के कमांडर मेजर जनरल कुलबीर सिंह ने बुधवार को कहा कि एशिया-प्रशांत क्षेत्र में बहुपक्षीय सहयोग के एक मजबूत स्तंभ के रूप में एडीएमएम-प्लस ढांचा उभरा है। बुधवार को भारत और मलेशिया की सह-अध्यक्षता में आयोजित आतंकवाद विरोधी विशेषज्ञों के 16वें आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक-प्लस (एडीएमएम प्लस) कार्य समूह में बोलते हुए उन्होंने कहा कि यह मंच इस बात को दर्शाता है कि भाग लेने वाले देश आतंकवाद की चुनौती को कितनी गंभीरता से लेते हैं। प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए मेजर जनरल सिंह ने कहा, आतंकवाद का मुकाबला करना केवल एक तकनीकी या सैन्य मुद्दा नहीं है। यह एक ऐसा विषय है जो हर नागरिक के जीवन, हमारे समाजों की स्थिरता और हमारे क्षेत्र के भविष्य को प्रभावित करता है। हम आज यहां आतंकवाद की रोकथाम, उससे निपटने और उससे उबरने की अपनी सामूहिक क्षमता को मजबूत करने के साझा उद्देश्य से एकत्रित हुए हैं। उन्होंने आगे कहा कि आतंकवाद अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए सबसे लगातार और सबसे अधिक अनुकूलनशील खतरों में से एक बना हुआ है। पिछले दो दशकों में, हमने इसके कई आयामों में विकास को देखा है, और आंकड़े चिंताजनक हैं। पिछले दो दशकों में, आतंकवाद ने विश्व स्तर पर चार लाख से अधिक लोगों की जान ले ली है। उन्होंने यह भी कहा कि विश्व स्तर पर केवल 64 देश ही आतंकवाद के प्रभाव से मुक्त हैं। बैठक के दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए मेजर जनरल सिंह ने कहा कि पिछले साल हुई बैठक के बाद यह दिल्ली में आयोजित विशेषज्ञों के कार्य समूह की दूसरी बैठक है। उन्होंने बताया कि टेबल टॉप एक्सरसाइज (टीटीएक्स) के लिए अंतिम योजना सम्मेलन इसी साल मलेशिया में आयोजित किया जाएगा, जहां भाग लेने वाले प्रतिनिधिमंडल आसियान सदस्य देशों द्वारा अपनाई जाने वाली आतंकवाद-विरोधी प्रक्रियाओं और परिचालन पद्धतियों का अध्ययन करेंगे।

ईडी ने मांगा स्थगन, कल्याण बनर्जी बोले- हम हाई कोर्ट में बहस को तैयार

कोलकाता (जीएनएस)। टीएमसी सांसद और वरिष्ठ अधिवक्ता कल्याण बनर्जी ने बुधवार को कहा कि आई-पीएसी परिसर पर हाल ही में हुई छापेमारी के बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और टीएमसी द्वारा दायर याचिकाओं से संबंधित मामले को कलकत्ता उच्च न्यायालय ने सर्वोच्च न्यायालय द्वारा विशेष अनुमति याचिका के निपटारे तक स्थगित कर दिया है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कल्याण बनर्जी ने पत्रकारों को बताया कि जांच एजेंसी ने स्थगन का अनुरोध किया था। बनर्जी ने कहा कि ईडी के वकील ने मामले की सुनवाई स्थगित करने का अनुरोध किया क्योंकि यह मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। मैंने स्पष्ट रूप से कहा है कि मैं अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष के रूप में ममता बनर्जी की ओर से पेश हो रहा हूं, न कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री के रूप में। दूसरे, हमने यह भी कहा है कि इस विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) में अदालत पर आरोप लगाए गए हैं। टीएमसी सांसद ने कहा कि उन्होंने अपना कहा कि वे मामले में सुनवाई उच्च न्यायालय में कराने के लिए तैयार हैं।

रंगनाथ मंदिर में मनाया गया विवाहोत्सव : माता गोदा जी ने लिए भगवान के साथ फेरे, वैदिक मंत्रों के मध्य हुआ अभिषेक

जनता यूनियन मथुरा । दक्षिण भारतीय शैली के उत्तर भारत में स्थित विशालतम रंगनाथ मंदिर में मकर संक्रांति के अवसर पर भगवान का विवाहोत्सव का आयोजन किया गया । दो दिवसीय आयोजन में बुधवार को माता गोदा (लक्ष्मी) जी का वैदिक मंत्रों के मध्य अभिषेक किया गया। यहां देर शाम विवाह मंडप में भगवान का गोदा जी के साथ विधि विधान से विवाह कराया गया।

मकर संक्रांति पर होता है आयोजन धार्मिक नगरी वृंदावन के विशालतम श्री रंगनाथ मंदिर में श्री गोदा रंगमन्नार विवाहोत्सव का दिव्याकर्षक आयोजन वैदिक परंपरानुसार किया गया। यहां प्रत्येक वर्ष मकर संक्रांति के अवसर पर श्री रामानुज संप्रदाय के उत्तर भारत में सर्वप्रमुख श्री रंगनाथ मंदिर में श्री लक्ष्मी स्वरूपा गोदम्मा जी का विवाहोत्सव भगवान विष्णु स्वरूप रंगनाथ भगवान के साथ पौष मास में मनाया जाता है।

यह है मान्यता

श्री वैष्णवसंप्रदाय की धार्मिक मान्यतानुसार दक्षिण भारत के विल्लीपुत्तुर नामक ग्राम निवासी भगवद भक्त विष्णुचित्त भट्ट नाथ स्वामी की पुत्री रूप में अवतरित गोदा जी ने भगवान विष्णु को पति रूप में पाने के लिए पौष मास में धनु संक्रांति से मकर संक्रांति तक कठिन व्रत का निर्वाहन किया। माह पर्यंत दिव्य प्रबंध पाठ कर तिरुप्पावे की रचना की। व्रत पूर्ण होने पर श्री भूदेवी अवतार गोदा जी को भगवान रंगनाथ ने सहधर्मिणी रूप में वरण किया।

सहस्त्र धारा अभिषेक किया

मंगलोत्सव की बेला में मां गोदाम्मा का केसर मिश्रित हल्दी, चन्दन से लेपन कर पवित्र नदियों के जल से सहस्त्र धारा अभिषेक करने के बाद सुवासित तेल से केश बनाए गए। इसके बाद नवीन पोशाक आभूषण धारण करवा कर कुंभ आरती की गई।

विवाह मंडप के समक्ष हुई माला अदला बदली

विवाह की मांगलिक रस्म वैदिक मंत्रोचार के साथ अदा की गई। विवाह उत्सव के अंतर्गत पुस्कर्णी द्वार के समीप माला अदला बदली की गई। इसमें मंदिर के पुजारी नाचते गाते माता गोदा जी की माला भगवान रंगनाथ के लिए और भगवान रंगनाथ की माला गोदा जी के लिए लेकर गए।यह क्रम 3 बार चला। इस दर्शन को कर श्रद्धालु अभिभूत हो गए। माला अदला बदली के बाद भगवान रंगनाथ और माता गोदा जी की आरती की गई और फिर दोनों को मंडप में ले जाया गया।

विवाह मंडप में हुआ विवाह

विवाह मंडप में भगवान रंगनाथ और माता गोदा जी का विवाह उत्सव हुआ। राजू स्वामी ने वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य विवाह उत्सव कराया। इससे पहले मंगलवार को माता गोदा जी अपनी सखियों को जगाने गई। इसके बाद उनको हल्दी लगाई और मेंहदी लगाई गई थी। मंदिर के महंत जी ने भात दिया। दो दिवसीय इस आयोजन के दौरान पूरा मंदिर परिसर भक्ति के साथ साथ मंगल वैवाहिक माहौल में रंगा नजर आया।

राधा दामोदर मंदिर में तिरोभाव महोत्सव के द्वितीय दिवस वितरित किए श्रवण यंत्र

जनता यूनियन मथुरा । नगर के सत्य देवालयों में से प्रमुख ठाकुर राधा दामोदर मंदिर में चल रहे नित्य लीला प्रविष्टि आचार्य निर्मल चंद्र गोस्वामी महाराज के त्रिदिवसीय तिरोभाव महोत्सव के द्वितीय दिवस मंदिर परिसर में समाधि पूजन श्रवण यंत्र वितरण एवं साधु संतों के सम्मान का आयोजन किया गया। विस्तृत जानकारी देते हुए मंदिर के सेवायत आचार्य कृष्ण बलराम गोस्वामी महाराज एवं पूर्ण चंद्र गोस्वामी महाराज ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी नित्यलीला प्रविष्टि आचार्य निर्मल चंद्र गोस्वामी महाराज का त्रिदिवसीय महोत्सव बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया जा रहा है। आज द्वितीय दिवस के पावन मौके पर प्रातः कालीन बेला में सर्वप्रथम आचार्य निर्मल चंद्र गोस्वामी महाराज की समाधि पर पूजन अर्चन एवं पुष्पांजलि देकर गोस्वामी महाराज को याद किया गया है। वहीं मंदिर परिसर में सन्यासी संतो के द्वारा विद्वत संगोष्ठी का आयोजन हुआ है। जिसमें साधु संतों ने अपने विचार व्यक्त किए है। मंदिर के सेवायत आचार्य करुण गोस्वामी महाराज ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी पूर्व महोत्सव के पावन मौके पर जरूरतमंद एवं असहाय लोगों को आवश्यक वस्तुएं वितरित की जाती हैं। इसी क्रम में आज जरूरतमंद लोगों को श्रवण यंत्र वितरण किए गए हैं।

सन्यासी अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महामंडलेश्वर नवल गिरी महाराज ने बताया कि आज के पावन पर्व पर आचार्य निर्मल चंद्र गोस्वामी महाराज का तिरोभाव महोत्सव मनाया गया। जिसमें मंदिर के सेवायतों के द्वारा साधु संतों का सम्मान किया गया। साथ ही सभी साधु संतों ने अपने विचार व्यक्त किए है। वहीं उन्होंने कहा कि आचार्य निर्मल चंद्र गोस्वामी महाराज बड़े ही सरल स्वभाव के धनी थे। उनके द्वारा निरंतर ही साधु वैष्णव सेवा का आयोजन किया जाता था। उन्हीं के पद चिन्हों पर चलते हुए मंदिर के सेवायत सेवा कर रहे हैं। मौके पर आचार्य तरुण गोस्वामी महाराज, निताई गोस्वामी, स्वामी सुरेशानंद गिरी महाराज, स्वामी विष्णु देवानंद गिरि महाराज, स्वामी कमलेशानंद गिरि महाराज, स्वामी कल्याणानंद गिरी महाराज, गंगा जी कुटी वाले महाराज आदि मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

न्यायालयों में 15 जनवरी का मकर संक्रांति का अवकाश

जनता यूनियन मथुरा । जनपद न्यायाधीश श्री विकास कुमार द्वारा आम जनमानस व वादकारियों को सूचित किया जाता है कि माननीय उच्च न्यायालय, इलाहाबाद द्वारा प्रेषित पत्र द्वारा जिला न्यायालयों में दिनांक 15.01.2026 को ꖴमकर संक्रांतिꖴ के अवसर पर सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है एवं इसके स्थान पर किसी भी चौथे शनिवार को न्यायालय कार्य दिवस घोषित करने हेतु आदेशित किया गया है।

उपरोक्त पत्र में पारित निर्देश के अनुक्रम में दिनांक 15.01.2026 (गुरुवार) को घोषित अवकाश के बदले में दिनांक 23.05.2026 (चौथा शनिवार) को न्यायिक कार्य हेतु कार्य दिवस घोषित किया जाता है।

खाटू श्याम दर्शन को पहुंचे मथुरा के श्रद्धालुओं की कार पेड़ से टकराई,दो की मौत

जनता यूनियन मथुरा । मथुरा से खाटू श्यामजी के दर्शन के लिए निकले श्रद्धालुओं की कार बुधवार तड़के भीषण हादसे का शिकार हो गई। सीकर जिले के रींगस कस्बे में खाटू श्यामजी मार्ग पर कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। हादसे में मथुरा निवासी रेस्टोरेंट संचालक रिंकू सैनी और उनके हेल्पर अमित की मौके पर ही मौत हो गई जबकि तीन श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

हादसा बुधवार सुबह करीब 4ः30 बजे रींगस थाना क्षेत्र में होटल माखन मटकी के पास हुआ। प्रारंभिक जांच में दुर्घटना का कारण ड्राइवर को झपकी आना बताया जा रहा है।

रींगस थाना के एएसआई सांवताराम ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, जहां कार पेड़ से टकराई हुई मिली। दुर्घटना में रिंकू सैनी और अमित की मौत हो गई जबकि घायल दुर्गेश, अजय, केवल और विनोद को उपचार के लिए रींगस अस्पताल ले जाया गया। तीन घायलों की हालत गंभीर होने पर उन्हें सीकर के एसके अस्पताल रेफर किया गया है।

सघन मत्स्य पालन एयरेशन सिस्टम योजना में हुआ लाभार्थियों का चयन

जनता यूनियन मथुरा । मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीना की अध्यक्षता में राजीव भवन में मत्स्य विभाग अन्तर्गत संचालित सघन मत्स्य पालन एयरेशन सिस्टम योजनान्तर्गत वर्ष 2025-26 अन्तर्गत लाभार्थियों के चयन किये जाने हेतु जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सघन मत्स्य पालन योजना के तहत प्राप्त आवेदनों की समीक्षा करते हुए पात्रता के मापदण्डों के आधार पर चयन की प्रक्रिया की गई।

जिसमें चयन समिति ने यह निर्णय लिया कि लाभार्थियों का चयन शासन द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों एवं पात्रता मानकों के अनुसार किया जायेगा। सहायक निदेशक मत्स्य ने बताया कि सघन मत्स्य पालन योजना के लिये कुल 04 आवेदन प्राप्त हुये जिनके सापेक्ष सत्यापन उपरान्त 04 आवेदन चयन हेतु पात्र पाये गये। बैठक में मत्स्य विभाग के अधिकारी एवं जिला स्तरीय समिति के सदस्य उपस्थित रहें।

उत्तर प्रदेश सिंधी अकादमी द्वारा ने कराया सिंधी - हिंदी भाषा पर कार्यक्रम

जनता यूनियन मथुरा । सिंधी - हिंदी की परिभाषा खोली, संस्कृति की भाषा बोली। विभाजन की धूप में भी जो छाँव बनकर ठहरे, वो भाषा नहीं, वो मूल्य थे जो भारत में आकर निखरे। हम बात कर रहे हैं उस सिंधी समाज की जिनके लिए हिंदी बनी सेतु , सिंधी बनी आत्मा, दोनों ने मिलकर गढ़ी, एक सशक्त भारत की कथा। सिंधी बच्चों ने हिंदी भाषी जमीन पर सिंधीयत को किया बुलंद और दी एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां। 4 से 18 वर्ष तक के बच्चों ने सिंधी लोकगीत, भजन, कविताएं और नृत्य प्रस्तुत कर सिंधी संस्कृति की अद्भुत छटा बिखेरी। मौका था सिंधी बोली भाषा के प्रचार प्रसार और सिंधी संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, सिंधी मातृशक्ति संस्कार मंच की मेजबानी में मंगलवार को वृंदावन मार्ग स्थित ब्रज कला केंद्र के ऑडोटोरियम में उप्र सिंधी अकादमी द्वारा आयोजित सिंधी सांस्कृतिक चटाभेटी कार्यक्रम का, जिसमें विश्व हिंदी दिवस के उपलक्ष्य पर ÷हिंदी - सिंधी में समानता तथा राष्ट्र निर्माण में सिंधी संस्कृति÷ विषयक संगोष्ठी भी हुई।

लखनऊ से आए उप्र सिंधी अकादमी के निदेशक अभिषेक कुमार अखिल ने कहा कि सिंधी बोली भाषा के उत्थान के लिए माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उप्र सिंधी अकादमी द्वारा प्रदेशभर में विविध आयोजन कराए जा रहे हैं, लेकिन अपनी बोली भाषा को बचाने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी उसी समाज की ही होती है। हिंदी - सिंधी में काफी समानताएं है तथा राष्ट्र निर्माण में सिंधी संस्कृति का भी अहम योगदान है।

वरिष्ठ वक्ता नारायण दास लखवानी ने कहा कि सिंधी - हिंदी बोली-भाषा और संस्कृति को बनाए रखने पर गहरा चिंतन मंथन भविष्य में मील का पत्थर साबित होगा। समाजसेवी रामचंद्र खत्री ने सिंधी बोली-भाषा को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए कहा कि हम अपने परिवार और समाज में आपसी बातचीत सिंधी में ही करें, इसके लिए मातृशक्तियों की भूमिका सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है क्योंकि वह ही संस्कार दे सकती हैं।

अध्यापिका ज्योति घावरी ने कहा कि सिंधी और हिंदी भाषाएँ विरोधी नहीं, बल्कि सहायक भाषाएँ हैं। इनकी समानता इन्हें जोड़ती है और संभावनाएँ इन्हें भविष्य की ओर ले जाती हैं। यदि दोनों भाषाओं को साथ लेकर चला जाए, तो संस्कृति, शिक्षा और समाज सभी समृद्ध होंगे। भूमिका केवलानी ने कहा कि हमें गर्व है कि हम सिंधी हैं क्योंकि सिंधी समाज का उदय सिंधु नदी सिंधु घाटी से हुआ है, जिसका अस्तित्व अखंड भारत की प्राचीन मुअन जो दड़ो सभ्यता से जुड़ा है।

कार्यक्रम संयोजिका गीता नाथानी एवं कार्यक्रम की निर्णायक अनिता चावला एडवोकेट ने सिंधी जनरल पंचायत, भारतीय सिंधु सभा, लाड़ी लोहाणा सिंधी पंचायत, जिए सिंध सेवा संगम, सिंधी वेलफेयर फाउंडेशन मिशन स्माइल, सिंधी महिला मंडल, सिंधी नवयुवक मंडल आदि संगठनों और बच्चों के अभिभावकों की प्रशंसा करते हुए आभार जताया और कहा कि हम सबको जोड़ने का सूत्र सिंधीयत ही है।

कार्यक्रम के सूत्रधार युवा विचारक किशोर इसरानी ने सिंधी बोली को ही अपनी पहचान बनाने पर बल देते हुए कहा कि हिंदी भाषा हमारी मौसी है जो बहुत प्यारी है और सिंधी बोली हमारी मां है जो बहुत जरूरी है।

इस मौके पर उप्र सिंधी अकादमी के निदेशक अभिषेक कुमार अखिल, कार्यक्रम संयोजक गीता नाथानी, निर्णायक अनिता चावला एडवोकेट, कार्यक्रम के सूत्रधार किशोर इसरानी, नारायण दास लखवानी, रामचंद्र खत्री, ज्योति घावरी, भूमिका केवलानी, भारती केवलानी, मनीषा अंदानी, कोमल नाथानी, चंद्रा खत्री, रजनी इसरानी, महक वाधवानी, ज्योति भाटिया, कविता मंगलानी आदि मातृशक्तियां तथा अकादमी के वरिष्ठ असिस्टेंट रवि यादव सहित तमाम गणमान्यजन शामिल थे। कार्यक्रम का सफल संचालन हेमा गंगवानी ने किया।

फर्जी फसल बीमा क्लेम पर कार्रवाई

जनता यूनियन मथुरा । प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में जिलास्तरीय मॉनिटरिंग कमेटी ने 29 ऐसे किसानों को चिन्हित किया है, जिनको कृषि विभाग दो बार और बीमा कंपनी एक बार नोटिस दे चुकी है, लेकिन इसके बावजूद इन किसानों ने बीमा रकम नहीं चुकाई है। इन किसानों ने वर्ष 2021-22 में फसल बीमा कराया था। अब कृषि विभाग ने इन किसानों की आरसी जारी कर दी है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की समीक्षा के लिए बनी जिला स्तरीय मानिटरिंग समिति ने गलत तरीके फसल बीमा लेने वाले किसानों से वसूली की कार्रवाई शुरू करने के लिए कहा है। उप कृषि निदेशक वसंत कुमार दुबे ने वर्ष 2021-22 में गलत तरीके से प्राप्त किए गए फसल बीमा प्रकरण के बारे में समिति को रिपोर्ट दी है। जिले में 42 लोगों के 61 आवेदनों के सापेक्ष धनराशि 90़ 60 लाख रुपये की वसूली की जानी है। दरअसल इन संबंधित लोगों को फर्जी बीमा क्लेम की धनराशि जमा करने के लिए उप कृषि निदेशक कार्यालय से दो बार नोटिस जारी किए गए। एग्रीकल्चर इश्योरेंस कंपनी आफ इंडिया ने भी एक बार नोटिस जारी किये गये जिसके सापेक्ष 13 लोगों ने.बैंक ड्राफ्ट के माध्यम से 21़ 31 लाख रुपये की वसूली की जा रही है। बाकी 29 लोगों द्वारा गलत तरीके से प्राप्त की गई बीमा क्लेम की धनराशि जमा नहीं कराई गई है। इस संबंध में जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने उप कृषि निदेशक को निर्देश दिए कि बाकी 29 लोगों से धनराशि 66़ 28 लाख रुपये की वसूली के लिए तुरंत आरसी जारी कर आगे की कार्रवाई की जाए।

व्यावसायिक समितियो के प्रतिनिधि नगर आयुक्त से मिले व सकारात्मक बात

जनता यूनियन मथुरा । नगर के विभिन्न बाजारों की समस्याओं को लेकर नगर उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के महानगर अध्यक्ष सुनील अग्रवाल व महानगर महामंत्री शशिभानु गर्ग के नेतृत्व में विभिन्न व्यावसायिक समितियो के प्रतिनिधि नगर आयुक्त जग प्रवेश, अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह व सहायक नगर आयुक्त राकेश त्यागी से मिले व सकारात्मक बातचीतहुई गोवर्धन चौराहा से मंडी समिति तक जाने वाली मार्ग से अतिक्रमण हटाने को लेकर निगम द्वारा मुनादी कराने के बाद गोवर्धन चौराहा मंडी समिति रोड व्यवसाय समिति के व्यापारियों द्वारा अधिकारियों के समक्ष फुटपाथ व दुकानों की हद चिन्हित किए जाने की मांग की जिससे व्यापारी उक्त स्थान तक ही अपना सामान रख सके जिसे मानते हुए यह तय किया गया कि निगम की टीम के साथ अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह स्वयं जाकर चिन्हित करेंगे।

ब्रज में श्रद्धा, भक्ति व उल्लास के साथ मकर संक्रांति व एकादशी मनाई गई

जनता यूनियन मथुरा । मकर संक्रांति व एकादशी का पर्व एक साथ होने से दोनों पर्वों का उल्लास बुधवार को दो गुना हो गया। ब्रजवासियों ने ही नहीं देश के विभिन्न नगरों से आए हजारों श्रद्धालुओं ने मथुरा में यमुना के घाटों पर पहुंचकर स्नान किया। इस अवसर पर लोगों ने तीर्थ स्थल वृंदावन, गोवर्धन व बरसाना की परिक्रमा लगाई और मंदिरों में दान-पुण्य किया। संतों के आश्रम व मठों में धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मस्थान, द्वारिकाधीश मंदिर,वृंदावन में बांके बिहारी मंदिर , राधा बल्लभ मंदिर, रसिक बिहारीजी मंदिर, सेवा कुंज, निधिवन, राधा श्याम सुंदर मंदिर, राधा रमण मंदिर, प्रेम मंदिर, वैष्णदेवी मंदिर, चार धाम, गोवर्धन के दानघाटी मंदिर, गिरिराज मुखारविंद मुकुट मंदिर, हर गोकुल, हरदेवजी मंदिर, जतीपुरा के गिरिराज मुखारविंद मंदिर, बरसाना के लाड़लीजी मंदिर, दादी बाबा मंदिर, दाऊजी मंदिर, सुदामाजी मंदिर, वृषभानजी मंदिर, अष्टसखी मंदिर, श्यामा श्याम मंदिर, गोपालजी मंदिरि, सांकरी खोर स्थित श्रीरामजी मंदिर, गहवर वन स्थित मानगढ़, मोरकुटी, दानगढ़, विलासगढ़ , नंदगांव के नंदबाबा मंदिर, आशेश्वर महादेव मंदिर, गोकुल, महावन, दाऊजी के मंदिरों में पहुंचकर श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना की। यमुना नदी व पवित्र कुंडों पर पहुंचकर स्नान किया और भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया। भक्तों ने खिचड़ी, तिल-गुड़ के पकवान और अन्य मौसमी व्यंजनों व फलों का भोग लगाया।

किडनी फेल होने पर ट्रांसप्लांट से मिलती है मरीजों को बेहतर क्वालिटी ऑफ लाइफ

जनता यूनियन मथुरा । किडनी ट्रांसप्लांट एंड-स्टेज रीनल डिज़ीज़ (श्वस्त्रष्ठ) से जूझ रहे मरीजों के लिए गोल्ड-स्टैंडर्ड इलाज माना जाता है। यह लंबे समय तक चलने वाली डायलिसिस की तुलना में बेहतर सर्वाइवल, बेहतर क्वालिटी ऑफ लाइफ और लॉन्ग-टर्म में अधिक कॉस्ट-इफेक्टिव विकल्प है। जब खराब हो चुकी किडनी की जगह किसी जीवित या मृत दाता की स्वस्थ किडनी लगाई जाती है, तो शरीर का फिज़ियोलॉजिकल बैलेंस दोबारा स्थापित होता है और मरीज फिर से आत्मनिर्भर व सक्रिय जीवन जी पाता है।

मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, नोएडा के यूरोलॉजी, यूरो-ऑन्कोलॉजी, रोबोटिक यूरोलॉजी विभाग के सीनियर डायरेक्टर एवं किडनी ट्रांसप्लांट सर्जरी विभाग के हेड डॉ. अमित के. देवरा ने बताया ÷वे मरीज जिनकी किडनियां स्थायी रूप से फ्लूइड बैलेंस, इलेक्ट्रोलाइट्स और मेटाबॉलिक फंक्शन बनाए रखने में असमर्थ हो जाती हैं, किडनी ट्रांसप्लांट के उपयुक्त उम्मीदवार होते हैं। डायबिटिक नेफ्रोपैथी, हाई ब्लड प्रेशर से जुड़ी किडनी बीमारी, क्रॉनिक ग्लोमेरुलोनेफ्राइटिस और जेनेटिक रीनल डिसऑर्डर इसके प्रमुख कारण हैं। ट्रांसप्लांट से पहले की विस्तृत मेडिकल जांच से मरीज की फिटनेस सुनिश्चित की जाती है, जिससे सर्जरी के जोखिम कम होते हैं और बेहतर नतीजे मिलते हैं।÷

जानकी बाई गर्ल्स इंटर कॉलेज के कर्मचारियों का अनिश्चित कालीन अनशन 16 से

जनता यूनियन मथुरा । जानकी बाई गर्ल्स इंटर कॉलेज मथुरा के स्टाफ का मैनेजमेंट द्वारा किए जा रहे उत्पीड़न और जिला विद्यालय निरीक्षक मथुरा द्वारा कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान न करने, मैनेजमेंट का साथ देने को लेकर पीड़ित कर्मचारी जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय पर अनिश्चित कालीन अनशन 16 जनवरी को प्रातः 11 बजे से प्रारंभ करेंगे। शिक्षणेत्तर कर्मचारी सयुक्त परिषद के प्रदेश अध्यक्ष मुकेश सिंह सिकरवार एवं प्रदेश महासचिव प्रेम शंकर शर्मा ने परिषद की तरफ से पीड़ित कर्मचारियों को अपना समर्थन देते हुए परिषद के सभी पदाधिकारियों एवं जिला अध्यक्षों से अनुरोध किया है कि 16 जनवरी से जिला विद्यालय निरीक्षक मथुरा कार्यालय पर पीड़ित कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाने के लिए अनशन स्थल पर पहुंचे। इस संबंध में परिषद द्वारा मुख्यमंत्री, शिक्षा निदेशक, आयुक्त आगरा, जिला अधिकारी,एसएसपी, डीआईओएस मथुरा को भी अवगत करा दिया गया है।

विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों के मध्य पंचम दिवस संत विद्वत सम्मेलन का आयोजन

जनता यूनियन मथुरा । परिक्रमा मार्ग स्थित सुदामा कुटी आश्रम के संस्थापक साकेत वासी संत सुदामा दास महाराज के वृंदावन आगमन के शताब्दी महोत्सव एवं जगतगुरु रामानंदाचार्य महाराज की जयंती महोत्सव कुंभ मेला क्षेत्र में विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों के मध्य पंचम दिवस संत विद्वत सम्मेलन का आयोजन किया गया। साथ ही 108 श्री राम महायज्ञ में राम नाम जप के साथ आहुति दी जा रही हैं।

संत संगोष्ठी में अयोध्या से आए जगतगुरु रामानंदाचार्य स्वामी बल्लभाचार्य महाराज ने कहा कि संत सुदामा दास महाराज ने अपनी भगवत भक्ति के माध्यम से भक्तों को सद्मार्ग पर चलने का संदेश दिया। उन्होंने निः स्वार्थ सेवा का मार्ग प्रशस्त किया। महंत विष्णु दास महाराज हरिद्वार ने कहा कि रामानंदीय संप्रदाय आचार्य संत सुदामा दास महाराज में मानवता की सेवा के प्रति अनूठी भावना थी। महाराज श्री ने गौ सेवा और संत सेवा को ही अपने जीवन का उद्देश्य माना।

बक्सर से पधारे महंत राजाराम दास एवं महंत प्रेम दास महाराज ने कहा कि संत सुदामा दास महाराज के वृंदावन आगमन के शताब्दी महोत्सव पर हम सभी को उनके द्वारा बताए गए सेवा के मार्ग पर अग्रसर रहने का संकल्प लेना चाहिए। यही महाराज श्री के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

युवक ने फाँसी लगाकर की आत्महत्या, सदमे में महिला की मौत

दीपिका, पत्नी — ध्रुवराज कुशवाहा, मृतक

झांसी जयूसं। कोतवाली थाना क्षेत्र के सागर गेट मोहल्ले में एक युवक ने फाँसी लगाकर आत्महत्या कर ली। युवक की आत्महत्या की खबर उसके पिता के नाम से क्षेत्र में फैली। पड़ोसी महिला के पुत्र का मृतक युवक के पिता से नाम मिलने पर संदेह हुआ की उसके पुत्र ने फाँसी लगा ली। इसी सदमे में महिला की मौत हो गई। जहां युवक की सोशल मीडिया पर प्रेम प्रसंग होने पर छ माह पूर्व हुई शादी के बाद आत्महत्या कर लेने की घटना सामने आई। वहीं पड़ोसी महिला की सदमे में मौत हो जाने की दोनों घटनाओं से पूरे क्षेत्र में हड़कंप मचा हुआ है।

कोतवाली के सागर गेट निवासी रामबाबू का 19 वर्षीय पुत्र ध्रुवराज के पिता रामबाबू परिवार सहित बाहर घूमने गए थे। सात जनवरी से ध्रुव घर पर अकेला था। दो दिन से उसकी परिजनों से फोन पर वार्ता नहीं हुई थी। आज उसके परिजन घर पहुंचे और दरवाजा खटखटाया लेकिन जब दरवाजा नहीं खुला तो परिजनों ने खिड़की से कमरे के अंदर झांक कर देखा तो ध्रुव पंखे पर फांसी के फंदे पर लटका था। इधर ध्रुव की आत्महत्या की खबर पूरे इलाक़े में फैल गई की, रामबाबू के लड़के ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस सदमे में पड़ोसी महिला को संदेह हुआ कि उसके पुत्र रामबाबू ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह यह सदमा नहीं झेल पाई और उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया।

मृतक ध्रुव के चाचा ने बताया कि ध्रु व की शादी छ माह पूर्व लव मैरिज हुई थी। सोशल मीडिया के माध्यम से युवती से प्रेम प्रसंग होने के बाद दोनों की शादी हुई। शादी के बाद से ही ध्रुव को युवती ओर उसके परिजन प्रताड़ित करते थे। इसी प्रताड़ना के चलते ध्रुव ने आत्महत्या कर ली। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मकर संक्रांति के पावन पर्व पर जरूरतमंदों को गर्मवस्त्र वितरण किये

झांसी जयूसं। क्षत्रिय कलचुरी कलवार महासंघ के तत्वाधान में महासंघ के अध्यक्ष अजीत राय की अध्यक्षता में शिवाजी नगर मेडिकल रोड पेट्रोल पंप के सामने पनिया पुल हनुमान जी शनिदेव मंदिर मैं बैठे गरीब मजदूर बेसहारा जरूरतमंदों को मकर संक्रांति के पावन पर्व पर गर्म वस्त्र लोअर इनर कंबल मौजा मफलर लड्डू आदि वितरण किया । इस अवसर पर महासंघ के अध्यक्ष अजीत राय ने कहा भीषण सर्दी को देखते हुए गरीब मजदूर जरूरतमंदों को गरम वस्त्र लेना चाहते हैं वह अजीत राय का मोबाइल नंबर 94555 15712 पर संपर्क कर सकते हैं। इस अवसर पर श्रीमती शिव कुमारी राय ,श्रीमती लक्ष्मी राय ,श्रीमती तान्या राय, राधा राय, अनंत राय, अंकित राय, कमलेश राय - खाटू श्याम अध्यक्ष एवं वरिष्ठ भाजपा नेता नेत्री। रामेश्वर राय ,आनंद राय, महामंत्री दिनेश शिवहरे ,कुसुम साहू, कृष्णा कांतपाठक, रूपम शर्मा, विपिन सिंह ,देवेंद्र सिंह आदि का सहयोग रहा।

स्टेशन परिसर में अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार प्राप्त ट्रैकमैन का किया सम्मान

झांसी जयूसं। अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार से सम्मानित झांसी रेल मंडल के ट्रैकमैन पर्वत के बाँदा आगमन पर रेलवे स्टेशन परिसर में उनके सहकर्मियों एवं आमजन द्वारा स्वागत एवं सम्मान किया गया। यह स्वागत उनके द्वारा रेलवे सेवा के दौरान प्रदर्शित उत्कृष्ट कार्य, निष्ठा एवं संरक्षा के प्रति समर्पण के सम्मान स्वरूप किया गया। इस अवसर पर उपस्थित रेलवे कर्मचारियों ने पर्वत को बधाई देते हुए कहा कि उनका यह सम्मान न केवल झांसी रेल मंडल बल्कि समस्त भारतीय रेल के लिए गौरव का विषय है। पर्वत का कार्य अन्य रेलकर्मियों के लिए प्रेरणास्त्रोत है और यह सिद्ध करता है कि कर्तव्यनिष्ठा एवं ईमानदार सेवा को सदैव सम्मान मिलता है। स्टेशन परिसर में आयोजित संक्षिप्त कार्यक्रम के दौरान श्री पर्वत को माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। आमजन ने भी इस अवसर पर उनके योगदान की सराहना करते हुए शुभकामनाएँ दीं।

इस अवसर पर पर्वत की पत्नी श्रीमती विशरानिया, पुत्र सियाराम एवं अजय उपस्थित रहे। रेल परिवार की तरफ से रूपेश कुमार वर्मा, वरिष्ठ खंड अभियंता, बाँदा, रमेश मीना, वरिष्ठ खंड अभियंता, अठोंदना, राजेश शर्मा, स्टेशन प्रबंधक, इचौली, बृजमोहन साहू, आशीष कुमार, चंदू अहिरवार, अनिल, शिव, राममिलन, मिथलेश एवं करन मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

छात्रा को अगवा करने में युवक नामजद

झांसी जयूसं। नवाबाद थाने की पुलिस ने बारहवीं की छात्रा को अगवा करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

नवाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम पिछोर निवासी पीड़िता ने बताया कि 9 जनवरी को वह पेपर देने के लिए स्कूल जा रही थी। बस अड्डे के पास उसे कार सवार पाँच लोगों ने बस में नहीं बैठने दिया। अपने साथ लेकर वह लोग उसे घुमाते रहे। इसके बाद स्कूल के बाहर छोड़कर भाग गए। यह बात किसी से बताने पर जान से मारने की धमकी दी। यह बात मालूम चलने पर पिता ने आरोपी समेत पाँच अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया।

मुंबई से भागकर आई किशोरी स्टेशन पर पकड़ी

झांसी जयूसं। रेल सुरक्षा बल ने मुंबई से भागकर आई किशोरी को वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी रेलवे स्टेशन पर पकड़ लिया। इसकी सूचना मुंबई पुलिस को दी गई। मुंबई पुलिस उक्त किशोरी को अपने कब्जे में ले गई।

बाल कल्याण समिति अध्यक्ष राजीव शर्मा ने बताया कि 14 वर्षीय बालिका के पिता मुंबई में रहकर चाय नाश्ता की दुकान चलाते हैं। उसके साथ मुंबई में आगरा का रहने वाला मजदूर कपड़ों पर स्त्री कर अपनी आजीविका चलाता है। उसका भाई रामसागर अपने बड़े भाई के पास जाता रहता था। इसी दौरान उसकी मुलाकात 14 वर्षीय किशोरी से हो गई।

दोनों में दोस्ती हो गई। युवक किशोरी को लेकर आगरा की ओर जा रहा था तभी झांसी स्टेशन पर आरपीएफ ने पकड़ लिया। समिति के अध्यक्ष शर्मा व सदस्यगण कोमल सिंह, परवीन खान, हरिकृष्ण सक्सेना आदि ने काउंसिलिंग की। इस मामले में मेघबाड़ी थाने में गुमशुदगी का मुकदमा दर्ज है।

झांसी - ललितपुर हाइवे पर पलटा ट्रक, चालक घायल

झांसी जयूसं। झांसी – ललितपुर हाइवे पर डोंगरी के पास एल्युमिनियम से भरा ट्रक पलट गया जिससे ट्रक चालक घायल हो गया। चालक को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

बताते हैं कि एल्युमिनियम से भरा ट्रक दिल्ली से चलकर चेन्नई की ओर जा रहा था। इस ट्रक को ललितपुर के जखौरा थाना क्षेत्र में रहने वाला सत्येंद्र कुमार चला रहा था। जैसे ही ट्रक डोंगरी पुलिस चौकी से आगे निकला तो चालक को नींद की झपकी आ गई, जिससे ट्रक अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरा। हादसे के बाद सत्येंद्र के चिल्लाने पर वहां से गुजर रहे अन्य ट्रक चालकों ने उसे खाई में पड़ा देखा। उन्होंने तत्काल 112 पुलिस और 108 एम्बुलेंस सेवा को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस और एम्बुलेंस टीम ने घायल सत्येंद्र को मेडिकल कॉलेज पहुंचाया, जहां उसे इमरजेंसी में भर्ती किया गया है।

सड़क सुरक्षा अभियान, नुक्कड़नाटक के माध्यम सेयातायात नियमों की जानकारी

झाँसी जयूसं। सड़क सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण संदेशों का प्रचार-प्रसार नुक्कड़ नाटक के माध्यम से किया गया। इस दौरान सड़क पर सुरक्षित रूप से चलने तथा यातायात नियमों की विस्तृत जानकारी आमजन को दी गई। इस पहल का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना एवं लोगों को सुरक्षित ड्राइविंग के प्रति जागरूक करना है।

शासन के निर्देशन में एवं परियोजना प्रबंधक रंजय सिंह के नेतृत्व में इस कार्यक्रम को सफल बनाने में रक्षा थाना से एस.आई. गिरी जी, सिनेमा जगत से आरिफ शहडोली, माता प्रसाद, वीरेंद्र सिंह, मोहम्मद शाहिद, साथ ही मेंटेनेंस मैनेजर आरिफ शकूर, सेफ्टी मैनेजर विमल पाल, आइ टी एस मैनेजर नीरज, कंट्रोल रूम ऑफिसर गजेंद्र सिंह, शिफ्ट इंचार्ज अभिषेक, पेट्रोलिंग ऑफिसर देवेंद्र, विवेक, पुष्पेंद्र, केशव , पिंटू तथा पूरी टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

अक्षय जनसेवा समिति ने मेहंदी प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र वितरण कार्यक्रम संपन्न

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सराहनीय पहल

झाँसी जयूसं। अक्षय जनसेवा समिति द्वारा विगत एक माह पूर्व प्रारंभ किए गए मेहंदी प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान करने हेतु एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम अक्षय जनसेवा समिति कार्यालय के समीप स्थित आर्यन मेकअप मंत्रा में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. संदीप सरावगी एवं विशिष्ट अतिथि संजय पटवारी की उपस्थिति रही। अतिथियों ने प्रशिक्षण प्राप्त प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। कार्यक्रम में यह भी उल्लेख किया गया कि अक्षय जनसेवा समिति ने यह पहल डॉ. संदीप सरावगी की प्रेरणा लेकर प्रारंभ की है, जिससे महिलाओं को हुनर आधारित रोजगार से जोड़ने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. संदीप सरावगी ने अपने संबोधन में कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कौशल प्रशिक्षण सबसे प्रभावी माध्यम है। मेहंदी जैसे पारंपरिक हुनर को प्रशिक्षण के माध्यम से रोजगार में बदला जा सकता है। जब महिलाएं अपने पैरों पर खड़ी होती हैं, तब पूरा परिवार और समाज मजबूत होता है। अक्षय जनसेवा समिति द्वारा किया गया यह प्रयास सराहनीय है और आगे भी ऐसे कार्यक्रम निरंतर होने चाहिए। उन्होंने अक्षय जनसेवा समिति द्वारा किए जा रहे सामाजिक एवं प्रशिक्षण कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में सहायक सिद्ध होते हैं।

कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन डी. एम. सिंह, कार्यक्रम संयोजक, अक्षय जनसेवा समिति द्वारा किया गया। उन्होंने समिति की गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि संस्था भविष्य में भी इस प्रकार के रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करती रहेगी। समिति की अध्यक्ष सविता पचौरी ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों एवं सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्था का उद्देश्य समाज के हर वर्ग को सशक्त बनाना है और मेहंदी प्रशिक्षण जैसे कार्यक्रम उसी दिशा में एक निरंतर प्रयास हैं। कार्यक्रम में इस दौरान पप्पू शर्मा, सुनील सिंह, सरोज, अनिल वेश, संध्या पाठक, मोहन सिंह डंगोर, पूनम अवस्थी, नीलू कौशल, रिंकी कुशवाहा, इंजी. मयंक श्रीवास्तव, संजीव विश्वकर्मा, हेमंत कुशवाहा सहित क्षेत्र की कई महिलाएँ एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में मनोज पाठक ने आभार व्यक्त किया।

रेल कर्मियों को यातायात नियमों का करना होगा पालनः डीआरएम

रेलवे कर्मचारियों के लिए सड़क सुरक्षा सेमिनार का किया आयोजन

झांसी जयूसं। रेलवे कर्मचारियों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत डॉ. विश्वेश्वरैया ऑडिटोरियम में एक सड़क सुरक्षा जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन झाँसी रेल मंडल तथा क्षेत्रीय परिवहन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक अनिरुद्ध कुमार ने कहा कि रेलवे कर्मचारियों को यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करने एवं सड़क सुरक्षा उपायों को अपनी दिनचर्या में अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल नियमों तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि यह जीवन की सुरक्षा से जुड़ा अत्यंत संवेदनशील विषय है, जिसमें प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी निहित है।

कार्यक्रम में अजय श्रीवास्तव, मुख्य कारखाना प्रबंधक, वैगन मरम्मत कारखाना झाँसी, राजेश कुमार शर्मा, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी, झाँसी तथा कौशल किशोर, मुख्य संरक्षा अधिकारी विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। सेमिनार के दौरान सड़क सुरक्षा विषय पर विशेषज्ञों द्वारा विस्तृत व्याख्यान एवं प्रस्तुतीकरण दिया गया। राजेश कुमार वर्मा, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी , हेमचंद सिंह गौतम, एआरटीओ, पियूष पाण्डेय, सीओ ट्रैफिक तथा संजय सिंह, आर.आई. ने यातायात नियमों, सुरक्षित ड्राइविंग, हेलमेट एवं सीट बेल्ट के उपयोग, गति सीमा के पालन तथा सड़क दुर्घटनाओं से बचाव के महत्वपूर्ण उपायों की जानकारी साझा की। इस सेमिनार में रेल प्रशासन एवं क्षेत्रीय परिवहन विभाग, झाँसी के अधिकारी, रेल यूनियनों के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में रेलवे कर्मचारी उपस्थित रहे।

ढाई लाख रुपए की शराब चोरी, दीवार तोड़कर दुकान में घुसे चोर

झांसी जयूसं। अपराधियों के हौसले एक बार फिर बुलंद नजर आए हैं। चित्रा चौराहा के पास स्थित एक अंग्रेजी शराब की दुकान को सोमवार देर रात बेखौफ चोरों ने निशाना बनाते हुए करीब ढाई लाख रुपए की ब्रांडेड शराब चोरी कर ली। उन्होंने चोरी करने से पहले दुकान के अंदर शराब भी पी। इसके बाद बगल में बिजली विभाग का बिल भुगतान केंद्र में भी बेखौफ बदमाशों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया। अब पुलिस चोरों की तलाश में जुटी है। मामला सीपरी बाजार थाना क्षेत्र का है।

चोर दुकान की पिछली दीवार तोड़कर अंदर घुसे। अंदर दाखिल होने के बाद उन्होंने पहले दुकान में रखे फ्रिज पर बैठकर शराब पी। इसके बाद महंगी और ब्रांडेड शराब की पेटियां उठाकर ले गए। वारदात के दौरान चोरों ने किसी भी तरह की पहचान सामने न आने देने के लिए दुकान में लगे सभी सीसीटीवी कैमरों से जुड़ा डीवीआर को भी अपने साथ ले लिया। दुकान के सेल्समैन हरिओम ने बताया कि वह सोमवार रात करीब 10 बजे रोज की तरह दुकान बंद कर घर चले गए थे। मंगलवार सुबह जब वह दुकान खोलने पहुंचे, तो दुकान की पिछली दीवार टूटी हुई मिली। अंदर का नजारा देख उनके होश उड़ गए, शराब की कई पेटियां गायब थीं और सीसीटीवी का डीवीआर भी नहीं था। इसके बाद उन्होंने तुरंत सीपरी बाजार थाना पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। हालांकि, डीवीआर चोरी हो जाने के कारण पुलिस के सामने चोरों की पहचान एक बड़ी चुनौती बन गई है। पुलिस ने आसपास के इलाकों में लगे अन्य सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ ही संदिग्धों की तलाश शुरू कर दी है। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों और व्यापारियों में दहशत का माहौल है।

लोगों का कहना है कि चित्रा चौराहा जैसे व्यस्त इलाके में इस तरह की वारदात होना पुलिस की गश्त पर सवाल खड़े करता है। क्षेत्रवासियों ने रात में पुलिस गश्त बढ़ाने और अपराधियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल पुलिस अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच में जुटी है।

सीपरी बाजार से चित्रा चौराहा जाने वाले रास्ते पर रेलवे ब्रिज के नीचे अंग्रेजी शराब की दुकान के बगल में बिजली विभाग का बिल भुगतान केंद्र भी संचालित है। बेखौफ बदमाशों ने यहां भी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। हालांकि कैश काउंटर पर उन्हें ज्यादा नकदी हाथ नहीं लगी, लेकिन चोर यहां से कंप्यूटर सिस्टम और पैसे गिनने वाली मशीन चोरी कर ले गए। एक ही रात में दो जगह को निशाना बनाए जाने से इलाके की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। शराब की दुकान और बिजली बिल भुगतान केंद्र सीपरी बाजार से इलाइट चौराहा जाने वाले मेन रोड पर स्थित हैं। इसके बावजूद अपराधियों ने पूरी बेखौफ होकर दीवार तोड़कर वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने पहले दुकान में शराब पी, फिर 5 से 10 हजार रुपये कीमत की महंगी शराब की बोतलें ही चोरी कीं।

पुलिस निभा रही मिशन शक्ति 5.0 का संकल्प

महिला सुरक्षा, आत्मनिर्भरता व साइबर अपराधों पर कर रही काम

झांसी जयूसं। मिशन शक्ति फेज-5.0ज के तहत महिला सुरक्षा, सम्मान, आत्मनिर्भरता और साइबर अपराधों से प्रभावी संरक्षण सुनिश्चित करने के लिए व्यापक अभियान चला रही है। यह अभियान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बीबीजीटीएस मूर्ति के निर्देशन और पुलिस अधीक्षक नगर प्रीति सिंह के पर्यवेक्षण में चलाया जा रहा है।

महिलाओं, बालिकाओं और छात्राओं के सुरक्षित आवागमन को सुनिश्चित करने के लिए कोतवाली थाना पुलिस की एंटी रोमियो टीम सक्रिय हैं। ये टीम बाजारों, शिक्षण संस्थानों, सार्वजनिक स्थलों, पार्कों, बस स्टैंडों और प्रमुख चौराहों पर नियमित गश्त करती हैं। आपत्तिजनक गतिविधियों पर तत्काल कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इस अभियान के तहत महिला पुलिसकर्मियों की उपस्थिति से महिलाओं और बालिकाओं में सुरक्षा की भावना मजबूत हुई है। इससे पुलिस के प्रति उनका विश्वास भी बढ़ा है।साइबर अपराधों की रोकथाम और जन जागरूकता के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक विद्या सागर सिंह, मिशन शक्ति केंद्र प्रभारी किरन रावत, महिला आरक्षी मोहनी तिवारी ने मय स्टॉफ के साथ मिनर्वा चौराहा पर ऑनलाइन धोखाधड़ी, फर्जी कॉल, सोशल मीडिया उत्पीड़न, साइबर स्टॉकिंग और डिजिटल ठगी से बचाव के उपाय बताए जा रहे हैं। लोगों को साइबर हेल्पलाइन 1930 और ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से शिकायत दर्ज कराने के लिए भी जागरूक किया जा रहा है।

जागरूकता कार्यक्रमों में ईव-टीजिंग की रोकथाम, गुड टचङ्कबैड टच, महिला एवं बाल सुरक्षा कानूनों और सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग पर जानकारी दी गई। महिलाओं और बालिकाओं को आपात स्थिति में सहायता के लिए 1090 वूमेन पावर लाइन, 112 पुलिस सेवा, 1098 चाइल्ड लाइन, 108/102 स्वास्थ्य सेवा, 181 महिला हेल्पलाइन और 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया।इसके अतिरिक्त, जनपद के सभी थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केंद्रों की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी दी गई और सूचनात्मक पंपलेट भी वितरित किए गए।

रेलवे कर्मचारी की मौत के मामले में लापरवाही में दोषी तीन चिकित्सकों व बीमा कम्पनी को भुगतना होगा 9 लाख रुपये जुर्माना

झांसीजयूसं। चिकित्सकों की लापरवाही से रेलवे कर्मचारी की मौत के मामले में जिला उपभोक्ता फोरम ने तीन चिकित्सकों व बीमा कम्पनी को दोषी ठहराते हुए 9 लाख रुपये से अधिक जुर्माना लगाया है। यह आदेश जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, अध्यक्ष अमर पाल सिंह, सदस्य देवेश अग्निहोत्री व श्रीमती ज्योती प्रभा जैन ने दिया है।

परिवादियों की ओर से अधिवक्ता सुबोध वर्मा के अनुसार नैनागढ़ नगरा निवासी देवेन्द्र सिंह , राजेन्द्र सिंह तोमर पुत्रगण स्व. ओम प्रकाश सिंह ,रामदास ठाकुर पुत्र जाहिर सिंह ठाकुर निवासी (दौरान मुकदमा मृत)अनीता सिंह व साधना सिंह पुत्रियां स्व. ओमप्रकाश सिंह ने विपक्षीगण डॉ. डीसी गोबिल निवासी मेडीकल कॉलेज केम्पस, झांसी,डॉ.गनेश दत्त शुक्ला निवासी सिविल लाइन झांसी।(मृतक दौरान मुकदमा), डॉ.आर.केअग्रवाल , मेवा चौधरी मेमोरियल नर्सिंग होम मेडीकल कालेज के सामने झांसी तथा दि. न्यू इंडिया इंश्योरेंस कं. लिमिटेड व जरिये ब्रांच मैनेजर, कचहरी चौराहा के खिलाफ परिवाद में बताया था कि देवेन्द्र सिंह आदि के पिता ओमप्रकाश सिंह रेलवे कारखाने में नौकरी करते थे, जहाँ से उन्हें 9 हजार रुपये मासिक वेतन एवं अन्य भत्ते मिलते थे। 23 मई 2001 को सिर दर्द होने पर उन्हें डॉ. जीडी शुक्ला को दिखाया गया। डॉ. शुक्ला की दवा से ओमप्रकाश के शरीर में लाल दाने होने और घबराहट होने पर उन्हें रेलवे अस्पताल में दिखाया गया, जहाँ से मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया। मेडिकल कॉलेज के चिकित्सक डॉ. डीसी गोविल ने डॉ. आर.के अग्रवाल के नर्सिंग होम में भर्ती करवा दिया। जहाँ बिना जाँच किए अधिक दवाएं दिए जाने और गलत इंजेक्शन लगाये जाने से उनकी मौत हो गयी। उपभोक्ता फोरम में दायर परिवाद में चिकित्सकों व बीमा कम्पनी से हर्जाना दिलाए जाने की मांग की गयी।

उपभोक्ता फोरम के अध्यक्ष अमरपाल सिंह, सदस्य ज्योति प्रभा जैन एवं देवेश अग्निहोत्री ने तीनों चिकित्सकों को लापरवाही बरतने पर दोषी मानते हुए उनके साथ ही दि न्यू इण्डिया इश्योरेंस कम्पनी लिमिटेड के शाखा प्रबंधक को 8,94,352 रुपये 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज के साथ 2 माह के अन्दर अदा करने तथा निर्धारित अवधि में धनराशि अदा न करने पर 9 प्रतिशत ब्याज के साथ भुगतान का आदेश दिया। विपक्षियों को 15 हजार रुपये हर्जाने के रूप में भी अदा करने होंगे।कुल धनराशि का आधा-आधा भाग विपक्षी सं 01 डॉ. डी.सी. गोबिल व विपक्षी सं.03 डॉ.आर.के.अग्रवाल अदा करेगें। चूंकि विपक्षी सं03 विपक्षी सं04 बीमा कंपनी के यहां से बीमित रहा है. ऐसी दशा में विपक्षी सं03 के हिस्से की धनराशि विपक्षी बीमा कंपनी अदा करेगी। समस्त धनराशि में से परिवादी सं0 1, 3, 4 एवं 5 बराबर बराबर धनराशि प्राप्त करेगें।

खांसी व गले की खराश में मददगार है मरुआ

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। मरुआ एक ऐसा आयुर्वेदिक पौधा है जो आपको अंदर और बाहर दोनों तरह से फिट रखता है। इसके पत्तों में पोटैशियम, कैल्शियम, आयरन, फाइबर, प्रोटीन, मैग्नीशियम और विटामिन बी6 प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। यही वजह है कि इसे आयुर्वेद में बहुत महत्व दिया गया है। सर्दियों में अक्सर लोगों को सर्दी-जुकाम, खांसी या कफ की समस्या हो जाती है और मरुआ इन सभी समस्याओं में राहत देने में मदद करता है। मरुआ की पत्तियों को आप चाय में डालकर पी सकते हैं। अगर चाहें तो थोड़ी मुलेठी भी डाल सकते हैं, जो खांसी और गले की खराश को कम करने में काफी असरदार होती है। इसके अलावा मरुआ बच्चों के लिए भी बहुत फायदेमंद है। इसकी चटनी पेट के कीड़ों की समस्या को दूर करने में मदद करती है। आप मरुआ की पत्तियों को पीसकर हल्की-सी चटनी बना लें और बच्चों को दें। यह पेट के कीड़े नष्ट करने और पाचन तंत्र को दुरुस्त रखने में मदद करती है। अपच की समस्या में भी मरुआ उपयोगी है। आप मरुआ के पत्तों और अदरक को मिलाकर चटनी बना सकते हैं और इसे भोजन के साथ खा सकते हैं। इससे पेट हल्का रहेगा और खाना अच्छे से पचेगा।

- मुंह की दुर्गंध को करता है दूर
- पत्तों में पोटैशियम, कैल्शियम, आयरन की प्रचुर मात्रा

मरुआ कफ रोगियों के लिए भी बहुत फायदेमंद माना जाता है। इसका काढ़ा पीने से गले और फेफड़ों में जमा बलगम आसानी से निकल जाता है और खांसी में आराम मिलता है। इसके अलावा, मरुआ के पत्ते मुंह की बदबू और मसूड़ों की समस्या को दूर करने में भी मदद करते हैं।

फेफड़ों की सूजन कम करने में गुड़ और सोंठ लाभकारी

नई दिल्ली। सर्दियों में जैसे-जैसे पारा गिरता है, लोग गले में खराश, छींक और सर्दी-जुकाम की शिकायत करने लगते हैं। ऐसे में लोग अक्सर सिरप और दवा की तरफ भागते हैं, लेकिन सच कहें तो रसोई में ही मौजूद एक आसान और असरदार नुस्खा इस परेशानी का हल है। यह है गुड़ और सोंठ। आयुर्वेद में इसे प्राकृतिक इम्युनिटी बूस्टर माना गया है। गुड़ और सोंठ दोनों की तासीर गर्म होती है। इसका फायदा यह है कि यह शरीर में जमा कफ और ठंड को पिघलाने में मदद करता है। गुड़ श्वसन नली को साफ करता है और आयरन की प्रचुर मात्रा के कारण हीमोग्लोबिन बढ़ाता है, जिससे शरीर को ठंड से लड़ने की ताकत मिलती है। सोंठ में मौजूद जिंजरॉल एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से भरा है, जो फेफड़ों की सूजन कम करने और इंफेक्शन दूर करने में कारगर है। पुराने आयुर्वेदिक ग्रंथों में भी इसे खांसी, जुकाम और शरीर में बढ़े कफ को दूर करने वाला बताया गया है। इसे इस्तेमाल करने के कई तरीके हैं। सूखी खांसी के लिए गुड़ और सोंठ की गोलियां बनाई जा सकती हैं। आधा कप कद्दूकस किया हुआ गुड़ लें, उसमें 2 चम्मच सोंठ पाउडर और एक चुटकी काली मिर्च मिलाकर थोड़ा घी डालें और गोलियां बना लें। दिन में 2-3 बार एक गोली चूसने से गले की खराश और खांसी में राहत मिलती है।

'पतंगों के पीछे दौड़, तिल-गुड़ की खुशबू और बचपन' कलाकारों ने साझा किए अनुभव

मुंबई, (एजेंसियां)। सर्दियों की हल्की धूप और आसमान में उड़ती रंग-बिरंगी पतंगें मकर संक्रांति के त्योहार की पहचान हैं। इस मौके पर हर कोई अपने प्रियजनों के साथ समय बिताता है, खुशियां बांटता है और नए साल के लिए सकारात्मक सोच को अपनाता है। इस कड़ी में सन नियो के कलाकारों ने मकर संक्रांति के मौके पर त्योहार का मतलब समझाया और अपने बचपन के अनुभवों को साझा किया।

दिव्य प्रेम : प्यार और रहस्य की कहानी में दिव्या का किरदार निभा रहीं मेघा रे ने कहा कि मकर संक्रांति मेरे लिए हमेशा खास रही है। यह त्योहार सिर्फ मिठाई खाने या पतंग उड़ाने का मौका नहीं है, बल्कि खुशियों, उम्मीदों और परिवार के साथ जुड़ने का अवसर है। मैं बचपन में अपने परिवार के साथ पतंग उड़ाने और तिल-गुड़ बांटने का आनंद उठाती थीं। यह यादें आज भी मेरे दिल में बसी हुई हैं। उन्होंने कहा कि मैं इस साल काम की व्यस्तताओं के बीच भी सेट पर अपनी टीम के साथ त्योहार मनाऊंगी और मिठाइयां बांटूंगी। मकर संक्रांति हमें सिखाती है कि नकारात्मकता को छोड़कर विश्वास, कृतज्ञता और खुशी के साथ आगे बढ़ना चाहिए। मेरी तरफ से सभी को रंगों से भरी और खुशहाल मकर संक्रांति की शुभकामनाएं।

सत्या साची में साची की भूमिका निभा रहीं भाग्यश्री मिश्रा ने भी बचपन की यादें साझा कीं। उन्होंने कहा कि मेरे लिए मकर संक्रांति नई शुरुआत और सकारात्मक बदलाव का प्रतीक है। बचपन की वो यादें, जब मैं रंगीन पतंगें उड़ाती थीं और कटी हुई पतंगों के पीछे पूरे जोश के साथ दौड़ती थी, आज भी दिल को खुश कर देती हैं। समय के साथ बड़े हो जाने और व्यस्तताओं के कारण त्योहार को मनाने का मौका कम मिलता है, लेकिन अगर मुझे काम के बीच मौका मिला, तो मैं सेट पर पतंग उड़ाकर अपने सहकर्मियों के साथ खुशी के पल बिताऊंगी।

शरीर को ऊर्जा व ताकत देने का काम करती है मूली

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। सर्दियों में मूली को प्राकृतिक सुपरफूड कहा गया है। मूली में मौजूद पोषक तत्व शरीर को ऊर्जा और ताकत देने का काम करते हैं। यह पाचन, इम्युनिटी और त्वचा की सेहत के लिए भी वरदान है। बहुत से लोग सलाद या सूप के रूप में इसका सेवन करते हैं, लेकिन इसके सही तरीके, समय और मात्रा को जानना भी जरूरी है, ताकि इसके स्वास्थ्य लाभ पूरी तरह मिल सकें। मूली में सबसे पहले फाइबर की भरपूर मात्रा देखने को मिलती है। यह शरीर में जाकर भोजन को पचाने में मदद करता है और कब्ज जैसी समस्याओं को दूर करता है। इसके अलावा, इसमें विटामिन सी मौजूद होता है, जो इम्युनिटी बढ़ाने के लिए बेहद जरूरी है। सर्दियों में वायरस और सर्दी-जुकाम से बचने के लिए विटामिन सी की जरूरत ज्यादा होती है और मूली इसे प्राकृतिक रूप में उपलब्ध कराती है। मूली में पोटैशियम भी होता है, जो हृदय की सेहत को बनाए रखने, ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने और मांसपेशियों की चुस्ती बनाए रखने में मदद करता है। इसके साथ ही मूली में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर से हानिकारक टॉक्सिन्स को बाहर निकालते हैं और शरीर को अंदर से डिटॉक्स करते हैं।

- ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने व मांसपेशियों की चुस्ती बनाए रखने में मदद
- गैस, एसिडिटी या भारीपन जैसी समस्याओं से राहत

कच्ची मूली खाने के तरीके भी अलग-अलग हैं। इसे कद्दूकस करके दही के साथ रायता बनाया जा सकता है, नींबू और काला नमक डालकर सलाद की तरह खाया जा सकता है, या पतले स्लाइस काटकर स्नैक की तरह लिया जा सकता है। आयुर्वेद के अनुसार, कच्ची मूली शरीर में गर्मी और ताकत पैदा करती है, इसलिए इसे ठंड के मौसम में खाने से शरीर को ऊर्जा मिलती है और पाचन प्रणाली मजबूत होती है। मूली का छिलका भी बेहद उपयोगी होता है। इसके छिलके में फाइबर और कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं, इसलिए छिलके सहित खाने से पाचन और एंटीऑक्सीडेंट्स के लाभ दोगुने हो जाते हैं।

मूली केवल पाचन के लिए ही नहीं, बल्कि बीमारी में राहत देने में भी मददगार है। इसमें मौजूद प्राकृतिक एंजाइम और फाइबर शरीर के पाचन तंत्र को सक्रिय करते हैं, जिससे खाना जल्दी पचता है और गैस, एसिडिटी या भारीपन जैसी समस्याओं से राहत मिलती है।

महिलाओं में यूटीआई की समस्या आम नहीं

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। महिलाओं में बार-बार होने वाला यूटीआई (मूत्र पथ संक्रमण) कोई आम समस्या नहीं है। चिकित्सा जगत में इसे एक 'साइलेंट एपिडेमिक' भी कहा जाता है। आंकड़ों के मुताबिक, हर दो में से एक महिला अपने जीवनकाल में कम से कम एक बार इस संक्रमण का शिकार होती है और लगभग 25 प्रतिशत महिलाओं को बार-बार संक्रमण भी होता है।

इसकी वजह सिर्फ बैक्टीरिया नहीं हैं, बल्कि महिलाओं के शरीर की बनावट और जीवनशैली भी बड़ी भूमिका निभाती है। महिलाओं में मूत्रमार्ग पुरुषों की तुलना में छोटा होता है, इसलिए बैक्टीरिया को पेशाब की थैली (ब्लैडर) तक पहुंचने में ज्यादा दूरी तय नहीं करनी पड़ती। इसके अलावा, मूत्रमार्ग का गुदा के पास होना भी संक्रमण को आसान बना देता है। मेनोपॉज के दौरान एस्ट्रोजन हार्मोन कम होने से योनि के सुरक्षात्मक बैक्टीरिया खत्म हो जाते हैं, जिससे संक्रमण का खतरा और बढ़ जाता है। साथ ही, पानी कम पीना, पेशाब देर तक रोकना, सार्वजनिक शौचालयों का इस्तेमाल और माहवारी के दौरान स्वच्छता का ध्यान न रखना भी इस समस्या को आम बनाते हैं। आयुर्वेद में यूटीआई को केवल बैक्टीरिया का हमला नहीं माना जाता, बल्कि इसे मूत्रकृच्छ्र या मूत्राघात कहा गया है और इसे शरीर के पित्त दोष के असंतुलन से जोड़ा गया है। अत्यधिक गर्म, तीखे, नमकीन या खट्टे भोजन और अपच या अजीर्ण की स्थिति पित्त को बढ़ा देती है, जिससे मूत्राशय में जलन, बार-बार पेशाब, पेट या कमर में दर्द जैसी समस्याएं शुरू हो जाती हैं।

- लगभग 25 प्रतिशत महिलाओं को बार-बार संक्रमण
- माहवारी के दौरान स्वच्छता का ध्यान न रखना भी समस्या का कारण

आयुर्वेद में इसका स्थायी और सुरक्षित समाधान बताया गया है। चंद्रप्रभा वटी मूत्राशय की मांसपेशियों को मजबूत करती है और जलन को कम करती है। गोक्षुरादि गुग्गुल पेशाब की मात्रा बढ़ाकर बैक्टीरिया को बाहर निकालता है। नीरी तुरंत राहत देती है और संक्रमण को किडनी तक पहुंचने से रोकती है।

इसके अलावा, चन्दनासय शरीर की गर्मी शांत करता है और पेशाब में जलन को जड़ से खत्म करता है। जड़ी-बूटियां जैसे पुनर्नवा, वरुण और गिलोय भी शरीर की सुरक्षा बढ़ाती हैं। साथ ही, आयुर्वेद में तुरंत राहत के लिए सुबह धनिया और मिश्री का पानी पीने की सलाह दी जाती है। पर्याप्त पानी पीना, स्वच्छता का ध्यान रखना और तीखे या भारी भोजन से परहेज करना भी यूटीआई से बचाव में मदद करता है।

चिल्ले कलां के 23 दिन बिना भारी बर्फबारी के बीतने पर चिंता में हैं कश्मीरी

जम्मू, (एजेंसियां)। माना कि इस समय कश्मीर में सर्दी की पकड़ बहुत मजबूत है और सबसे भयानक सर्दी की अवधि चिल्ले कलां जारी है पर कई सालों के उपरांत चिल्ले कलां के पहले 23 दिन बिना भारी बर्फबारी के शुष्क गुजरने से कश्मीरी चिंता में हैं कि क्या उनके हिस्से की बर्फ उन्हें मिलेगी या नहीं। हालांकि मौसम विभाग बर्फबारी की अपनी भविष्यवाणियों को बार बार बदल रहा है जिस कारण अब उस पर भी विश्वास करना मुश्किल हो गया है।

चिल्ले कलां की अवधि 40 दिनों की होती हे और इस दौरान सर्दी अपने पूरे शबाब पर होती है। यह इस बार भी है तो पूरे शबाब पर लेकिन शुष्क सर्दी बिना बर्फ के है। न ही बारिश है और न ही भारी बर्फ। नतीजतन इस सूखे से निजात पाने की खातिर कश्मीरी सिर्फ अल्लाह से दुआ ही कर रहे हैं कि वह उन्हें इस सूखे से निजात दिलाए जिसने सब कुछ हिला कर रख दिया है।

मौसम विभाग के अनुसार, ऐसा सूखा मौसम पिछले कई वर्षों में नहीं देखा गया है। जबकि दिसम्बर और जनवरी में बारिश का मौसम बिल्कुल भी नहीं देखा गया है। चिल्ले कलां 21 दिसम्बर, 2023 को शुष्क रूप से शुरू हुआ, और इस अवधि के दौरान कश्मीर में कहीं भी कोई महत्वपूर्ण बर्फबारी नहीं हुई। सबसे कठोर सर्दियों की अवधि 31 जनवरी को समाप्त होने वाली है, इसके बाद 31 जनवरी से 19 फरवरी तक 20 दिनों की चिल्ले खुर्द (छोटी ठंड) और 20 फरवरी से 10 दिनों की, 2 मार्च तक चिल्ले बच्चा (बच्चों की ठंड) होगी।

जानकारी के लिए चिल्ले कलां एक फारसी शब्द है जिसका अर्थ है प्रमुख शीत। हालांकि, कश्मीर में, सबसे कठोर सर्दियों के शुरुआती 23 दिनों में कश्मीर में शुष्क मौसम बना हुआ है और अब स्थानीय मौसम विभाग ने 20 जनवरी तक इसके जारी रहने की भविष्यवाणी की है। यह बात अलग है कि 30 दिसम्बर से लेकर अब तक मौसम विभाग कई बार बर्फबारी की भविष्यवाणी और पूर्वानुमान प्रकट कर चुका है पर कोई भी सच साबित नहीं हुए हैं।

अंतरराष्ट्रीय पतंग महोत्सव 2026 : वडोदरा में दिखा वसुधैव कुटुंबकम का नजारा

160 से अधिक पतंगबाजों ने अनोखी पतंगों के साथ शानदार करतब दिखाए

वडोदरा, (एजेंसियां)। वडोदरा के आसमान में मंगलवार को उत्सव के रंग छा गए। गुजरात टूरिज्म, जिला प्रशासन और वडोदरा महानगरपालिका के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित अंतरराष्ट्रीय पतंग महोत्सव- 2026 में देश-विदेश से आए 160 से अधिक पतंगबाजों ने रंग-बिरंगी और अनोखी पतंगों के साथ शानदार करतब दिखाए। इस दौरान वसुधैव कुटुंबकम का नजारा देखने को मिला।

कई देशों और राज्यों के पतंगबाजों की मौजूदगी से पूरा माहौल उत्सवमय हो गया, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में नागरिक उमड़े। अंतरराष्ट्रीय पतंग महोत्सव में देश-विदेश के पतंगबाजों ने अपनी अद्भुत कला का प्रदर्शन किया। ऑस्ट्रेलिया, यूके, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, थाईलैंड सहित कई देशों के पतंगबाजों ने अनोखे डिजाइन और विभिन्न आकृतियों की पतंगें उड़ाईं।

वहीं, बिहार, राजस्थान, तमिलनाडु सहित विभिन्न राज्यों के पतंगबाजों ने भी दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। महोत्सव में जनप्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में नागरिकों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के अंत में मेहमानों के लिए ऊंझा जलेबी की विशेष व्यवस्था की गई, जिसने इस उत्सव को और भी यादगार बना दिया।

वडोदरा के सांसद डॉ. हेमांग जोशी ने कहा कि आज वडोदरा के अंदर अंतरराष्ट्रीय पतंग महोत्सव का आयोजन बहुत ही जोरशोर से हो रहा है। इस कार्यक्रम में 20 से ज्यादा देशों के विदेशी मेहमानों ने शिरकत की है। पीएम नरेंद्र मोदी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे तब उनका यह विजन था। इस कार्यक्रम में वसुधैव कुटुंबकम का दृश्य देखने को मिल रहा है। वडोदरा महानगरपालिका के म्युनिसिपल कमिश्नर अरुण महेश बाबू ने कहा कि गुजरात टूरिज्म, जिला प्रशासन और वडोदरा महानगरपालिका के संयुक्त तत्वावधान में यह कार्यक्रम आयोजित हो रहा है। विदेशों के साथ-साथ भारत के आठ राज्यों से लोग यहां आए हुए हैं। वडोदरा की जनता के साथ मिलकर इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए बाहरी लोग भी योगदान दे रहे हैं। हम इस कार्यक्रम के लिए राज्य सरकार का आभार व्यक्त करते हैं। वडोदरा की जनता बहुत ही जिम्मेदार है। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी को शुभकामनाएं देता हूं।

नॉर्थ इंडिया का अपना अलग फ्लेवर : पुलकित सम्राट

मुंबई, (एजेंसियां)। बॉलीवुड अभिनेता पुलकित सम्राट का नॉर्थ इंडिया के लिए प्यार एक बार फिर स्क्रीन पर दिखने वाला है। उनकी फिल्म राहु केतु 16 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस कड़ी में फिल्म की टीम प्रमोशन में जुटी हुई है।

एक प्रमोशनल इवेंट के दौरान पुलकित ने फिल्म के लोकेशन्स के महत्व को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि सिर्फ कहानी ही नहीं, बल्कि सेट और उसकी जगह भी दर्शकों को कहानी से जोड़ने में अहम भूमिका निभाती है। उन्होंने अपनी सुपरहिट फिल्म फुकरे का भी उदाहरण दिया, जो दिल्ली की गलियों और कॉलेज की जिंदगी से जुड़ी हुई थी। पुलकित ने कहा कि फुकरे ने दर्शकों को न केवल हंसाया, बल्कि उन्हें दिल्ली की असली जिंदगी का अनुभव भी कराया। अब नई फिल्म राहु केतु शिमला और दिल्ली के खूबसूरत बैकड्रॉप पर आधारित है।

'सरसों का साग और मकई की रोटी सिर्फ खाना नहीं, बल्कि एक भावना है : विकास खन्ना

मुंबई, (एजेंसियां)। बॉलीवुड और कुकिंग की दुनिया में अपनी खास पहचान बनाने वाले सेलेब्रिटी शेफ विकास खन्ना ने बताया कि उनके लिए लोहड़ी और अन्य फसल से जुड़े त्योहार सिर्फ उत्सव नहीं थे, बल्कि पूरे माहौल को बदल देने वाले अनुभव होते थे।

विकास ने कहा कि बचपन में लोहड़ी की शामें एक अलग ही दुनिया होती थीं। घर में आग की गर्मी, लोक गीतों की मधुर आवाज और मां द्वारा बनाई गई मिठाइयों की खुशबू पूरे घर को भर देती थी। रेवड़ी, गजक, मूंगफली और गुड़ की खुशबू अब भी मेरे दिल और दिमाग में बसी हुई है। यह केवल खाने का अनुभव नहीं था, बल्कि पूरी तरह से त्योहार की भावना और परिवार के प्यार का हिस्सा था। उन्होंने कहा कि मेरे अनुभव का सबसे खास हिस्सा खाने से पहले का शांत और ध्यानमय समय होता था। घर में फसल का त्योहार हमेशा एक तरह की प्रार्थना के साथ शुरू होता था। यह प्रार्थना जोर से नहीं होती थी। इसे गहराई से महसूस किया जाता था। इस अनुभव ने मुझे हमेशा यह सिखाया कि खाने को हल्के में नहीं लेना चाहिए और हमें हर एक सामग्री का सम्मान करना चाहिए।

हिंदी सिनेमा की पहली फ्रीलांस अभिनेत्री दुर्गा खोटे

स्टूडियो की बंदिशें तोड़कर बनाई अलग राह

मुंबई, (एजेंसियां)। हिंदी और मराठी सिनेमा के शुरुआती दौर में महिलाओं के लिए फिल्मों में काम करना आसान नहीं था। उस समय ज्यादातर कलाकार किसी एक स्टूडियो या प्रोडक्शन हाउस के साथ लंबे कॉन्ट्रैक्ट में बंधे रहते थे। ऐसे में किसी भी कलाकार के लिए स्वतंत्र रूप से कई कंपनियों के लिए काम करना मुश्किल और जोखिम भरा माना जाता था। दुर्गा ने इस डर को तोड़ा और भारतीय सिनेमा की पहली फ्रीलांस एक्ट्रेस बनकर साबित कर दिया कि महिला कलाकार भी अपने दम पर अपनी राह बना सकती हैं। उनके इस कदम ने न सिर्फ उन्हें अलग पहचान दी बल्कि आने वाली पीढ़ियों की महिलाओं के लिए रास्ता भी आसान किया।

दुर्गा खोटे का जन्म 14 जनवरी 1905 को मुंबई में हुआ था। वह बचपन में पढ़ाई में काफी होशियार थीं। उन्होंने ग्रेजुएशन किया था। उस समय लड़कियों के लिए शिक्षा तक पहुंचना भी आसान नहीं था, लेकिन दुर्गा की शिक्षा ने उनके भविष्य की नींव रख दी।

17 साल की उम्र में दुर्गा की शादी विश्वनाथ खोटे से हुई। विश्वनाथ एक पढ़े-लिखे युवा थे। शादी के बाद दुर्गा के दो बेटे हुए, लेकिन उनके जीवन में दुख भी जल्दी आया। 26 साल की उम्र में उनके पति का निधन हो गया। अकेले दोनों बच्चों का पालन-पोषण करना दुर्गा के लिए चुनौतीपूर्ण था। उन्होंने अपने बच्चों को संभालने के साथ-साथ आर्थिक रूप से खुद को मजबूत बनाने के लिए ट्यूशन पढ़ाने का काम शुरू किया। इसी दौरान उन्हें फिल्मों का मौका मिला। उनकी बहन के जरिए दुर्गा खोटे को 'फरेबी जाल' फिल्म में छोटी भूमिका मिली। उस समय समाज में फिल्मों में काम करना महिलाओं के लिए असभ्य माना जाता था, लेकिन दुर्गा ने अपने बच्चों और आत्मनिर्भर बनने के लिए यह कदम उठाया। इसके बाद उनकी मेहनत और प्रतिभा ने उन्हें लगातार नई भूमिकाओं में लाकर खड़ा किया।

दुर्गा खोटे ने फिल्मों में आने के बाद एक बड़ा कदम उठाया। उन्होंने स्टूडियो की कॉन्ट्रैक्ट प्रणाली को अस्वीकार कर कई कंपनियों के लिए काम करना शुरू किया। प्रभात फिल्म कंपनी के साथ काम करते हुए उन्होंने न्यू थिएटर, ईस्ट इंडिया फिल्म कंपनी और प्रकाश पिक्चर्स जैसी कंपनियों के लिए भी काम किया। इसी वजह से उन्हें भारतीय सिनेमा की पहली फ्रीलांस महिला कलाकार माना गया। इस फैसले ने उन्हें न सिर्फ स्वतंत्र बनाया बल्कि फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं की स्थिति भी बदल दी।

उनका करियर लगभग 50 साल तक चला और इस दौरान उन्होंने हिंदी और मराठी में 200 से अधिक फिल्में कीं। उनके यादगार किरदारों में 'मुगल-ए-आजम' में जोधा बाई, 'मिर्जा गालिब' में मां का रोल, 'बॉबी' में दादी, और 'भरत मिलाप' जैसी कई हिट फिल्में शामिल हैं। वह केवल अभिनय तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि 1937 में 'साथी' फिल्म को प्रोड्यूस और डायरेक्ट भी किया, जो उस समय की दुर्लभ उपलब्धि थी। दुर्गा खोटे को कई पुरस्कारों और सम्मानों से नवाजा गया। 1942 और 1943 में उन्हें बंगाल फिल्म जर्नलिस्ट एसोसिएशन (बीएफजेए) द्वारा बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिला। 1958 में संगीत नाटक अकादमी अवॉर्ड, 1968 में पद्मश्री और 1983 में दादा साहेब फाल्के अवॉर्ड से उन्हें सम्मानित किया गया। खास बात यह है कि दादा साहेब फाल्के अवॉर्ड जीतने वाली चौथी महिला कलाकार दुर्गा खोटे ही थीं।

जैसे-जैसे उनकी उम्र बढ़ी, दुर्गा खोटे ने मां और दादी के किरदार निभाना शुरू किया। इसके अलावा, उन्होंने शॉर्ट फिल्में, डॉक्यूमेंट्री और धारावाहिकों का निर्माण भी किया। दूरदर्शन के प्रसिद्ध शो वागले की दुनिया का निर्माण भी उन्होंने ही किया। दुर्गा खोटे का निधन 22 सितम्बर 1991 को हुआ।

संगम की रेत पर आध्यात्मिक लक्जरी, श्रद्धालुओं को नया अनुभव दे रही आधुनिक टेंट सिटी

लखनऊ, (एजेंसियां)। मकर संक्रांति और माघ मेला 2026 के अवसर पर प्रयागराज के संगम तट पर श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त टेंट सिटी विकसित की गई है, जो आध्यात्मिक पर्यटन का नया मानक स्थापित कर रही है। देश-दुनिया से संगम स्नान के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और यादगार अनुभव देने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम (यूपीएसटीडीसी) द्वारा संगम क्षेत्र की रेत पर अत्याधुनिक टेंट कॉलोनी बसाई गई है। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की परिकल्पना के अनुरूप विकसित यह टेंट सिटी माघ मेला को केवल आस्था का आयोजन नहीं, बल्कि पर्यटन, संस्कृति और रोजगार से जोड़ने का सशक्त माध्यम बना रही है। उन्होंने बताया कि प्रयागराज के अरैल सेक्टर-7 में त्रिवेणी पुष्प से पूर्व विकसित टेंट कॉलोनी में कुल 50 आधुनिक कॉटेज तैयार किए गए हैं। श्रद्धालु इन कॉटेज की ऑनलाइन बुकिंग यूपीएसटीडीसी की वेबसाइट के माध्यम से कर सकते हैं। टेंट सिटी को तीन श्रेणियों- प्रीमियम, लग्जरी और डीलक्स में विभाजित किया गया है। प्रीमियम कॉटेज का किराया 15 हजार रुपए, लग्जरी का 11 हजार 500 रुपए और डीलक्स कॉटेज का किराया 7 हजार 500 रुपए निर्धारित किया गया है। इनमें क्रमश: 12 प्रीमियम, 8 लग्जरी और 30 डीलक्स टेंट शामिल हैं। पर्यटन मंत्री ने बताया कि टेंट सिटी में ठहरने वाले श्रद्धालुओं को उसी शुल्क में सात्विक भोजन की समुचित व्यवस्था उपलब्ध कराई जा रही है।

- संस्कृति और रोजगार से जोड़ने का सशक्त माध्यम है माघ मेला
- मूंज से बने डलिया, पेन स्टैंड, रोटी रखने के बर्तन को विशेष रूप से पसंद कर रहे हैं श्रद्धालु

परिसर में यज्ञशालाओं का निर्माण किया गया है, जहां नियमित रूप से भजन-कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठान हो रहे हैं। साथ ही, सांस्कृतिक वातावरण को सजीव बनाने के लिए कलाग्राम भी विकसित किया गया है, जहां स्थानीय लोककला और शिल्प को बढ़ावा दिया जा रहा है।

जयवीर सिंह ने बताया कि माघ मेला 2026 में रोजगार और नवाचार को विशेष बढ़ावा मिला है। संगम टेंट कॉलोनी परिसर में एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना के तहत प्रदर्शनी लगाई गई है, जहां प्रयागराज की पारंपरिक मूंज कला के स्टॉल लगाए गए हैं। इससे स्थानीय कारीगरों को प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि माघ मेला अब केवल आध्यात्मिक पहचान तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह उद्यमियों और हस्तशिल्पियों के लिए एक बड़े व्यवसायिक मंच के रूप में उभर रहा है।

देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालु मूंज से बने डलिया, पेन स्टैंड, रोटी रखने के बर्तन, गमले और सजावटी उत्पादों को विशेष रूप से पसंद कर रहे हैं। नैनी क्षेत्र के महेवा इलाके की यह पारंपरिक कला, जिसे वर्षों से स्थानीय कारीगर आगे बढ़ा रहे हैं, अब आधुनिक स्वरूप में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना रही है।

संपादक की कलम से

परफेक्ट दिखने की होड़ में अधूरी रह जाती भावनाएं

हम जब किसी रिश्ते में प्रवेश करते हैं, तो अक्सर यह सोचकर नहीं आते कि हम क्या महसूस करते हैं, बल्कि यह सोचकर आते हैं कि हमें कैसा व्यवहार करना चाहिए। धीरे-धीरे रिश्ते भावनाओं का नहीं, अपेक्षाओं का मंच बन जाते हैं। हम यह मान लेते हैं कि अच्छे रिश्ते वही हैं, जहां कोई शिकायत न हो, कोई असहमति न हो और कोई थकान दिखाई न दे। यहीं से शुरू होती है 'परिपूर्ण बनने' या संपूर्णता की मांग की अदृश्य दौड़। हम हर भूमिका में खुद को ढालने लगते है- बेटी, पत्नी, मां, मित्र, सहकर्मी। और इस ढलने की प्रक्रिया में हम यह भूल जाते हैं कि हम भी एक इंसान हैं, जिसकी अपनी सीमाएं, अपनी जरूरतें और अपनी भावनाएं हैं।

संपूर्ण बनने की यह मानसिकता अचानक विकसित नहीं होती। इसका बीज बचपन में ही बो दिया जाता है, जब हमें सिखाया जाता है कि अच्छे बच्चे कैसे होते हैं। जो बच्चे ज्यादा सवाल न करें, जो बड़ों की हर बात मान लें और जो अपनी भावनाओं को नियंत्रित रखना सीख लें।

लड़कियों के लिए यह सीख और भी सख्त होती है। उन्हें बताया जाता है कि ज्यादा बोलना अच्छा नहीं, अपनी बात मन में रखना ही समझदारी है और रिश्ते निभाने के लिए खुद को पीछे रखना पड़ता है। यही बातें आगे चलकर उनके व्यक्तित्व का हिस्सा बन जाती हैं।

हर रिश्ता थोड़ा-बहुत समझौता मांगता है, इसमें कोई संदेह नहीं, लेकिन समस्या तब शुरू होती है, जब समझौता आदत बन जाए और अपनी बात रखना स्वार्थ समझा जाने लगे। कई लोग अपनी नाराजगी, थकान और असंतोष को भीतर ही दबाए रखते हैं, ताकि सामने वाला असहज न हो। धीरे-धीरे यह चुप्पी रिश्ते की भाषा बन जाती है। बाहर से सब ठीक दिखता है, लेकिन भीतर एक खालीपन जन्म लेने लगता है। व्यक्ति महसूस करता है कि वह हर रिश्ते में मौजूद है, लेकिन अपनी ही जिंदगी में अनुपस्थित है।

आज के समय में सोशल मीडिया ने परिपूर्णता या संपूर्णता की कसौटी वाले रिश्तों की एक झूठी तस्वीर हमारे सामने रख दी है। हर तरफ मुस्कुराते चेहरे, आदर्श जोड़े और खुशहाल परिवार दिखाई देते हैं। इन तस्वीरों के पीछे की थकान, मतभेद और चुप्पी कभी दिखाई नहीं देतीं। इन सबको देखकर हम अपने वास्तविक रिश्तों से असंतुष्ट होने लगते हैं। हमें लगता है कि कहीं हम ही कम पड़ रहे हैं, हमारा रिश्ता ही अधूरा है। इसी भावना के कारण हम खुद को और ज्यादा बदलने की कोशिश करने लगते हैं।

महिलाओं के जीवन में संपूर्णता की यह अपेक्षा कई गुना अधिक होती है। उनसे उम्मीद की जाती है कि वे हर परिस्थिति में संतुलन बनाए रखें, सबकी भावनाओं का खयाल रखें और अपनी तकलीफ को कभी प्राथमिकता न दें। जब वे थकती हैं, तो कहा जाता है कि यही उनकी शक्ति है। जब वे चुप रहती हैं, तो उसे सहनशीलता कहा जाता है, लेकिन कोई यह नहीं पूछता कि इस चुप्पी की कीमत क्या है।

कई महिलाएं भीतर ही भीतर टूटती रहती हैं, पर बाहर से मजबूत दिखाई देती हैं। संपूर्ण बनने की यह कोशिश शुरुआत में रिश्तों को सहज बनाए रखती है, लेकिन समय के साथ यह उन्हें खोखला कर देती है। जब भावनाएं व्यक्त नहीं होतीं, तो वे दबकर गुस्से और निराशा का रूप ले लेती हैं। जब संवाद नहीं होता, तो दूरी अपने-आप पैदा हो जाती है।

एक समय ऐसा आता है जब व्यक्ति महसूस करता है कि उसने रिश्तों को बचाने के लिए खुद को खो दिया है। तब यह प्रश्न उठता है कि क्या कोई रिश्ता इतना मूल्यवान हो सकता है कि उसके लिए खुद को मिटा दिया जाए? सच यह है कि रिश्तों को परिपूर्ण या संपूर्ण इंसानों की नहीं, बल्कि सच्चे और ईमानदार इंसानों की जरूरत होती है।

रिश्ते तब गहरे होते हैं, जब उनमें असहमति की जगह होती है, सवाल पूछने की आजादी होती है और भावनाओं को साझा करने का साहस होता है। वहां सब कुछ ठीक-ठाक दिखाने की मजबूरी न हो। सबसे पहला और सबसे महत्त्वपूर्ण रिश्ता खुद के साथ होता है। अगर उसी रिश्ते में हम झूठे हो जाएं, तो बाकी रिश्तों में सच्चाई निभाना कठिन हो जाता है।

अपनी सीमाओं को पहचानना, अपनी जरूरतों को महत्त्व देना और अपनी भावनाओं को सुनना रिश्तों को स्वस्थ बनाता है। जब हम खुद से ईमानदार होते हैं, तभी हम दूसरों के साथ भी ईमानदारी निभा पाते हैं। वरना रिश्ते केवल निभाने की जिम्मेदारी बनकर रह जाते हैं।

हर दिन अच्छा होना जरूरी नहीं। हर बार समझदार बनना भी जरूरी नहीं। रिश्तों में कभी-कभी अपनी बात रखना, असहमत होना और खुद के लिए खड़ा होना भी उतना ही आवश्यक है। हर कसौटी पर संपूर्ण होने की कोशिश में अगर हम अपनी सच्ची भावनाओं को दबा दें, तो रिश्ते केवल दिखावे का ढांचा बनकर रह जाते हैं।

जबकि रिश्तों की खूबसूरती उनकी अपूर्णता में ही छिपी होती है। शायद अब यह समझने का समय आ गया है कि रिश्ते निभाने के लिए खुद को तोड़ना नहीं पड़ता। उन्हें बचाने के लिए खुद को खोना नहीं होता। रिश्ते तभी टिकते हैं, जब उनमें इंसान होने की पूरी गुंजाइश बची रहे। 'परिपूर्ण' या संपूर्णता नहीं, बस सच्चा रहा जाए—यही रिश्तों की सबसे मजबूत नींव है।

धार्मिक जलसों का शोर और सर्दी के सितम से मरते लोग

सरकारी स्तर पर धार्मिक जलसों और विभाजनकारी भाषणों के बीच इस समय देश के विभिन्न इलाकों में शीतलहर कहर बरपा रही है, जिससे हर साल की तरह देश के विभिन्न इलाकों से लोगों के मरने की खबरें भी आ रही हैं। अब तक 400 से ज्यादा लोग सर्दी की ठिठुरन से मौत की नींद सो चुके हैं। वैसे इस तरह की खबरें आना कोई नई बात नहीं है। कहीं भूख और कुपोषण से होने वाली मौतें तो कहीं गरीबी और कर्ज के बोझ से त्रस्त किसानों और छोटे कारोबारियों की खुदकुशी और कहीं जातीय व सांप्रदायिक हिंसा में होने वाली मौतों के जारी सिलसिले के बीच हर साल ही सर्दी की ठिठुरन, लू के थपेड़ों और बारिश-बाढ़ से भी लोग मरते ही रहते हैं।

मौसम की अति के चलते असमय होने वाली ये मौतें हमारे उस भारत की नग्न सच्चाइयां हैं, जिसके बारे में दावा किया जाता है कि वह तेजी से विकास कर रहा है और जल्द ही दुनिया की एक आर्थिक महाशक्ति बन जाएगा। ये सच्चाइयां सिर्फ हमारी सरकारों के 'शाइनिंग इंडिया', 'भारत निर्माण' 'न्यू इंडिया'' स्टार्टअप इंडिया', 'स्टैंडअप इंडिया'' मैक इन इंडिया' जैसे हवा-हवाई कार्यक्रमों और दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हो जाने जैसे गुलाबी दावों की ही खिल्ली नहीं उड़ाती हैं, बल्कि व्यवस्था पर काबिज लोगों की नालायकी और संवेदनहीनता को भी उजागर करती हैं।

वैसे सर्दी हमारे नियमित मौसम चक्र का ही हिस्सा है। कड़ाके की सर्दी इसका हल्का सा विचलन भर है। सर्दी और भीषण सर्दी अंत में हमें कई तरह से फायदा ही पहुंचाती है। सबसे बड़ी बात है कि कड़ाके की सर्दी हमें आश्वस्त करती है कि ग्लोबल वार्मिंग उतनी सन्निकट नहीं है, जितना कि अक्सर हम मान बैठते हैं। मौसम की मौजूदा अति भी हमारे लिए कोई नई बात नहीं है। हर कुछ साल के बाद हमारा इससे सामना होता रहता है- कभी सर्दी में, कभी गरमी में तो कभी बारिश में।

ज्यादातर भारतीय इस मायने में खुशनसीब हैं कि उन्हें मौसम की विविधताएं देखने को मिलती हैं। अन्यथा दुनिया में ऐसे कम ही इलाके हैं जहां हर मौसम का मज़ा लिया जा सके। प्रत्येक मौसम अपने रौद्र रूप में भी सुंदर होता है, बशर्ते कि उसकी मार से लोगों को बचाने के इंतज़ामात हों। दुनिया में संभवत: भारत ही ऐसा देश है, जहां हर मौसम की अति होने पर लोगों के मरने की खबरें आने लगती है। हकीकत यह है कि लोग मौसम की अति से नहीं मरते, वे मरते हैं अपनी गरीबी से, अपनी साधनहीनता से और व्यवस्था तंत्र की नाकामी या लापरवाही की वज़ह से। यूरोप के देशों में सरकारें मौसम की अति का मुकाबला करने के चाक-चौबंद इंतजाम करती हैं, इसलिए वहां लोग हर मौसम का तरह-तरह से लुत्फ़ उठाते हैं। हमारे देश में भी खाया-अघाया तबका ऐसा ही करता है, जिसके पास हर मौसम की अति का सामना करने और उसका लुत्फ उठाने के पर्याप्त साधन उपलब्ध हैं।

भारत के ज्यादातर हिस्सों में यूरोप जैसी ठंड नहीं पड़ती, लेकिन हमारे यहां जब हिमालय परिवार की पहाड़ियों पर गिरने वाली बर्फ से मैदानी इलाकों में शीतलहर चलती है तो देश के विभिन्न इलाकों में सर्दी की ठिठुरन से होने वाली मौतों के आंकड़े आने लगते हैं। अभी जो शीतलहर जारी है, वह सिर्फ हिमालयी प्रदेशों और गंगा-यमुना के मैदानों तक ही सीमित नहीं है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और रेगिस्तानी राजस्थान के साथ ही महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश और सुदूर छत्तीसगढ़ तथा ओडिशा तक ठंड से ठिठुर रहे हैं।

सर्दी के इस सितम से सामान्य जनजीवन बुरी तरह गड़बड़ा गया है। देश के विभिन्न इलाकों से बेघर लोगों के मरने की खबरें आ रही हैं। हालांकि बड़े शहरों से निकलने वाले समाचारपत्रों में अब सर्दी से होने वाली मौतों की खबरों को जगह मिलनी लगभग बंद हो गई है। कुछ साल पहले तक ऐसा नहीं था। तब अखबारों में नियमित खबरें छपती थी और हाई कोर्ट तथा सुप्रीम कोर्ट उन खबरों का संज्ञान लेकर संबंधित राज्य सरकारों और स्थानीय निकायों से जवाबतलब करते थे। उन्हें साधनहीन लोगों के उचित इंतज़ाम करने के निर्देश देते थे।

अब सरकारों का मीडिया प्रबंधन तंत्र ऐसी खबरों को छपने से रोकने मे सफल होने लगा है। यही वजह है कि अब कुछ गिने-चुने अखबारों में ही सर्दी से लोगों के मरने की खबरें छपती हैं। टेलीविजन चैनल तो सुबह से रात तक हिंदू-मुसलमान करने में ही व्यस्त रहते हैं। अगर थोड़ी फुरसत मिलती भी है तो उनके लिए अपने दर्शकों को यह बताना ज्यादा जरूरी होता है कि फलां अभिनेत्री कब शादी करने वाली है, फलां अभिनेत्री कब मां बनने वाली है और किस अभिनेत्री का किस अभिनेता से तलाक होने वाला है या फिर वे यह बताते हैं कि लोग सर्दी का लुत्फ़ लेने के लिए क्या-क्या कर रहे हैं और कहां-कहां जा रहे हैं।

सरकारी एजेंसियों की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में हर साल औसतन 800 से ज्यादा लोग सर्दी के सितम से मरते हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के मुताबिक साल 2015 में 1149 लोगों की मौत हुई थी। हकीकत यह है कि अगर समूचे भारत के आंकड़े इकट्ठे किए जाएं तो हर साल सर्दी से मरने वालों की संख्या हजारों में पहुंचती है। ज्यादातर मौतें बड़े शहरों और महानगरों में होती हैं। जो मरते हैं, उनमें से ज्यादातर बेघर होते हैं। ऐसे लोग काम की तलाश में दूरदराज़ के इलाकों से अपने ही राज्य में या दूसरे राज्यों के बड़े शहरों या महानगरों में जाते हैं, ताकि मेहनत-मजदूरी कर अपने परिवार के जिंदा रह सकने लायक कुछ कमा सकें।

मौसम कोई भी हो, जब भी उसकी अति दरवाजे पर दस्तक देती है तो हमारी सारी व्यवस्थाओं की पोल का पिटारा खुलने लगता है। फिलहाल सर्दी की बात की जाए तो हमेशा की तरह इस बार भी सबसे ज्यादा पोल खुली है पूर्वानुमान लगाने वाले मौसम विभाग की। बारिश का मौसम खत्म होते ही हमें बताया गया था कि इस बार सर्दी कम पड़ेगी। जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग की चर्चाओं के बीच इस भविष्यवाणी पर किसी को भी हैरानी नहीं हुई थी, परन्तु जैसे ही सर्दी ने अपने तेवर दिखाने शुरू किए तो फिर मौसम विभाग की ओर से बताया गया कि यह कड़ाके की ठंड चंद दिनों की ही मेहमान है। जल्द ही मौजूदा उत्तर पश्चिमी हवाओं का रुख बदलेगा और तापमान सामान्य के करीब पहुंच जाएगा, पर ऐसा नहीं हुआ।

सिर्फ मौसम विभाग ही नहीं, बाकी सरकारी महकमों का भी यही हाल है। फुटपाथों, रेलवे स्टेशनों और भूमिगत पारपथों पर रात गुजारने वाले बेघर लोगों के लिए रैन बसेरों की व्यवस्था अभी भी कई जगह अधूरी है या बिल्कुल ही नहीं है, जबकि सुप्रीम कोर्ट पूर्व में कई बार इस मामले में राज्य सरकारों को फटकार लगाते हुए पुख्ता बंदोबस्त करने के निर्देश दे चुका है। जहां रैन बसेरों की व्यवस्था करना संभव नहीं है, वहां अलाव जलाने के लिए लकड़ी मुहैया कराई जाती है, लेकिन यह भी नहीं हो पा रहा है।

दरअसल शहरी और अर्द्ध शहरी इलाकों में मौसम की मार से लोगों के मरने के पीछे सबसे बड़ी वजह है शहरी नियोजन में सरकारी तंत्र की अदूरदर्शिता। जब से आवासीय कॉलोनियों की बसाहट के मामले में विकास प्राधिकरणों और गृह निर्माण मंडलों के बजाय निजी भवन निर्माताओं और कॉलोनाइज़रों का दखल बढ़ा है, तब से रोज कमाकर रोज खाने वालों और बेघर लोगों के लिए आवासीय योजनाएं हाशिए पर खिसकती गई हैं। करोड़ों लोग आज भी फुटपाथों, रेलवे स्टेशनों और बस अड्डों पर और टाट या प्लास्टिक आदि से बनी झोपड़ियों में रात बिताते हैं। बहुत से लोगों के पास तो पहनने को गरम कपड़े या ओढ़ने को रजाई-कंबल तो दूर तापने को सूखी लकड़ियां तक उपलब्ध नहीं है। ऐसे लोगों को मौसम की मार से बचाने के लिए अदालतें हर साल सरकारों और स्थानीय निकायों को लताड़ती रहती हैं, लेकिन सरकारीतंत्र की मोटी चमड़ी पर ऐसी लताड़ों का कोई असर नहीं होता है।

शीतलहर, बाढ़ और भीषण गरमी जैसी प्राकृतिक आपदाएं कोई नई परिघटना नहीं है। यह तो पहले से आती रही है और आती रहेंगी। इन्हें रोका नहीं जा सकता। रोका जा सकता है तो इनसे होने वाली जान-माल की तबाही को, जो सिर्फ राजनीतिक और प्रशासनिक तंत्र की ईमानदार इच्छाशक्ति से ही संभव है। ताजा शीतलहर और उससे होने वाली मौतें हमें बता रही हैं कि जब मौसम के हल्के से विचलन का सामना करने की हमारी तैयारी नहीं है और हमारी व्यवस्थाएं पंगु बनी हुई हैं, तो जब ग्लोबल वार्मिंग जैसी चुनौती हमारे सामने होगी तो उसका मुकाबला हम कैसे करेंगे?

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं)

अनिल जैन

> **शीतलहर, बाढ़ और भीषण गरमी जैसी प्राकृतिक आपदाएं कोई नई परिघटना नहीं है। यह तो पहले से आती रही है और आती रहेंगी। इन्हें रोका नहीं जा सकता। रोका जा सकता है तो इनसे होने वाली जान-माल की तबाही को, जो सिर्फ राजनीतिक और प्रशासनिक तंत्र की ईमानदार इच्छाशक्ति से ही संभव है। ताजा शीतलहर और उससे होने वाली मौतें हमें बता रही हैं कि जब मौसम के हल्के से विचलन का सामना करने की हमारी तैयारी नहीं है।**

स्त्रियों के प्रति कुंद होतीं जन संवेदनाएं

■ कनुप्रिया

अभी उत्तराखंड में अंकिता भंडारी के लिये न्याय की लड़ाई लड़ी ही जा रही है, उन्नाव की पीड़िता के घाव सूखे नही हैं, हाथरस की पीड़िता के साथ हुआ अन्याय आवाज़ की तलाश में ही है कि कानपुर से 14 साल की लड़की के साथ बलात्कार की ख़बर आ गई, इस बार बलात्कारी एक यू ट्यूबर और सब इंस्पेक्टर है। सड़क से बच्ची का अपहरण करके, 2 घण्टे उसके साथ गैंगरेप करने के बाद उसे बुरी हालत में घर के बाहर फेंक दिया गया। पुलिस ने पहले तो प्राथमिकी दर्ज़ ही नहीं की, बाद में सीनियर पुलिस अफसर तक पीड़िता के परिजन पहुंचे तो रिपोर्ट दर्ज़ हुई तब तक बलात्कारी पुलिस वाला फ़रार हो गया।

दु:खद ये भी है कि अब ऐसी ख़बरें आती हैं तो हम चौंकते भी नहीं, ये हमारी चेतना को झिंझोड़ता ही नहीं। ऐसी घटनाओं का होना मानो हमारे सामाजिक दैनिक दिनचर्या में शामिल हो गया है। आप गूगल करेंगे तो हर दिन स्त्रियों, बच्चियों के प्रति जघन्य अपराध की कोई न कोई ख़बर मिल ही जायेगी और सबसे ऊपर जिस प्रदेश का नाम मिलेगा वो अपने आप में एक मिनी हिन्दू राष्ट्र है। वहां धर्म के सबसे बड़े ठेकेदारों की डबल इंजन सरकार है।

दरअसल पिछले 11 सालों में जिस योजना पर सरकार ने सबसे ज़्यादा काम किया हैं वो हैं बलात्कारी बचाओ योजना। बल्कि जिस शिद्दत से बलात्कारियों को प्रोत्साहन दिया गया है, इसे बलात्कारी बनाओ योजना भी कहें तो अतिशयोक्ति नही होगी, दुनिया में इसकी कोई दूसरी मिसाल नहीं मिलती।

बलात्कारियों के प्रोत्साहन के लिये उन्हें लगातार ज़मानत दी जाती है (हाल ही में बलात्कारी बाबा आसाराम को 10 महीने में चौथी बार ज़मानत मिली और राम रहीम को 15 वीं बार पैरोल)। जेल से बाहर आने पर बलात्कारियों का फूल मालाओं से स्वागत किया जाता है, कभी उनके पक्ष में भगवा झंडों के साथ जुलूस निकाले जाते हैं। कभी उन पर क़ानून की धार पूरी तरह कुंद हो जाती है, वो ऐसी मार करता है कि अपराधी को चोट ही नहीं लगती। मसलन महिला खिलाड़ियों के यौन शोषण के आरोपी बृजभूषण शरण सिंह के ख़िलाफ़ भारतीय दंड संहिता की धारा 354 (महिला की लज्जा भंग करना) और 354ए (लैंगिक उत्पीड़न) के तहत 'चार्ज फ्रेम' हुए, मगर जांच एजेंसियों ने उन्हें कभी गिरफ्तार ही नहीं किया, 2023 से वो ज़मानत पर हैं, उनकी जमानत का कभी विरोध भी नहीं हुआ। मीडिया ज़्यादातर बलात्कार की घटनाओं पर चुप रहता है, चर्चा नहीं करता, मानो यह सामाजिक चिंता का विषय ही नहीं।

उधर यौन शोषण के प्रति न्यायालयों का रवैया ये है कि न्याय के लिये पीड़िताओं को न्यायालयों के ख़िलाफ़ धरना देने की नौबत आ जाती है। पिछले ही साल इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपने एक फ़ैसले में कहा था कि किसी नाबालिग लड़की के स्तन पकड़ना, उसके पजामे की डोरी तोड़ना और कपड़े उतारने का प्रयास करना, बलात्कार की कोशिश साबित करने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। ऐसी कई शर्मनाक और महिलाओं को न्याय के लिये हतोत्साहित करती हुई टिप्पणियां पिछले कुछ सालों में विभिन्न प्रदेशों के न्यायालयों ने की हैं, जो समाज में बलात्कारियों को पर्याप्त प्रोत्साहन देती हैं।

इस सबके बाद त्रासदी ये है कि पीड़िताओं के ख़िलाफ़ ही सोशल मीडिया पर उन्हें मानसिक और भावनात्मक स्तर पर तोड़ने और उनके संघर्ष के प्रति समाज के भीतर नकारात्मक नज़रिया बनाने के लिए अभियान चलाये जाते हैं। मसलन महिला पहलवानों के ख़िलाफ़ ऐसा ही अभियान चलाया गया था कि उनका आंदोलन राजनीतिक है, उनके यौन शोषण की बात झूठ है और आरोपी बिल्कुल निर्दोष है इत्यादि इत्यादि। अब एक अभियान उन्नाव की पीड़िता के विरुद्ध चलाया जा रहा है, एआई के ज़रिए उनके झूठे वीडियो बनाए जा रहे हैं जिनसे ज़ाहिर हो कि वह स्वयं एक बेशरम महिला है और उसने जानबूझ कर आरोपी कुलदीप सेंगर को फंसाया है।

तिस पर करेले पर नीम चढ़ा यह कि खुद सरकार बहादुर यौन शोषकों और बलात्कारियों के लिये वोट मांगते हैं, उनके साथ तस्वीरें खिंचवाते हैं, उनको सोशल मीडिया पर फॉलो करते हैं और उनके ख़िलाफ़ मामलों पर पूरी तरह चुप्पी मार जाते हैं। मणिपुर में महिलाओं के साथ हुए जघन्य यौन अपराधों पर सरकार ने जिस तरह ख़ामोशी इख़्तियार की उससे साबित हुआ कि सरकार किस क़दर महिलाओं के प्रति संवेदनहीन है।

आख़िर इससे अधिक प्रोत्साहन बलात्कार को और कैसे दिया जा सकता है? एक बलात्कारी समाज बनाने में सरकार की तरफ़ से कोई कमी रही हो तो बताइए।

अब इतना ही बचता है कि सरकार द्वारा सार्वजनिक मंचों पर यौन शोषकों को समाज के मॉडल की तरह प्रस्तुत किया जाए ताकि युवा पीढ़ी उनसे प्रेरणा ले सके। उनके नाम पर पुरस्कार बांटे जायें, उनकी प्रशंसा में पुस्तकें लिखी जायें, सड़कों और स्कूलों के नाम उनके नाम पर रखे जायें, उन्हें पद्म सम्मान से सम्मानित किया जाये, ताकि एक सम्पूर्ण बलात्कारी समाज का लक्ष्य यथाशीघ्र प्राप्त किया जा सके, उसे उपलब्धि की तरह दिखाया जा सके।

और ये सब हो रहा है घोर सनातनी, धार्मिक सरकारों के राज में, जो हिंदू राष्ट्र बनाने का दंभ भरती हैं और मंदिरों की प्रतिष्ठा पर्व मना-मना कर ही गर्वित हुए जा रही है। धार्मिकता का आलम ये है कि धर्म के सबसे ऊंचे पायदान पर बैठे संत और बाबा लोग स्त्रियों के ख़िलाफ़ अनर्गल बयान देते हैं, जिससे उनकी गरिमा को कड़ी चोट पहुंचती है। मसलन धीरेन्द्र शास्त्री का एक शर्मनाक बयान जिसमें उसने बिना सिंदूर की मांग वाली महिलाओं को ख़ाली प्लॉट की संज्ञा दी गई, जिस पर कोई भी क़ब्ज़ा कर सकता है। बागेश्वर धाम में लड़कियों की तस्करी के आरोप लगे तो बिना जांच किये आरोप लगाने वाले प्रोफेसर के ख़िलाफ़ ही रिपोर्ट दर्ज़ कर ली गई। बाबा अनिरुद्ध आचार्य ने अपने सत्संग में कहा कि 25 साल की लड़की 4 जगह मुंह मार चुकी होती है, बाबा प्रेमानंद का कहना है कि सौ में से अब 2-4 लड़कियों ही पवित्र होती होंगी।

ये बोल-वचन तब हैं जब देश के अधिकतर बाबाओं पर यौन शोषण के गंभीर आरोप हैं। यहां तक कि सेलिब्रिटी बाबा सद्गुरु के आश्रम में भी बच्चों के यौन शोषण के आरोप कई अभिभावकों ने लगाए हैं। मगर धर्मान्ध लोगों की सोचने-समझने की शक्ति इस क़दर छीन लेता है कि फिर भी ये तथाकथित धार्मिक गुरु पूज्य बने रहते हैं। भक्तों में उनकी पद धूलि लेने के लिये ऐसी भगदड़ मचती है कि लोग दब-कुचल कर जान से हाथ धो बैठते हैं, जैसा कि हाथरस के एक गांव में सूरजपाल उर्फ़ भोले बाबा के मामले में हुआ।

सच तो ये है कि धर्म एक ऐसा गटर हो चुका है जिसमें समाज के सबसे सड़े हुए, गंदे तबके को प्राणवायु मिलती है, उसके गुनाहों को संरक्षण मिलता है। धर्म, अपराधियों और यौन शोषकों की अंतिम शरणस्थली बन चुका है, तभी तो धीरेंद्र शास्त्री की सनातन एकता यात्रा में अश्लील कंटेंट और घोटालों की आरोपी शिल्पा शेट्टी और एकता कपूर शामिल होकर स्याह से सफ़ेद हो जाती हैं।

एक समय था जब निर्भया के लिये पूरा देश हिल उठा था, उसके प्रति इंसाफ़ के लिये सड़कों पर आ गया था, सरकार को कटघरे में खड़ा कर दिया गया था। यहां तक कि कांग्रेस के सत्ताच्युत होने में निर्भयाकांड एक बड़ा कारण बन गया था, जबकि सरकार ने तुरंत उसका अपने खर्च पर इलाज कराया, आरोपियों को गिरफ्तार किया, फांसी हुई और राहुल गांधी ने निर्भया के भाई को पढ़ाने लिखाने और पायलट बनाने में निजी तौर पर मदद की। मगर इन सबसे भी जनता के भीतर आक्रोश कम नहीं हुआ था।

आज उसी देश की जनता की सम्वेदनाएं स्त्रियों के प्रति मानो कुंद हो गईं, जबकि देश की जनता पहले से ज़्यादा धार्मिक हैं, देश में पहले से कहीं ज़्यादा मंदिर बन रहे हैं और धार्मिक प्रवचन हो रहे हैं। मगर स्त्रियों पर, मासूम बच्चियों पर यौन शोषण, बलात्कार और हत्या की ख़बरें आती हैं और चली जाती हैं। जनता आक्रोशित नहीं होती, मानो हिन्दू राष्ट्र के लिये स्त्रियों की अस्मिता और गरिमा की बलि स्वीकार्य है, बल्कि ऐसा होना उसने सामान्य मान लिया है।

(लेखिका खादी और ग्रामोद्योग के क्षेत्र में सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता हैं।)

> **एक समय था जब निर्भया के लिये पूरा देश हिल उठा था, उसके प्रति इंसाफ़ के लिये सड़कों पर आ गया था, सरकार को कटघरे में खड़ा कर दिया गया था। यहां तक कि कांग्रेस के सत्ताच्युत होने में निर्भयाकांड एक बड़ा कारण बन गया था, जबकि सरकार ने तुरंत उसका अपने ख़र्च पर इलाज कराया, आरोपियों को गिरफ्तार किया, फांसी हुई।**

आपके पत्र

ज्ञान जी की विरासत पर चलने का साहस जुटाना मुश्किल

साठोत्तरी कहानी के एक अलबेले स्तम्भ, एक प्राध्यापक, एक संगठनकर्ता, पहल के सम्पादक, पहल पुस्तिका, पहल सम्मान, पहल व्याख्यान माला, देश विदेश में एक सघन नेटवर्क, सख्त पसंद-नापसंद भरी शख्सियत और इस बात में यकीन करने वाले कि - 'आई एम एवर अ फाइटर, सो वन फाइट मोर' जो जीते जी किवदंती बन जाने वाले ज्ञान रंजन जी का चले जाना, एक बड़ी सामाजिक क्षति है। वे एक मिटती हुई पीढ़ी के प्रतिनिधि थे। कुछ रचनाकार ऐसे होते हैं, जिनसे व्यक्तिगत रिश्ता बनाना सम्भव नहीं हो पाता पर दूसरी श्रेणी के रचनाकार से उनकी रचना और व्यक्ति दोनों से रिश्ता बनाना एक बड़ी उपलब्धि होती है। ज्ञान जी दूसरी श्रेणी में आते थे।

कहानीकार और सम्पादक के रूप में उन्होंने अमिट छाप छोड़ी है जो वर्तमान और आने वाली पीढ़ी को प्रेरणा देती रहेगी। कहानीकार के रूप में अपनी अलग पहचान बनाने के बाद ज्ञान जी ने पहल के सम्पादक के रूप में जो कीर्ति अर्जित की, उसकी मिसाल मिलना मुश्किल है। उन्होंने 'पहल' को इस महादेश के वैज्ञानिक विकास के लिए प्रस्तुत प्रगतिशील रचनाओं की एक अनिवार्य पुस्तक बनाने की घोषणा की और इसे मूर्तरूप भी दिया। अनेकों नवोदित रचनाकारों के अन्दर के स्पार्क को उन्होंने पहचाना और उन्हें पहल में प्रकाशित कर एक लॉन्चिंग पैड का काम किया।

'पहल' से आगे पहल करते हुए उन्होंने पहल सम्मान की शुरूआत की और सम्मानित होने वाले रचनाकारों को उन्हीं के नगर में जाकर सम्मानित करने का सिलसिला भी शुरू किया, फिर पहल पुस्तिका और पहल व्याख्यानमाला की शुरूआत की। पहल व्याख्यानमाला के अंतर्गत सबसे ऐतिहासिक व्याख्यान दिल्ली में प्रो. एज़ाज अहमद का मार्क्सवाद की प्रासंगिकता पर दिया गया व्याख्यान था। उस व्याख्यान को सुनने के लिए जितनी बड़ी संख्या में लोग उपस्थित हुए, वह एक रिकार्ड है।

यह समय वो था, जब सोवियत संघ सहित पूरा समाजवादी विश्व ढह गया था, चारों ओर बेचैनी भरा सन्नाटा था। कम्युनिस्ट पार्टी के नेता भी मार्क्स वाली विचारधारा की प्रासंगिकता के बारे में कुछ तसल्ली बख़्श बात नहीं कह पा रहे थे। ऐसे मे प्रेमचंद के इस कथन को फ़ैज़ साहब ने साबित किया। साहित्य राजनीति के हाथ की मशाल है। उन्होंने एक नज़्म कही-

जब दुख की नदिया में हमने,
जीवन की नैया डाली थी,
था कितना कस- बल हाथों में
लहू में कितनी लाली थी।

यूं लगता था दो हाथ लगे
और नैया पूरम पार हुई,
ऐसा न हुआ हर धारे में
कुछ अनदेखी मझधारें थीं,
कुछ मांझी थे अनजान बहुत
कुछ बेपरखी पतवारें थीं।

एज़ाज साहब ने अपने व्याख्यान के अंत में फ़ैज़ की इस नज़्म को पढ़ा था। इसमें अपने तरीके से फ़ैज़ साहब ने विफलता के कारणों की तरफ़ संकेत किया।

गुजरात दंगे के बाद नागपुर में ज्ञान जी ने अपने पुत्र पाशा के सहयोग से राजदीप सरदेसाई का व्याख्यान आयोजित किया था। संघ मुख्यालय में आयोजित इस व्याख्यान पर संघ के लोगों ने हमला किया था, जिसे पाशा और उसके साथियों ने विफल कर दिया।

ज्ञान जी की विरासत की बात करना तो आसान है उस पर चलने का साहस जुटाना मुश्किल है।

-सुसंस्कृति परिहार

चमत्कारों ने किया है अहित

जो कुछ सुना जाता है, उस पर विश्वास न हो तो सुनने का विशेष अर्थ नहीं हो सकता. गहरे विश्वास के साथ सुनी हुई बात ही दिल को छू सकती है. विश्वास के साथ आवश्यक तत्व है आचरण. तत्व को सुन लिया, उस पर विश्वास भी कर लिया, पर आचरण नहीं किया तो कोई परिणाम नहीं आ सकेगा. भोजन सामने पड़ा है. मन में दृढ़ विश्वास है कि भोजन करने से भूख समाप्त हो जाएगी, पर जब तक भोजन नहीं किया जाता है, भूख कैसे मिटेगी. धर्म भी जब तक व्यक्ति के आचरण का विषय नहीं बनता है, उससे जीवन में कोई परिवर्तन नहीं आ सकता। श्रुति, श्रद्धा और आचरण तीनों हों, फिर भी धर्म का असर न हो, यह हो ही नहीं सकता। श्रुति और श्रद्धा के साथ सम्यक आचरण हो जाए तो धर्म के प्रभाव की निश्चित गारंटी दी जा सकती है। स्थिति आज इससे भिन्न है। लोगों का विश्वास धर्म पर नहीं, चमत्कार पर है। संतों के दर्शन करें, उनसे मंगल पाठ सुने, इससे संतति-लाभ हो जाए, व्यापार में लाभ हो जाए, वर्षो से उलझा हुआ काम सुलझ जाए तो संत अच्छे हैं, अन्यथा उनके पास जाने की इच्छा नहीं होती। ऐसे चमत्कारों में मेरा कतई विश्वास नहीं है। इन चमत्कारों ने धर्म और अध्यात्म का जितना अहित किया है, शायद ही किसी ने किया हो।

मकर संक्रांति पर्व

मकर संक्रांति का महत्व

मकर संक्रांति का पर्व भारतीय संस्कृति में केवल एक तिथि नहीं, बल्कि ऋतु परिवर्तन, सामाजिक सहभागिता और लोकजीवन की जीवंत अभिव्यक्ति है। यह वह समय है जब सूर्य दक्षिणायन से उत्तरायण की ओर अग्रसर होता है और प्रकृति के साथ-साथ मानव जीवन में भी नई ऊर्जा का संचार होता है। इस दिन स्नान-दान का महत्व होता है। कई यात्री गंगा सागर में स्नान के लिए तीर्थ स्थानों पर जाते हैं। इस समय तिल्ली का फसल होती है, जिससे लड्डू, चिकी, रेवड़ी जो शरीर में ऊर्जा एवं शक्ति प्रदान करता है, का महत्व होता है। तिल से बने लड्डू व पापड़ी का दान करना एवं भोजन में शामिल करना लाभदायक होता है। इस दिन नदी में स्नान तथा दीप दान भी किया जाता है।

प्राचीन भारत में ऋतुओं और खगोलीय घटनाओं का गहरा अध्ययन किया गया था। मकर संक्रांति से जुड़ी परंपराओं के पीछे वैज्ञानिक आधार स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। इस समय शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है, इसलिए तिल, गुड़, खिचड़ी जैसे पौष्टिक और ऊष्मा प्रदान करने वाले खाद्य पदार्थों का सेवन परंपरा में शामिल हुआ। गंगा, संगम और समुद्र में स्नान की परंपरा भी केवल धार्मिक आस्था नहीं, बल्कि शारीरिक शुद्धि और मानसिक अनुशासन से जुड़ी हुई थी। ठंडे पानी में स्नान को संयम और साहस का प्रतीक माना गया, जो मनुष्य को प्रकृति के साथ सामंजस्य सिखाता है।

भारतीय अध्यात्म में दक्षिणायन और उत्तरायण केवल दिशा परिवर्तन नहीं, बल्कि चेतना के प्रतीक हैं। दक्षिणायन को अंतर्मुखी साधना और विश्राम का काल माना गया, जबकि उत्तरायण को सक्रियता, सृजन और उत्सव का समय। देवताओं के जागरण और शुभ कार्यों के आरंभ की अवधारणा इसी से जुड़ी है। यही कारण है कि मकर संक्रांति के बाद विवाह, यज्ञ, गृह प्रवेश जैसे मांगलिक कार्यों की शुरुआत होती है। इस पर्व के माध्यम से समाज को यह संदेश दिया गया कि अंधकार और ठहराव के बाद प्रकाश और गति का स्वागत करना चाहिए।

हम पुरानी परंपराओं पर दृष्टि डालें, तो मकर संक्रांति सामूहिकता का पर्व है। गांवों में मेलों का आयोजन होता था, गंगासागर जैसे तीर्थों पर लाखों लोग एकत्र होते थे। दान-पुण्य को विशेष महत्व दिया जाता था। अन्न, वस्त्र और धन का दान समाज में संतुलन और सहकार की भावना को मजबूत करता था। मकर संक्रांति केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पहचान का माध्यम बन रही है। सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर पतंग उत्सव, पोंगल, लोहड़ी और माघी की झलकियां साझा की जाती हैं। इससे विविधता में एकता का भाव और मजबूत होता है। दक्षिण भारत में पोंगल के रूप में यह पर्व प्रकृति और पशुधन के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है। पंजाब में लोहड़ी अग्नि और सामूहिक नृत्य के माध्यम से जीवन उल्लास को प्रकट करती है। असम में बिहू, गुजरात में उत्तरायण और महाराष्ट्र में तिलगुल की परंपरा यह दर्शाती है कि रूप अलग हैं, लेकिन केंद्र में सूर्य और कृतज्ञता ही है।

-डॉ. सत्यवान सौरभ

सीएम डैशबोर्ड : राजस्व व विकास में जनपद 9वें पायदान पर

■ खराब प्रगति वाले 4 अधिकारियों से स्पष्टीकरण तलब
■ डीएम ने कहा हर ब्लॉक में लगायें दुग्ध व अण्डा उत्पादन इकाई

ललितपुर। सीएम डैशबोर्ड की समीक्षा करते डीएम।

ललितपुर। जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने बुधवार को कलैक्ट्रेट सभागार में सीएम डैशबोर्ड की समीक्षा करते हुए जनपद के विकास कार्यों की प्रगति जानी और खराब प्रगति वाले अधिकारियों का स्पष्टीकरण तलब करते हुए एक माह के भीतर प्रगति सुधारने का अल्टीमेटम दिया।

जिलाधिकारी ने लापरवाह अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि जनपद की रैंकिंग खराब करने वाले अधिकारी बख्शे नहीं जायेंगे। प्रदेश की रैंकिंग में ललितपुर को राजस्व मामलों में 9वा स्थान, विकास में 17वा एवं राजस्व व विकास में 9वां स्थान मिला है। समीक्षा के दौरान अल्पसंख्यक वर्ग कल्याण विभाग, कृषि विभाग, भूमि संरक्षण विभाग और मत्स्य विभाग की योजनाओं की प्रगति खराब होने पर जिलाधिकारी ने सख्त रुख अपनाते हुए अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, कृषि अधिकारी, भूमि संरक्षण अधिकारी और सहायक निदेशक मत्स्य का स्पष्टीकरण तलब किया, इसके साथ ही उद्योग, बेसिक शिक्षा, नई सड़कों के निर्माण, मत्स्य पट्टों, राज्य कर, निर्माण कार्यों आदि में की प्रगति में गिरावट के दृष्टिगत सम्बंधित अधिकारियों को एक माह का अल्टीमेटम देते हुए प्रगति सुधारने के कड़े निर्देश दिये गए। फसल बीमा योजना की समीक्षा में मृतक किसानों का डाटा डिलीट करने व किसान क्रेडिट कार्ड की लंबित पत्रावलियों का एलडीएम से समन्वय कर निस्तारित कराने के निर्देश दिये गए। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को जनपद के प्रत्येक ब्लॉक में अण्डा उत्पादन इकाई की स्थापना के लिए लाभार्थियों को जागरुक करने के निर्देश दिये। अधिकारियों को पर्यटन विभाग की बेड एण्ड ब्रेकफास्ट योजना में अधिक से अधिक पंजीकरण कराने के लिए आमजन व स्थानीय कर्मचारी जिनके पास कम से कम 6 कमरों वाला मकान हो, के रजिस्ट्रेशन कराने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने डीसी एनआरएलएम को निर्देशित किया कि ब्लॉक स्तर पर स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से दुग्ध उत्पादन इकाई/कलैक्शन सेन्टर संचालित करायें। इसके अलावा सभी अधिकारी सूचना विभाग द्वारा प्रतिदिन प्रातः उपलब्ध करायी जा रही निगेटिव न्यूज की निस्तारण आख्या दोपहर तक अनिवार्य रुप से उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने मुख्य विकास अधिकारी को निर्देश दिये कि वित्तीय वर्ष समाप्ति की ओर है, इसलिए सभी विभागों के साथ एक बैठक कर उनके व्यय व अवशेष बजट की समीक्षा कर लें। जीरो पॉवरटी अभियान की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिये कि व अपने-अपने लक्ष्यों को एक सप्ताह के भीतर पूर्ण करना सुनिश्चत करें। 24, 25 और 26 जनवरी को आयोजित होने वाले उत्तर प्रदेश दिवस के सम्बंध में जिलाधिकारी ने सभी सम्बंधित अधिकारियों को दायित्व सौंपते हुए निर्देश दिये कि अभी से आयोजन की तैयारियां पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। इस दौरान सीडीओ शेषनाथ चौहान, पीडी डीआरडीए, डीडीओ, स्वास्थ्य विभाग, लोक निर्माण विभाग, जल निगम, जल संस्थान, सिंचाई, ग्रामीण अभियंत्रण एवं अन्य कार्यदायी विभागों के अधिशासी अभियंता, शिक्षा, कृषि, समाज कल्याण, महिला कल्याण, सूचना व अन्य विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

एक्सीडेंट कर दूसरे की ड्राईविंग दिखाने की कोशिश मना करने पर ट्रक ड्राईवर व उसके भाई को पीटा

ललितपुर। मध्य प्रदेश के जिला सागर अंतर्गत थाना बांदरी के ग्राम खेजरा में रहने वाले सचिन सिंह पुत्र हाकिम सिंह ने कोतवाली पुलिस को शिकायती पत्र दिया है। बताया कि बीती 12 जनवरी को सुबह 8 बजे वह अपने भाई अभिषेक के साथ ट्रक नं. एच.आर. 55 ए.जेड. 9847 से हाई-वे कैलगुवां तिराहा ललितपुर में खड़े थे। तभी बुलैरो गाड़ी नं. एम.पी.15 सी.ए. 5991 से थाना बांदरी के ग्राम मैहर निवासी नवल, राघवेन्द्र, ऊधम, करतार व कुन्दन समेत कई लोग और भी थे, जिनके वह नाम नहीं जानता है। उक्त लोग उससे कहने लगे कि वह मड़ावरा में एक्सीडेंट में अपना ड्राईविंग लाइसेंस लगा दो, जब उसने कहा कि उसने कोई एक्सीडेंट नहीं किया है, इसलिए वह अपना लाइसेंस नहीं लगायेगा तो उक्त लोगों ने उसे गालियां दीं और विरोध करने पर लाठी-डण्डों से मारपीट कर दी। जब उसका भाई अभिषेक बचाने आया तो उसके साथ भी मारपीट कर दी। आरोप है कि उसके ट्रक के कांच, बॉडी आदि सामान की तोड़फोड़ कर दी, जिससे उसके ट्रक में करीब 50 हजार रुपये का नुकसान हुआ है। यह भी आरोप है कि उक्त लोग उसे गाड़ी में बैठाकर मड़ावरा ले गये, जहां एक्सीडेंट में लाइसेंस न लगाने पर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर उक्त लोगों के खिलाफ बीएनएस की धारा 191 (2), 352, 115 (2), 324 (2), 351 (3) के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

स्वतंत्रता सेनानी पं. बृजनन्दन शर्मा की पुण्यतिथि मनायी

राज्यमंत्री ने उनके संस्मरण याद किये

ललितपुर। पुण्यतिथि पर स्वतंत्रता सेनानी को पुष्पाँजलि अर्पित करते राज्यमंत्री।

ललितपुर। जनपद के प्रमुख स्वतत्रंता संग्राम सैनानी पं.बृजनन्दन शर्मा की 25वीं पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धापूर्वक याद किया गया। पं.बृजनन्दन शर्मा सुपर मार्केट में स्थित उनकी मूर्ति पर राज्यमंत्री मनोहरलाल पंथ, नपाध्यक्ष प्रतिनिधि मुन्नालाल, पूर्व नपाध्यक्ष अशोक पटैरिया, रेडक्रॉस सोसायटी मंत्री डा.एस.पी. पाठक, प्रेस क्लब अध्यक्ष राजीव बबेले, आशीष चौबे एवं वरिष्ठ पत्रकार पवन संज्ञा ने माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

राज्यमंत्री ने कहा कि पं.बृजनन्दन शर्मा का देश के लिये किया गया बलिदान अतुल्यनीय है। उन्होंने देश के लिये अपना संपूर्ण जीवन अर्पित कर दिया। वे ऐसे सैनानी थे जिन्होंने 14 वर्ष की उम्र में जेल जाकर अंग्रेजो की जालिम सरकार के खिलाफ बिगुल बजा दिया था तथा अंग्रेजों की कठोर यातनाओं के सामने नहीं झुके तथा पूरी ताकत से स्वतत्रंता संग्राम में अपना श्रेष्ठ योगदान देते रहे। वे साढे छः साल ललितपुर, झांसी, आगरा, लखनऊ एवं नैनी जेल में रहे उनका त्याग, बलिदान व आदर्श आज भी युवाओं को देशभक्ति की प्रेरणा दे रहे हैं। वे जीवन के अंतिम काल तक युवाओं को देशभक्ति का पाठ पढाते रहे। नपाध्यक्ष प्रतिनिधि मुन्नालाल ने कहा कि वे नगर पालिका के प्रथम चुनाव में अध्यक्ष चुने गये तथा सादगी से विकास को नये आयाम दिये। उनका कार्यकाल आज भी स्वर्णिम कार्यकाल माना जाता है। इस दौरान मदनलाल शर्मा, जसपाल सिंह बंटी, अभय चौबे, देवेन्द्र गुरू, विद्या मालवीय, रमन शर्मा, उवेश खान, मजीद पठान, आलोक चतुर्वेदी, आलोक शर्मा, प्रदीप रिछारिया, विवेक व्यास, शरीफ जावेद, महेन्द्र अहिरवार, दयाशंकर पाठक, आसिफ खान एड., असलम, महेन्द्र शुक्ला, श्रुति तिवारी, नरेन्द्र तिवारी, अशोक स्वर्णकार, प्रेमशंकर गुप्ता, बृजबिहारी मिश्रा, नेहा तिवारी, रामनरेश दुबे, शशिकान्त दीक्षित, पंकज हुण्डैत, राजपाल राणा, अजय कुशवाहा, पार्षद आलोक मयूर, सुनील खजुरिया, रिंकू करौसिया, पत्रकार अमित लखेरा, शिवम अग्निहोत्री, अजित भारती, नेहा तिवारी, शिवांश शर्मा, मोहित तिवारी, दिव्यांश शर्मा सहित अनेक गणमान्यजनों ने शर्मा जी को अपने श्रद्धासुमन अर्पित करते हुये उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

न्यूज ब्रीफ

ब्रह्म समाज पर फेसबुकिए ने की अभद्र टिप्पणी - आक्रोश

ललितपुर। ज्ञापन देने जाते सवर्ण आर्मी पदाधिकारी।

ललितपुर। सोशल मीडिया पर एक समाज विशेष के लिए की गयी टिप्पणी पर आक्रोश व्यक्त करते हुये सवर्ण आर्मी ने जिलाध्यक्ष राजकिशोर रावत के नेतृत्व में एसपी को संबोधित एक ज्ञापन भेजा है। बताया कि मूल रूप से महरौनी और हाल में मध्य प्रदेश के जिला टीकमगढ़ में निवासरत व्यक्ति पर विगत कुछ दिनों पहले सोशल मीडिया के फेसबुक एकाउण्ट पर ब्राह्मण समाज के लिए अपशब्दों का प्रयोग करते हुये टिप्पणी को पोस्ट किया गया है। इस कृत्य से ब्राह्मण समाज में काफी रोष व्याप्त है। बताया कि पोस्ट करने वाला व्यक्ति काफी शातिर किस्म का आपराधिक व्यक्ति है और पूर्व में कई मामले दर्ज किये गये हैं, जिसके चलते उक्त व्यक्ति जेल भी जा चुका है। उन्होंने एसपी से उक्त फेसबुक आईडी को ब्लॉक करायी जाकर उक्त व्यक्ति पर आपराधिक मामला दर्ज करा सख्त कार्यवाही किये जाने की मांग उठायी है। ज्ञापन देते समय इन्द्रेश तिवारी, शुभम पस्तोर, रोहित चौबे, वेदप्रकाश लिटौरिया, अनुराग विदुआ, विनोद कुमार मिश्रा, महेन्द्र कुमार मिश्रा, आशीष, विनीत तिवारी, नेहा तिवारी, शुभम तिवारी, डा.दीपक पस्तोर, कृष्णकान्त कांकर, आलोक चतुर्वेदी, प्रदीप रिछारिया, श्याम बिहारी दीक्षित, गौरव शर्मा के अलावा अनेकों लोग मौजूद रहे।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह : आपदा मित्रं व सिविल डिफेन्स मैम्बर्स को दिया प्रशिक्षण

ललितपुर। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अवसर पर पुलिस अधीक्षक मो.मुश्ताक के निर्देशन, एएसपी कालू सिंह व सीओ यातायात राजेश श्रीवास्तव के पर्यवेक्षण में यातायात पुलिस ने कलेक्ट्रेट में आपदा मित्रों एवं सिविल डिफेंस के सदस्यों को यातायात का प्रशिक्षण देकर यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया। यातायात प्रभारी आलोक कुमार तिवारी ने सभी को यातायात नियमों के पालन की वकालत की। अभियान में बताया कि दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का अनिवार्य प्रयोग, चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग, दो पहिया वाहन पर तीन सवारी न बैठाने के नियम का पालन, रॉन्ग साइड ड्राइविंग न करने एवं निर्धारित दिशा में ही वाहन चलाने की अपील, कोहरे के समय वाहन धीमी गति से चलाएं तथा आगे चल रहे वाहन से पर्याप्त सुरक्षित दूरी बनाए रखें। वाहन चलाते समय हेडलाइट, फॉग लाइट एवं रिफ्लेक्टर का सही प्रयोग करें, हाई बीम का अनावश्यक उपयोग न करें तथा दृश्यता कम होने पर सावधानीपूर्वक वाहन संचालित करें।

आरोप : मारपीट कर सोने की चैन छीनी

ललितपुर। मोहल्ला गोविन्दनगर निवासी सलीम अली पुत्र मुबारक अली ने पुलिस को तहरीर दी है। बताया कि बीती 9 जनवरी को अपराह्न ढ़ाई बजे महिला थाना में था। तभी इमामबाड़े पास जब वह था तब नदीपुरा निवासी कुछ लोग आये और उसे गालियां देते हुये थप्पड़ मार दिया और गले से सोने की चैन लेकर जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गये। पीडित ने पुलिस से मामला दर्ज कर कार्यवाही किये जाने की गुहार लगायी है।

नौकरी लगवाने के नाम पर ठगी

जखौरा पुलिस ने पकड़ा शातिर

ललितपुर। पकड़ा गया शातिर।

ललितपुर। नौकरी के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले शातिर बदमाश को जखौरा पुलिस ने धर दबोचा है। वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान में थाना जखौरा पुलिस ने मु.अ.सं. 207/24 धारा 316(2), 318(4), 338, 336 (3), 340(2), 352, 351(2) बीएनएस में प्रकाश में आये वांछित जिला लखनऊ के थाना इटौजा अंतर्गत ग्राम अटेसुआ निवासी अमरसिंह पुत्र राम बहादुर सिंह को हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस ने बताया कि बांसी निवासी देवेन्द्र पुत्र रामनाथ अहिरवार ने शिकायत दर्ज करायी थी, जिसमें उसने दो माह पूर्व वादी व अन्य पीडितों को संविदा पर नौकरी दिलवाने के नाम पर रूपये ले लेना तथा कूटरचित नियुक्ति पत्र वादी को देना का आरोप लगाते हुये उसके घर जाकर धोखाधडी के सम्बन्ध में उलाहना देना व रुपये वापस मांगने पर गाली-गलौज कर झूठे मुकदमें में फंसाने की धमकी देने के सम्बन्ध में दिया गया था। जखौरा पुलिस ने मामला दर्ज कर रामप्रसाद सेन व संजीव को पूर्व में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। शेष आरोपी को पकड़ने थाना स्तर पर पुलिस टीम गठित की गयी थी। गठित टीम द्वारा सर्विलांस (मैनुअली/ टैक्नीकल), वैज्ञानिक साक्ष्य संकलन की मदद से अमर सिंह को हिरासत में ले लिया गया। पूछताछ के दौरान अमर सिंह ने बताया कि वह अपने साथी रामप्रसाद लोगों की नौकरी लगवाने के नाम पर लोगो से रूपया ले लेते थे और उन्हे फर्जी नियुक्ति पत्र दे देते हैं और उनसे मिले रूपयो को आपस में बांट लेते हैं। शातिर को पकड़ने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार वैश्य व उनकी टीम शामिल रही।

एक हजार के खराब ईयरबड्स नहीं बदले तो फ्लिपकार्ट को देने पड़े 11 हजार

उपभोक्ता आयोग में झुकी अंतर्राष्ट्रीय कंपनी

ललितपुर। ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म्स पर सामान बेचने के बाद अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने वाली कंपनियों को जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने कड़ा सबक सिखाया है। मात्र 1004 रुपये के खराब ईयरबड्स को न बदलने और उपभोक्ता को मानसिक प्रताड़ना देने के मामले में फ्लिपकार्ट कंपनी ने समझौते के तहत परिवादी को 11,000 रुपये का भुगतान करने की पेशकश की, जिसे न्यायालय ने स्वीकार करते हुए मामले का निस्तारण कर दिया।

नेहरूनगर, ललितपुर निवासी शेरसिंह यादव (एडवोकेट) ने 24 जुलाई 2023 को फ्लिपकार्ट से बोट एयरडोप्स 161 प्रो इयरबड्स ऑनलाइन ऑर्डर किए थे। 29 जुलाई को डिलीवरी मिलने के बाद जब उन्होंने इसका उपयोग किया, तो ईयरबड्स की बैटरी और टच कंट्रोल खराब निकले। परिवादी ने निर्धारित 7 दिनों की रिप्लेसमेंट समय-सीमा में 3 अगस्त को रिटर्न रिक्वेस्ट दर्ज करा दी थी। इसके बावजूद फ्लिपकार्ट ने 8 अगस्त को यह कहते हुए रिक्वेस्ट खारिज कर दी कि रिप्लेसमेंट की समय-सीमा समाप्त हो चुकी है। इसके बाद उपभोक्ता ने फ्लिपकार्ट और बोट कंपनी के हेल्पलाइन नंबरों पर भी संपर्क किया, लेकिन दोनों कंपनियों ने एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालकर पल्ला झाड़ लिया। इस पर सेवा में कमी को देखते हुए शेर सिंह यादव ने अधिवक्ता पुष्पेंद्र सिंह चौहान के माध्यम से नोटिस भेजा और अंततः जिला उपभोक्ता आयोग में परिवाद संख्या 114/2023 दर्ज कराया। न्यायालय की प्रक्रिया के दौरान विपक्षी कंपनी फ्लिपकार्ट आयोग के समक्ष हाजिर हुई, दूसरी विपक्षी कंपनी बोट अनुपस्थित रही, मामले की गंभीरता और साक्ष्यों को देखते हुए फ्लिपकार्ट कंपनी ने अपनी गलती सुधारते हुए समझौते की पेशकश की, 9 जनवरी 2026 को न्यायालय के समक्ष हुए समझौते में फ्लिपकार्ट ने 1004 रुपये के मूल उत्पाद के बदले 11,000 रुपये हर्जाने के तौर पर देना स्वीकार किया। जिला उपभोक्ता आयोग के इस आदेश ने स्पष्ट कर दिया है कि उपभोक्ता के साथ धोखाधड़ी या सेवा में लापरवाही बरतने पर कंपनियों को भारी हर्जाना भुगतना पड़ सकता है।

ऑनलाइन धोखाधड़ी हो तो क्या करें

धोखाधड़ी होने पर बिल और रसीद संभालें कर रखें। ऑनलाइन शॉपिंग में ऑर्डर आईडी और इनवॉइस को हमेशा सुरक्षित रखें। समय का ध्यान रखें, रिप्लेसमेंट या रिफंड की समय-सीमा के अंदर ही शिकायत दर्ज करायें और उसका स्क्रीनशॉट जरूर ले लें। कस्टमर केयर रिकॉर्ड हेल्पलाइन पर की गई बात का समय और रिफरेंस नंबर नोट करें। यदि कंपनी सुनवाई नहीं करती है, तो ई-दाखिल पोर्टल के माध्यम से या जिला उपभोक्ता आयोग में शिकायत दर्ज करायें। यहाँ शिकायत दर्ज करना बहुत सरल है।

सैनिकों का साहस और देशभक्ति है हमारी प्रेरणा : जिलाधिकारी

ललितपुर। सेना वेटरन्स दिवस पर पूर्व सैनिकों के साथ डीएम।

ललितपुर। बुधवार को 10वें सशस्त्र सेना वेटरन्स दिवस पर जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने बुधवार को कैम्प कार्यालय में जिले की वीर नारियों एवं वीरता व विशिष्ट पदक विजेताओं को शॉल ओढ़ाकर एवं प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। जिलाधिकारी ने पूर्व सैनिकों को बधाई देते हुए कहा कि कोई भी देश तभी प्रगति करता है जब वहां का बोर्डर सुरक्षित होता है, हमारे देश की प्रगति के लिए सेना का योगदान अभूतपूर्व है। जिलाधिकारी ने जनपद की वीर नारी संध्या चंदेल पत्नी स्व.चरण सिंह ग्राम सौजना एवं पूर्व सैनिकों को सर्टिफिकेट, शॉल व स्मृति चिन्ह भेट स्वरुप प्रदान कर सम्मानित किया। एडीएम अंकुर श्रीवास्तव ने भी अपने व अपने परिवार द्वारा सेना में की गई सेवाओं के बारे में अनुभव साझा किये गए और सभी पूर्व सैनिकों के साहस को नमन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित पूर्व सैनिकों व उनके आश्रितों ने भी जिला प्रशासन द्वारा किये जा रहे सहयोग के लिए धन्यवाद दिया और अपने अनुभव साझा किये।

सड़क तो बनाई पर नाली नहीं

ललितपुर। सड़क निर्माण कराये जाने के बावजूद भी नाली निर्माण नहीं कराये जाने से परेशान मोहल्लेवालों ने डीएम से शिकायत की है। शहर क्षेत्र के वार्ड-16 मोहल्ला आजादपुरा के लोगों ने डीएम को भेजे ज्ञापन में बताया कि करीमनगर में नगर पालिका परिषद द्वारा सड़क, नाली निर्माण का टेण्डर स्वीकृत किया था। बताया कि ठेकेदार द्वारा गीता सिंह के मकान से राजेन्द्र चौधरी के मकान तक सड़क निर्माण कराया गया है, लेकिन ठेकेदार ने रमजान खां के मकान से अजीता मैडम के घर तक नाली निर्माण नहीं कराया। यहाँ पुरानी नाली की ढाल विपरीत दिशा में होने के कारण जल निकासी की समस्या उत्पन्न हो गयी है। मोहल्लेवासियों ने डीएम से सम्बन्धित ठेकेदार से ढाल युक्त नाली निर्माण कराये जाने की मांग की। ज्ञापन देते समय अकबर खां, जाकिर, नूरजहां, मु.युसुफ, बल्लू आदि की मौजूदगी बताई गयी।

ऋण धारकों की समस्याओं का करायेंगे निराकरण : सत्येन्द्र जैन

ऋण समिति की बैठक सम्पन्न

ललितपुर। ऋण समिति की बैठक में शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष आदि।

ललितपुर। बेसिक शिक्षा परिषद शिक्षक कर्मचारी वेतन भोगी सहकारी समिति की महत्वपूर्ण बैठक समिति कार्यालय पर समिति सभापति सत्येंद्र जैन की अध्यक्षता और सचिव प्रशांत राजपूत के संचालन में संपन्न हुई। समिति उपाध्यक्ष अवधेश कुशवाहा ने प्रस्ताव रखा कि 5 वर्ष की तय सीमा में या नियमित ऋण किस्त जमा न करने वाले ऋण धारकों को नोटिस जारी करते हुए माह जनवरी में उत्तर प्रदेश सहकारी समिति 1965 की धारा 95 (क) की कार्यवाही प्रस्तावित कर दी जाय, जिस पर सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गयी। मुख्य कार्यपालन अधिकारी व उपनिबंधक सहकारिता द्वारा दिये गए दिशा निर्देश के क्रम में ऋण धारकों के ऋण धन का बीमा कराया जाएगा। ऋण समिति संचालन की सदस्य मधुश्री खरे एवं बबीता रिछारिया ने प्रस्ताव रखा कि इस वर्ष समिति का वार्षिक महोत्सव आयोजित किया जाय। समिति संचालक सदस्य शक्ति सिंह एवं परशुराम निरंजन ने कहा की पूर्व की भांति कार्यालय वित्त एवं लेखाधिकारी (बेसिक शिक्षा)से पूर्व की भांति ऋण किस्त की कटौती प्रारम्भ कराई जाय। ऋण समिति सभापति सत्येन्द्र जैन ने कहा कि ऋण धारकों के हितों का समिति की ओर से ध्यान रखा जाएगा। जिला सहकारी बैंक प्रतिनिधि एवं उत्तर-प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष विनोद निरंजन ने कहा कि ऋण समिति हम सब की अमूल्य धरोहर है। इसका प्रत्येक सदस्य व ऋण धारकों को लाभ उठाना चाहिए। इस दौरान सभापति सत्येन्द्र जैन, बैंक प्रतिनिधि विनोद निरंजन, उपसभापति अवधेश कुशवाहा, संचालक सदस्य मधुश्री खरे, बबीता रिछारिया, परशुराम निरंजन, शक्ति सिंह, नवनियुक्त लेखाकार रामगोविंद शिल्पकार मौजूद रहे। संचालन ऋण समिति के सचिव प्रशांत राजपूत ने किया।

तालबेहट पुलिस ने माल सहित पकड़ा शातिर चोर

ललितपुर। चोरी के माल के साथ पकड़ा गया बदमाश।

ललितपुर। पुलिस अधीक्षक मो.मुश्ताक के निर्देशन, एएसपी कालू सिंह व क्षेत्राधिकारी तालबेहट रक्षपाल सिंह के पर्यवेक्षण में वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान में थाना तालबेहट पुलिस ने पंजीकृत मु.अ.सं. 12/2026 धारा 331(2), 305(सी), 317(2) बीएनएस में प्रकाश में आये वांछित ग्राम धमकना निवासी रविन्द्र यादव पुत्र ईश्वरीय यादव को हिरासत में लिया है। पुलिस ने रविन्द्र यादव के पास से एक लावा कम्पनी का टेबलेट, एक इन्वर्टर, बैट्री, एक साउण्ड, एक माइक, एक कटर लोहा का, एक ड्रिल मशीन व एक हथौड़ी बरामद की है। शातिर चोर को पकड़ने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक तालबेहट मनोज मिश्रा अपनी टीम के साथ शामिल रहे।

कार्यकर्ता संवाद एवं सुनवाई कार्यक्रम संपन्न

झांसी जयूसं। झांसी जिलाध्यक्ष सुधीर सिंह के निर्देशानुसार भाजपा कार्यालय पर ÷कार्यकर्ता संवाद एवं सुनवाई÷ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं एवं सुझावों को सुनना तथा संगठनात्मक मजबूती की दिशा में आवश्यक पहल करना रहा। इस अवसर पर दिवस प्रमुख टोली के सदस्य के रूप में सहभागिता की गई। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ता बंधुओं ने संगठन एवं क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न समस्याएं और सुझाव रखे, जिन्हें गंभीरता से सुना गया।उपस्थित पदाधिकारियों द्वारा इन विषयों पर विस्तार से चर्चा करते हुए समाधान हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।
इस अवसर पर जिला महामंत्री श्री नंद किशोर भिलवारे जी, संवाद प्रमुख युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष इं.अमित सिंह जादौन , नि.मण्डल अध्यक्ष हेमंत खांताल, युवा मोर्चा जिला महामंत्री मुकुल द्विवेदी, पिछड़ा मोर्चा जिला अध्यक्ष विकास कुशवाहा,पूर्व जिला उपाध्यक्ष संजीव अग्रवाल,लखन कुशवाहा,ओम बिहारी भार्गव, नि.शहर मंडल अध्यक्ष अभिषेक जैन जी,जिला महामंत्री युवा मोर्चा इंजीनियर रवि राजपूत जी,दिव्यांश पखरे जी सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी कार्यकर्ता बंधु उपस्थित रहे।

सफाई कर्मचारियों को स्वेटर कोट और ट्रैकसूट किये वितरित

मऊरानीपुर (झाँसी) नगर पालिका परिषद सभागार में अध्यक्ष श्रीमती शशि- आयुष श्रीवास व अधिशासी अधिकारी सर्वेश कुमार की अध्यक्षता में सर्दी से बचाव हेतु 72 महिला एवं 142 पुरुष सफाई कर्मचारियों को स्वेटर कोट और टैऊक्रसूट वितरित किये गये। एवं एसआईआर के ऑनलाईन फीडिंग कार्य में उत्कर्ष कार्य करने पर कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर अवर अभियन्ता मनोज पटेल, आशीष कौशिक, नन्दकिशोर रावत, आनन्द विश्नोई, छगनलाल राजपूत, सुनील शर्मा, गौरीशंकर वर्मा, राजेन्द्र रावत, सतीश साहू, अभिनव श्रीधर, अनिल तिवारी, अमित सिंह, आदित्य सिंह, नरेश , बृजेन्द्र राजपूत, अशोक, धर्मेन्द्र, नीरज खेवरिया, जानकी श्रीवास, रतनलाल, विवेक तिवारी, प्रदीप , सत्येन्द्र कुमार, मनीष , संदीप वर्मा , मुकेश ,मोहित, डालचन्द्र, देवेन्द्र ,अजय, रोहित श्रीवास, रवि, ताहिर, रजा, रितिक, अकाश आदि उपस्थित रहे।

सिद्धनाथ महादेव मंदिर के लिए जल्द बनेगी सडक : डा. रश्मि आर्या

विधायक रश्मि आर्या ने किया टोडीफतेहपुर -बढवार मार्ग दोहरीकरण एवं चौड़ीकरण कार्य का भूमीपूजन

टोडीफतेहपुर (झांसी)। नगर पंचायत टोडीफतेहपुर के फतेहपुर बाजार रावतयाना में लोक निर्माण विभाग द्वारा टोडीफतेहपुर- बढवार मार्ग दोहरीकरण एवं चौडीकरण कार्य का भूमीपूजन समारोह आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि मऊरानीपुर विधायक डा. रश्मि आर्या ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ सडक दोहरीकरण एवं चौडीकरण कार्य का भूमीपूजन किया। भूमीपूजन समारोह को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा जितने विकास कार्य हमने टोडीफतेहपुर क्षेत्र में कराए है उतने कार्य आज तक किसी भी जनप्रतिनिधि ने नही कराए हमने टोडीफतेहपुर नगर मे पथराई नदी पर लघुसेतु, अलगोजन मंदिर पर टीन शेड, नगर में सार्वजनिक स्थानो पर तीन हाईमास्क लाईट टावर, लगवाए तो वही नगर के बेर का मंदिर और फतेहपुर वाली माता मंदिर पर भी टीन शेड जल्दी लगवाया जाएगा, व नगर में खुशीपुरा पुलिया से बसवाहा मौजा होकर रावतपुरा मौजा स्थित श्री

सिद्धनाथ महादेव मंदिर तक सडक निर्माण का प्रस्ताव शासन को प्रेषित किया है जिसकी हम जल्द ही शासन से स्वीकृति दिलवाकर उक्त सडक का निर्माण कार्य प्रारंभ करवाएगे इसके साथ ही नगर में राजकीय महाविद्यालय की स्थापना के लिए भी शासन को प्रस्ताव भेजा गया है उसकी भी शासन से जल्दी स्वीकृति दिलवाई जाएगी 7 नगर पंचायत टोडीफतेहपुर की पेयजल व्यवस्था को और अधिक मजबूत करने हेतु चौधरी चरण सिंह लखेरी बांध से पाईपलाइन के माध्यम से टोडीफतेहपुर के घर घर तक स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने हेतु लखेरी पेयजल योजना का प्रस्ताव भी शासन को भेजा गया है जिसकी भी स्वीकृति जल्दी ही मिलेगी इस अवसर पर भूमीपूजन समारोह में लोक निर्माण विभाग अवर अभियंता रजनीश पुरोहित भाजपा मंडल अध्यक्ष संजय गुप्ता मयंक गुप्ता राजेश पंडा भाजपा पिछडा वर्ग महामंत्री राजेश कुमार राय,भाजपा पार्षद राजकुमार दुबे , भाजपा पार्षद ओमप्रकाश रायकवार भाजपा पार्षद धनीराम आर्य भाजपा पार्षद आदेश राजपूत भाजपा पार्षद चंदा देवी कुशवाहा पार्षद अंगूरी देवी आर्या भाजपा महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष अंजलि आर्या अरविंद समेले खेमचंद आर्य कामता प्रसाद टुडया रविन्द्र सिंह गौतम बद्री पटेल प्रधान बढवार सियाराम पटेल पूर्व प्रधान बेला तारा भूपेंद्र पटेल प्रधान पंडवाहा मलखान सिंह अहिरवार पूर्व चैयरमेन प्रतिनिधि सौरभ शर्मा मंडल अध्यक्ष भाजयुमो राजेन्द्र प्रसाद चैयरमेन, कालीचरण कुशवाहा नंदराम खटीक प्रमोद लंबे महाराज, सुनील राजपूत मयंक, पिंकू कुशवाहा आदि उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

सफाई व्यवस्था से असंतुष्ट हुए अपर नगर मजिस्ट्रेट ने दिए वेतन रोकने के आदेश

गुरसराय । नगर पालिका परिषद गुरसराय के अधिशासी अधिकारी पद का कार्य भार देख रहे अपर नगर मजिस्ट्रेट अजय कुमार ने नगर के वार्ड नवम्बर 4 व 5 का औचक निरीक्षण किया ।जगह जगह कचरे के ढेर पाए गए नालियां भरी हुई थी जिसे देख अपर नगर मजिस्ट्रेट अजय कुमार ने सफाई नायक अखिलेश मेहरा व संवंधित सफाई कर्मी विनोद थोवन को फटकार लगाते हुए अग्रिम आदेशों तक बेटन रोकने के लिए लेख लिपिक सोनू बख्शी को आदेशित किया। साथ ही नगर में चल रहे निर्माण कार्यों का जायजा लिया ।भृमण के दौरान नगर स्थित जर्जर मकानों को चिन्हित करने हेतु टीम गठित कर कारवाही किये जाने की बात कही ।ऐसे कुओं का भी सर्वे करने को कहा जो दुर्घटना को न्योता देते पाय गए ।लेखा लिपिक सोनू बख्शी को एक सप्ताह के अंदर रिपोर्ट तैयार कर प्रस्तुत करने को कहा ।अपर नगर मजिस्ट्रेट अजय कुमार ने साफ कर दिया है कि किसी भी कर्मचारी द्वारा की जा रही लापरवाही को बर्दाशत नही किया जाएगा ।शीतलहर के दृष्टिगत नगर पालिका परिषद गुरसराय द्वारा अस्थायी तौर पर संचालित रैन बसेरा का भी निरीक्षण किया ।इस द्वारान पालिका के लेखा लिपिक सोनू बख्शी निर्माण लिपिक माहेश्वरी शरण बुधौलिया,राजेश सिंह गुड्डू चौहान ,मनोज कुमार जैन,दीपक कुमार,कंप्यूटर ऑपरेटर सर्वेश कुमार, जयनारायण कुशवाहा,व सफाई नायक आदि उपस्थित रहे।

मन्दिर निर्माण हेतु भूमि पूजन एवं सुन्दर काण्ड पाठ का हुआ भव्य आयोजन

मऊरानीपुर (झाँसी) तहसील क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले ग्राम चुरारी स्थित श्री झारखण्डी सरकार के मन्दिर निर्माण हेतु भूमि पूजन एवं सुन्दर काण्ड पाठ का आयोजन भव्य रुप से किया गया। जिसका शुभारम्भ बुन्देलखण्ड पीठाधीश्वर बाबा रामदास ब्रहम्चारी एवं राघव दास महाराज जी के कर कमलों से भूमि पूजन विधिवत रुप से किया गया। इस अवसर पर सुन्दरकाण्ड पाठ गायक धीरज यादव व गोपाल गोस्वामी की गरिमामयी उपस्थिति से भव्य धार्मिक आयोजन देखा गया। कार्यक्रम संयोजक रोहित महाराज आचार्य रहे। इस मौके पर पुलिस क्षेत्राधिकारी मऊरानीपुर जितेन्द्र कुमार सिंह, कोतवाली प्रभारी मऊरानीपुर मुकेश कुमार सोलंकी, आशु भारद्वाज, बैजनाथ तिवारी, अरविन्द्र अडजरिया, रोहित दुबे, मयंक दीक्षित, भगवत द्विवेदी, नारायण सिंह परिहार, शिवकुमार दीक्षित प्रधान, निंरजन सिंह, शीशपाल सिंह, रामसिंह, हरपाल सिंह, सत्येन्द्र सिंह, लक्ष्मण सिंह, कंचन सिंह, राजेन्द्र दुबे, जयप्रकाशे सोनकिया, जगदीश दुबे, जीतू परिहार, सतीश दुबे, प्रहलाद सिंह, ॠषभ दुबे, कंचन सिंह, नीरज सोनकिया, सुरेश, दीपू सेन, विजेन्द्र यादव, महेन्द्र यादव, मनोहर कुशवाहा, विद्वान कुशवाहा, दौलत कुशवाहा, लक्ष्मी कुशवाहा, भज्जू कुशवाहा, मातादीन , संजू महाराज, वीरेन्द्र मिश्रा, बंटू पाठक, शशि कुशवाहा, भंवर सिंह, कुशवाहा, मृदुल कुशवाहा, हरपाल सिंह परिहार, कमला पाचांल, मुनीम कुशवाहा सहित ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

श्री श्याम सेवा समिति ने किये जरुरतमन्दों को कम्बल वितरित

मऊरानीपुर (झाँसी) श्री श्याम सेवा समिति के द्वारा प्रसिद्ध प्राचीन संकट मोचन मन्दिर पर जरुरतमन्दों को कम्बल का वितरण किया गया। जिससे सर्दी की सितम में ठिठुर रहे लोगों ने राहत की साँस ली। जिसमें गरीब, असहांय, अनाथ, वृद्वजनों जो वास्तविक में ठण्ड से सिकुड रहे थे। जिनको कम्बल का वितरण किया गया। जिससे सभी लोगों ने श्री श्याम सेवा समिति के सदस्यों को अपना आर्शीवाद दिया। इस मौके पर बुन्देलखण्ड पीठाधीश्वर बाबा रामदास ब्रहम्चारी, अरविन्द्र अडजरिया, बैजनाथ तिवारी, आशु भारद्वाज, रमेश श्रीवास, कल्याण सिंह (पिंकी), विजय रावत, मनोज दुबे, महेश जगरिया, गुड्डू नगरिया, कौशल श्रीवास, बृजबिहारी राज, देवेन्द्र पण्डा, अंशु चतुर्वेदी, अमित ठाकुर, विपिन सोनी, बृजेश सोनी, बॉबी पिपरसानिया आदि रहे।

अर्जुन बांध में मकर संक्रांति मेला, उमड़ी भारी भीड़

चरखारी (महोबा) संवाददाता राम लखन सोनी। हर वर्ष मकर संक्रांति के पावन अवसर पर 14 जनवरी को अर्जुन बांध के तट में पारंपरिक मेले का आयोजन किया गया। मेले में सुबह से ही श्रद्धालुओं और दर्शकों की खासी भीड़ देखने को मिली। लोगों ने पवित्र स्नान कर पूजा-अर्चना की और एक-दूसरे को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं दीं।
मेले में बच्चों और युवाओं के लिए झूले, खेल-तमाशे तथा खान-पान की दुकानों की भरमार रही। तिल-गुड़, खिचड़ी और अन्य पारंपरिक व्यंजनों का लोगों ने जमकर आनंद लिया। दूर-दराज के गांवों से आए लोगों ने अर्जुन बांध की सुंदरता के बीच परिवार के साथ मेले का लुत्फ उठाया। वहीं मेले में विशाल काय दंगल का आयोजन भूपेंद्र गौतम व उत्तम द्विवेदी पूर्व फैजी द्वारा कराया गया। जिसमें स्व0 श्री चतुर्भुज महराज जी दंगल का आयोजन मुख्य अतिथि मा श्री रामेश्वर दयाल गौतम,पूर्व सैनिक कुलदीप भटनागर और अशोक महराज रहे और दूसरी तरफ कबड्डी का भी आयोजन हुआ ,मेले सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर प्रशासन भी मुस्तैद नजर आया। मौके पर पुलिस बल तैनात रहा, जिससे मेला शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। मकर संक्रांति के अवसर पर आयोजित यह मेला आपसी भाईचारे और सांस्कृतिक परंपराओं का जीवंत उदाहरण बना।

फाईनल मुकाबले का विधायक के द्वारा फीता काटकर किया गया शुभारम्भ

मऊरानीपुर। फाईनल मैच का फीता काटते विधायक।

मऊरानीपुर (झाँसी) विधानसभा क्षेत्र के ग्राम बम्हौरी स्थित स्व. मोतीलाल दुबे स्टेडियम में बीसीसी बम्हौरी समिति द्वारा आयोजित महिला क्रिकेट लीग के फाईनल मुकाबले के साथ श्रृंखला के समापनकर्ता के रुप में विधायक मऊरानीपुर डॉ. रश्मि आर्य पप्पू सेठ रहे। जिनके कर कमलों से फीता काटकर फाइनल मैच का शुभारम्भ किया गया। इसके बाद खिलाडियों का परिचय प्राप्त कर उनको जोरदार बधाई दी गयी। जिसमें फाइनल मैच सागर एवं झाँसी की टीम के मध्य खेला गया। जिसमें झाँसी की टीम को 13 रन से हराकर सागर की टीम ने खिताब अपने नाम किया। सागर की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुये निर्धारित 20 ओवरों मे 171 रन बनाये जबाब में झाँसी की टीम 158 रन पर सिमट गयी। जिसमें मैन ऑफ द मैच शिवांगी गुप्ता व मैन ऑफ द सीरीज मीनाक्षी यादव को दिया गया। इस मौके पर थाना प्रभारी लहचूरा सरिता मिश्रा, ग्राम प्रधान सेवाराम आर्य, पूर्व प्रधान जयप्रकाश गौतम, अमित मिश्रा, कौशलेन्द्र दाऊ, आशीष नायक, सुमित नायक, हरिकान्त आर्य, पंकज नायक, हदेश नायक, अंकुश, सिद्वार्थ नायक, हर्ष नायक, बृजबिहारी, विपिन तिवारी आदि संयोजकगणों के साथ ग्रामीणजन मौजूद रहे।

मेला हमारी लोक संस्कृति की धरोहर है : आरपी निरंजन

मऊरानीपुर। एमएलसी प्रतिनिधि के द्वारा फीता काटने की।

मऊरानीपुर (झाँसी) विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले ग्राम इमलिया स्थित सिद्व धाम, काली पहाडी पथराई बाँध मेला महोत्सव के 16 वें भव्य आयोजन में मुख्य अतिथि के रुप में आरपी निरंजन एमएलसी प्रतिनिधि के कर कमलों से फीता काटकर शुभारम्भ किया गया। जिसमें उनके द्वारा कहा गया कि मेला हमारी लोक संस्कृति की धरोहर है और ऐसे आयोजन आपसी भाईचारे को और मजबूत करते है। इस मौके पर सन्तोष शर्मा पूर्व प्रधान, महेन्द्र पटेल, पंकज भैया, पुष्पेन्द्र पटेल मेला कमेटी अध्यक्ष, मुलायम सिंह पटेल, धनीराम राजपूत, हल्के राम , ठाकुरदास , राममोहन, वीर सिंह पटेल, वीरेन्द्र सिंह पटेल, राहुल यादव, आशीष यादव आदि रहे। संचालन आनन्द समेले ने एवं अन्त में आभार मेला कमेटी अध्यक्ष पुष्पेन्द्र पटेल ने व्यक्त किया।

झारखंड धाम गुढ़ा में चार दिवसीय मेले का हुआ शुभारंभ

गुरसरांय। महर्षि विश्वामित्र की तपोभूमि झारखंड धाम गुढ़ा में चार दिवसीय मेले का शुभारंभ हुआ।
14 से 17 जनवरी तक चलने वाले मेले का सुंदरकांड के पाठ से शुभारंभ हुआ।मेला संयोजक ग्राम प्रधान गुढ़ा चंद्रभान सिंह परमार ने पूजन अर्चन कर धार्मिक मेले का शुभारंभ कराया। कार्यक्रम के आयोजक ग्राम प्रधान चंद्रभान सिंह परमार ने बताया कि 15 जनवरी को मानस प्रवचन एवं संत सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। 16 जनवरी को बुंदेलखंड स्तरीय दंगल का आयोजन होगा। दंगल में महिला पहलवान के अलावा कई बुंदेलखंड केसरी भाग लेंगे। 17 जनवरी को अखिल भारतीय लोकगीत, लोकनृत्य के साथ मेले का समापन होगा। मानस सम्मेलन का उद्घाटन गरौठा विधायक जवाहर लाल राजपूत करेंगे। जबकि 17 जनवरी को मेला का समापन एमएलसी रमा-आरपी निरंजन करेंगे।
आज मकर संक्रांति पर संगीत संध्या का शुभारंभ संगीतगुरु पं परशुराम पाठक की अध्यक्षता में किया गया।
कार्यक्रम में राष्ट्रीय कथा वाचक एवं शास्त्रीय संगीत के गायक पं ब्रजेश त्रिपाठी ने राग माल गुंजी, आभोगी कान्हणा में एक से एक बढ़कर रचनाएं प्रस्तुत कीं।उनके साथ तबले पर संगत पं अखिलेश त्रिपाठी ने की।
इसके अलावा पं सरजू शरण पाठक, बनमाली वर्मा,विनोद तिवारी, बीरेंद्र सिंह परिहार, जगदीश पाठक, राघवेंद्र तिवारी आदि कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति देकर समा बांधा।
इस मौके पर संत ज्ञान दास,संत रामदास ,बालक दास,भरतदास, पं अयोध्या प्रसाद त्रिपाठी, ओमप्रकाश मिश्रा,रामेश्वर प्रसाद मिश्रा,मुकुट बिहारी तिवारी,राम सनेही अरजरिया, देशराज चौवे, भानुप्रताप मिश्रा,खेरी प्रधान अलख राजपूत, मथनियाँ प्रधान नरेंद्र शर्मा,खड़ौरा प्रधान मनोज यादव,पूर्व प्रधान राम सुमिरन मिश्रा,राम प्रिया शरण मिश्रा,कमलेश लंबरदार, मेला व्यवस्था में लगे हरीदास अहिरवार, गजेंद्र अहिरवार, रविता यादव, रामलाल अहिरवार, सुखदेवी, ममता सेन, गिरीधारी लाल यादव, अरविंद

भक्त प्रहलाद की कथा,राजा बलि और अंत में भगवान कृष्ण की जन्म कथा सुनाई

चिरगांव (झांसी)। चिरगांव थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बरल में चौथे दिवस में भक्त पहलाद और दान वीर राजा बलि की कथा सुनाई अंत में भगवान कृष्ण की जन्म की कथा सुनाई।इस मौके पर कथा व्यास दिलीप दीक्षित कथा परीक्षित शिवम राजपूत वरिष्ठ समाजसेवी कृष्ण गोपाल पालीवाल प्रदुम्न ठाकुर दीपू भैया राहुल लोधी सचिन चंद्र प्रकाश संजय राजपूत दीपेंद्र जितेंद्र अभिमन्यु एवं समस्त ग्रामवासी उपस्थित रहे।

नेशनल टीम ने किया बंकापहाड़ी आयुष्मान आरोग्य मंदिर में वर्चुअल नेशनल क्वालिटी एसेसमेंट

गुरसरांय(झांसी)। ब्लॉक गुरसराय अंतर्गत आयुष्मान आरोग्य मंदिर बंकापहाड़ी का वर्चुअल नेशनल क्वालिटी एसेसमेंट सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। आकलन के दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी अंजली सिंह एवं एएनएम शीतल महरौलिया द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं,अभिलेख संधारण,स्वच्छता एवं रोगी सुविधाओं का प्रभावी एवं संतोषजनक प्रस्तुतीकरण किया गया। सीएचओ एवं एएनएम के कार्य प्रदर्शन से आकलनकर्ताओं ने संतोष व्यक्त किया तथा उनके प्रयासों की सराहना की। आकलन टीम द्वारा यह आशा व्यक्त की गई कि आयुष्मान आरोग्य मंदिर बंकापहाड़ी एनक्यूएएस मानकों पर सफलतापूर्वक अर्हता क्वालिफाई प्राप्त कर सकता है। इस अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गुरसराय के अधीक्षक डॉ ओपी राठौर,डीक्यूसी डॉ मनीष खरे,जिला कम्युनिटी प्रबंधक प्रशांत वर्मा,सहायक शोध अधिकारी डॉ.अनुराग गुप्ता,ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर सतेंद्र तिवारी एवं हेल्थ सुपरवाइज़र संतोष कुमार,पी के राव ,ब्रजेश पाठक एवं विभिन्न उपकेंद्रों के सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी एवं एएनएम उपस्थित रहे। अधिकारियों ने टीम को भविष्य में भी इसी प्रकार गुणवत्तायुक्त स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने हेतु प्रेरित किया।

कबड्डी प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

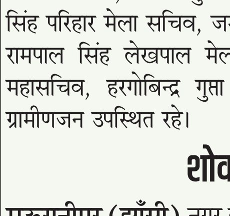

मऊरानीपुर (झाँसी) तहसील क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले ग्राम धायपुरा में पुरुष/ महिला कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन आर के अहिरवार पूर्व जिलाध्यक्ष, समाजसेवी, मुख्य अतिथि पूर्व विधायक प्रागीलाल अहिरवार, विशिष्ट अतिथि इंजी. राजेश अहिरवार, गुलाब अहिरवार निवाडी, एड. प्रेमनारायण, प्रीतम मोदी के द्वारा फीता काटकर किया गया। मेला संयोजक पं. धर्मजीत रावत रहे एवं अध्यक्षता मुकेश राय रानीपुर ने की। इस अवसर पर आयोजकमण्डल ने अतिथियों का फूलमाला पहनाकर जोरदार स्वागत सम्मान किया गया। इस मौके पर प्रधान प्रतिनिधि मुकेश अहिरवार, डॉ. मनीराम अहिरवार चिकित्सा प्रभारी/ मेला संयोजक, बिहारी पाल पूर्व प्रधान /मेला संस्थापक, सिद्वप्रकाश खरे मेला सचिव, जयप्रकाश खरे पूर्व प्रधान / मेला प्रबन्धक, आनन्द अहिरवार, गोले अहिरवार पूर्व प्रधान/मेला मंत्री, राजेश गुप्ता मेला उपाध्यक्ष, भानु प्रताप यादव मेला संयोजक, अरुण कुमार रावत मेला उपाध्यक्ष, हरगोबिन्द सिंह परिहार मेला सचिव, जमुना प्रसाद गुप्ता मेला कोषाध्यक्ष, रामपाल सिंह लेखपाल मेला प्रबन्धक, सतीराम झा मेला महासचिव, हरगोबिन्द्र गुप्ता मेला सचिव आदि क साथ ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

शोकसभा

मऊरानीपुर (झाँसी) नगर के मुहल्ला गाँधीगंज स्थित भार्गव हाउस पर एक शोकसभा डॉ. गणेश दत्त भार्गव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुयी। जिसमें मुहल्ला अल्याई निवासी जगदीश प्रसाद अग्रवाल कक्का का 95 वर्ष की उम्र में आकस्मिक निधन हो जाने पर गहरा शोक व्यक्त किया गया। साथ ही दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा को शान्ति प्रदान की गयी। इस मौके पर शोकसभा में योगेन्द्र प्रताप सिंह परिहार एड., राघवेन्द्र राजपूत, मनोज अग्रवाल, रामगोपाल गुप्ता, कृष्ण कुमार साहू, सौरभ भार्गव आदि लोग उपस्थित रहे।

लक्ष्मी तालाब प्रकरण में एनजीटी का सख्त रुख

संयुक्त समिति गठित, अवैध अतिक्रमण व निर्माण की जाँच के आदेश

झांसी जयूसं। राष्ट्रीय हरित अधिकरण, प्रधान पीठ, नई दिल्ली ने झांसी स्थित लक्ष्मी तालाब से जुड़े अतिक्रमण, प्रदूषण एवं अवैध निर्माण के गंभीर मामले में सख्त रुख अपनाते हुए संयुक्त जांच समिति के गठन का आदेश दिया है। अधिकरण ने स्पष्ट किया है कि यदि लगाए गए आरोप सही पाए जाते हैं, तो यह अधिकरण के पूर्व आदेशों तथा उत्तर प्रदेश शासन द्वारा दिए गए आश्वासनों का गंभीर उल्लंघन माना जाएगा। यह आदेश मूल आवेदन संख्या 165/2021 एवं निष्पादन आवेदन संख्या 38/2022 में पारित किया गया है।

अतिरिक्त अभ्यावेदन में गंभीर आरोप

आवेदकों द्वारा 31 दिसंबर 2025 को प्रस्तुत अतिरिक्त अभ्यावेदन में आरोप लगाया गया कि प्रकरण अधिकरण के समक्ष विचाराधीन रहते हुए भी लक्ष्मी तालाब एवं उसके जलागम (कैचमेंट) क्षेत्र में बड़े पैमाने पर पाटने, कंक्रीटीकरण एवं स्थायी निर्माण किए गए। साथ ही यह भी कहा गया कि नगर निगम द्वारा वर्षों से शहर के विभिन्न क्षेत्रों से निकलने वाला अशोधित सीवेज, पशु अवशेष तथा प्रदूषित अपशिष्ट जल सीधे तालाब में प्रवाहित किया गया, जिससे तालाब की प्राकृतिक संरचना और पर्यावरणीय संतुलन को गंभीर क्षति पहुँची। इन आरोपों को प्रथम दृष्टया गंभीर मानते हुए हत्तज्ञ ने कहा कि यदि ये तथ्य सही सिद्ध होते हैं, तो यह प्रमुख सचिव, नगरीय विकास, उत्तर प्रदेश द्वारा दिए गए आश्वासन के अनुपालन में विफलता को दर्शाता है।

54 करोड़ रुपये के दुरुपयोग का आरोप, एनटजीटी का कड़ा संदेश

सुनवाई के दौरान आवेदक की ओर से यह भी कहा गया कि लक्ष्मी तालाब को बर्बाद कर लगभग 54 करोड़ रुपये का बंदरबाट किया गया है। यह धनराशि तालाब के संरक्षण, सौंदर्यीकरण एवं विकास के नाम पर खर्च दिखाई गई, जबकि वास्तविकता में तालाब की प्राकृतिक स्थिति को ही नष्ट कर दिया गया। इस पर हत्तज्ञ ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि वास्तविक स्थिति और दोषी अधिकारियों का पता लगाने के लिए ही संयुक्त समिति गठित की जा रही है, और यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं तो तालाब पर खर्च की गई पूरी धनराशि दोषी अधिकारियों/प्राधिकरणों से वसूल की जाएगी। अधिकरण ने यह भी टिप्पणी की कि यह पैसा जनता का है, और इसके दुरुपयोग को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता।

आवेदक भानू सहाय का बयान

आवेदक भानू सहाय ने कहा कि लक्ष्मी तालाब का कुल जलागम क्षेत्रफल 33.068 हेक्टेयर है, जिसमें से एक बड़े हिस्से को अवैध रूप से तालाब की प्राकृतिक परिधि से बाहर कर पाट दिया गया और कंक्रीटीकरण कर स्थायी निर्माण किए गए। इससे जलाशय की प्राकृतिक संरचना, जलागम व्यवस्था और पर्यावरणीय संतुलन को गंभीर एवं अपूरणीय क्षति पहुँची है। भानू सहाय ने यह भी आरोप लगाया कि नगर निगम द्वारा वर्षों से शहर के विभिन्न क्षेत्रों से निकलने वाला अशोधित सीवेज, पशु अवशेष एवं प्रदूषित अपशिष्ट जल सीधे लक्ष्मी तालाब में प्रवाहित किया गया, जिससे तालाब में कई फीट तक गाद (स्लज) जमा हो गई। बाद में निर्माण व ध्वस्तीकरण से उत्पन्न मलबे को उसी गाद में डालकर तालाब की जलागम भूमि को पाटने का कार्य किया गया, जो पर्यावरणीय कानूनों और जल संरक्षण के सिद्धांतों का घोर उल्लंघन है।

एनजीटी के निर्देश और अगली कार्रवाई

वास्तविक स्थिति के निर्धारण हेतु हत्तज्ञ ने एक संयुक्त समिति गठित करने के आदेश दिए हैं, जिसमें केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड सर्वे ऑफ इंडिया तथा पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, लखनऊ के क्षेत्रीय कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। लखनऊ के अधिकारी को समिति का नोडल अधिकारी बनाया गया है। समिति को निर्देश दिया गया है कि वह स्थल निरीक्षण कर पुराने राजस्व अभिलेखों के आधार पर लक्ष्मी तालाब की मूल सीमाओं एवं क्षेत्रफल का सत्यापन करे, तालाब तथा उसके जलागम/बफर क्षेत्र में हुए अतिक्रमण व निर्माण की पहचान करे और इसके लिए उत्तरदायी अधिकारियों/प्राधिकरणों को चिन्हित करे। अधिकरण ने जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक, झांसी को समिति को पूर्ण सहयोग देने के निर्देश दिए हैं। समिति को दो माह में जांच पूरी कर स्थिति रिपोर्ट हत्तज्ञ के समक्ष प्रस्तुत करनी होगी। मामले की अगली सुनवाई 13 अप्रैल 2026 को होगी।

गैर इरादतन हत्या का मुकदमा हत्या में दर्ज करने की मांग

कुशवाहा समाज के लोग एसएसपी से मिले, दिया ज्ञापन

झांसी जयूसं। गैर इरादतन हत्या का मुकदमा हत्या में दर्ज करने और हत्यारोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की मांग की है। इस मामले में कुशवाहा समाज के लोगों ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन दिया है।

चिरगांव थाना क्षेत्र के खजान्ची का डेरा के पास रहने वाली अंजु कुशवाहा ने कुशवाहा समाज के लोगों के साथ मिलकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन दिया है। ज्ञापन में कहा है कि दबंग ने अपने साथियों के साथ मिलकर ट्रैक्टर ट्रॉली पलटने की घटना पुलिस प्रशासन को दिखाई, अगर उसके पति की हत्या ट्रैक्टर ट्रॉली पलटने से हुई थी, तो घटना स्थल पर उसके परिजनों व गांव के लोगों को नहीं जाने दिया गया। उसके परिजनों को उसके पति की लाश नहीं देखने दी गई। ज्ञापन के माध्यम तत्काल हत्यारों को गिरफ्तार करने, मोटर साइकिलें, जेसीबी मशीन को सीज करने, गैरइरादतन हत्या का मुकदमा हत्या में दर्ज करने, 25 लाख रुपए की आर्थिक मदद दिलवाने की मांग की है।

ज्ञापन देने वालों में वीरेन्द्र, कमलेश, जुगल किशोर कुशवाहा, कालीचरण कुशवाहा, संतोष कुशवाहा ,सुरेश कुशवाहा, मनोज कुशवाहा, दीपक कुशवाहा, वीरेन्द्र, कमलेश, दिनेश कुशवाहा ,रमेश चौधरी, वीरू कुशवाहा आदि कुशवाहा समाज के सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

मकर संक्रांति का सार्वजनिक अवकाश आज : जिलाधिकारी

झांसी जयूसं। जिलाधिकारी मृदुल चौधरी ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार वर्ष 2026 हेतु घोषित अवकाशों की सूची में वर्ष 2026 के लिए निर्बंधित अवकाश की सूची के क्रमांक 02 पर मकर संक्रान्ति के अवसर पर 14 जनवरी, 2026 (बुधवार) को निर्बन्धित अवकाश घोषित किया गया है। उन्होंने बताया कि शासन स्तर पर सम्यक विचारोपरान्त, मकर संक्रान्ति के अवसर पर 14 जनवरी 2026 (बुधवार) को घोषित निर्बन्धित अवकाश के स्थान पर 15 जनवरी, 2026 (गुरुवार) को निगोशिएबुल इन्स्टुमेन्ट एक्ट 1881 के अधीन सार्वजनिक अवकाश घोषित किये जाने का निर्णय लिया गया है।

संस्कृति उत्सव-2026 जिला स्तरीय प्रतियोगिता 17 जनवरी को

झाँसी जयूसं। उप निदेशक राजकीय संग्रहालय डॉ. मनोज कुमार गौतम ने बताया है कि संस्कृति उत्सव-2026 जिला स्तरीय प्रतियोगिता 17 जनवरी, 2026 को राजकीय संग्रहालय, के सभागार में आयोजित किया जायेगा। उक्त प्रतियोगिता में इच्छुक कलाकार दल सुबह 10 बजे संग्रहालय सभागार पहुंचकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकेंगे, जिला स्तर पर चयनित कलाकार दलों को मंण्डल स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने का अवसर प्राप्त होगा।

उन्होंने बताया कि मण्डल स्तरीय प्रतियोगिता 19 जनवरी, 2026 को प्रातः 10 बजे से राजकीय संग्रहालय के सभागार में आयोजित होगी। मण्डल स्तर पर चयनित कलाकारों को 22 जनवरी, 2026 को लखनऊ में आयोजित प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने का अवसर मिलेगा, उसके उपरांत उ.प्र.दिवस पर आयोजित मुख्य कार्यक्रम में प्रतिभाग करने का अवसर दिया जायेगा।

त्यौहार पर बच्चों को बाँटे गर्म कपड़े

झांसी जयूसं। आसरा सोसाइटी एनजीओ ने आदिवासी बच्चों व बुजुर्गों के साथ मकर संक्रांति मनाया है। इस त्यौहार पर बच्चों और बुजुर्गों को गर्म कपड़े एवं कंबल बांटे है। इस अवसर पर पूजा शर्मा (अध्यक्ष) आसरा एनजीओ, कीर्ति वर्मा ,निशांत वर्मा, बंटी शर्मा, हरिओम वर्मा आदि लोग मौजूद रहे है।

कांदिवली नॉन इंटरलॉकिंग कार्य पूर्ण

झांसी जयूसं। पश्चिम रेलवे से संबंधित कांदिवली नॉन इंटरलॉकिंग कार्य, जो पूर्व में 16/17 जनवरी 2026 को प्रस्तावित था, उसे 10/11 जनवरी 2026 को उपलब्ध शैडो ब्लॉक के दौरान सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। इस कार्य के समय से पहले पूर्ण हो जाने के कारण 16/17 जनवरी 2026 को प्रस्तावित ट्रैफिक में रोक को निरस्त कर दिया गया है। अब सभी ट्रेनें अपने निर्धारित समय-सारणी के अनुसार सामान्य रूप से संचालित होंगी।

शराब के नशे में दी जान से मारने की धमकी, मुकदमा

झांसी जयूसं। टोडीफतेहपुर थाना क्षेत्र के देवराखुर्द गाँव में शराब के नशे में एक युवक ने गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया।

टोड़ीफतेहपुर थाना क्षेत्र के ग्राम देवराखुर्द निवासी विश्वनाथ सिंह परिहार ने पुलिस को सूचना दी कि वह अपने नए मकान की नींव खोद रहा था। तभी गांव का ही बृजकिशोर परिहार शराब के नशे में आया। विपक्षी ने गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर विपक्षी जान से मारने की धमकी देकर भाग गया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर बृजकिशोर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया।

महापौर ने निर्माण कार्यों का किया शिलान्यास

झाँसी जयूसं। आर्यमहापौर बिहारी लाल द्वारा नगरीय अवस्थापना विकास निधि के अन्तर्गत कराये जाने वालेकार्यों का शिलान्यास किया गया। इन कार्यों के अन्तर्गत वार्ड नं. 24 भगवन्तपुरा मुर्गा मछली मार्केट मे बाउण्ड्रीवाल सडक एवं दो 10 सीटेड शौचालय एवं 10 दुकानों का निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया, उक्त कार्य की लागत धनांक रू. 288.52 लाख है। वहीं वार्ड नं. 15 गढ़ियागांव में गौशाला की अवशेष बाउण्ड्रीवाल के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया, उक्त कार्य की लागत धनांक रू. 64.15 लाख है। उक्त कार्यक्रम में नगर आयुक्त महोदया , राहुल यादव अपर नगर आयुक्त, राजवीर सिंह मुख्य अभियंता,राघवेन्द्र निरंजन, पशुकल्याण चिकित्सा एवं कल्याण अधिकारी, श्रीमती नीना सिंह-अधिशासी अभियंता, विपिन कुमार सहायक अभियंता, राजकुमार भद्रसेन से.नि.ओ. सहा.अभि. देवीलाल शर्मा अवर अभियंता, आशीष तिवारी,पार्षद वार्ड नं. 35 सम्बन्धित ठेकेदार उपस्थित रहें।

संविदा कर्मचारी पर अवैध वसूली का आरोप कार्यवाही की माँग

झांसी जयूसं। सहायक निबन्धन कार्यालय चिट्स फण्ड में प्राइवेट संविदा कर्मचारी के विरुद्ध रजिस्ट्रार फर्म्स सोसाइटीज तथा चिट्स लखनऊ से शिकायत करते हुए कार्यवाही की मांग की गयी है।

एडवोकेट ईश्वर चंद्र प्रजापति ने शिकायती पत्र में बताया कि सहायक निबन्धन कार्यालय चिट्स फण्ड में प्राइवेट संविदा कर्मचारी? आफिसियल सरकारी काम करने के लिए कार्यालय में रखा गया था । भ्रष्ट्राचार लिप्त होने पर उनका स्थानान्तरण झाँसी से इलाहाबाद ट्रेजरी में किया गया था ,लेकिन यह संविदा कर्मी कार्यालय में कर्मचारियों की सेटिंग से काम करता रहा और फिर प्राईवेट संविदा कर्मी की जगह निकलने पर कम्पनी से सेटिंग कर इसी ऑफिस में प्राइवेट तौर पर रहकर दलाली का काम करता है और दिन भर यह बाहरी लोगों से सांठगांठ कर अवैध रूप से वसूली कर रहा है। जिसकी शिकायत पूर्व में ऑन लाइन रजिस्ट्रार से की गयी थी। पूर्व में की गयी शिकायत के फीड बैक की छायाप्रति संलग्न कर बताया कि इससे पहले भी शिकायत कई बार लिखित रूप में कार्यालय रजिस्ट्रार लखनऊ से की गयी, लेकिन कोई कार्यवाही नहीं किए जाने से उक्त कर्मी के हौंसले बुलंद हैं। शिकायती पत्र में कार्यालय में खुलेआम अवैध वसूली करने वाले संविदा कर्मी के खिलाफ सख्त कार्यवाही की मांग अधिवक्ता ने की है।

पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना लोगों को दिला रही बिजली के बिल से आजादी

झांसी में 8708 रूफटॉप सोलर प्लांट स्थापित

झांसी जयूसं। उत्तर प्रदेश सरकार पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के माध्यम से अधिक से अधिक उपभोक्ताओं को बिजली के बिल से आजादी दिलाने पर जोर दे रही है। योजना के अंतर्गत एक से दस किलोवाट क्षमता तक के रुफटॉप सोलर पावर प्लांट की स्थापना पर लाभार्थी उपभोक्ता को अनुदान राशि प्रदान की जाती है। झांसी जिले में अभी तक 8708 उपभोक्ता इस योजना के अंतर्गत अपने घरों में रूफटॉप सोलर पावर प्लांट स्थापित कर चुके हैं।

योजना के अंतर्गत झांसी जिले को मार्च 2026 तक 4407 प्लांट स्थापित करने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है, जिसके सापेक्ष अभी तक 8708 लाभार्थियों के यहां सोलर प्लांट लगाए गए हैं। योजना में एक किलोवाट पर 45 हजार रुपए, दो किलोवाट पर 90 हजार रुपए और तीन से दस किलोवाट के प्लांट की स्थापना पर लागत मूल्य पर एक लाख आठ हजार रुपए का अनुदान प्रदान किया जाता है। एक किलोवाट के प्लांट से लगभग 150 यूनिट बिजली प्रतिमाह उत्पादित होती है।

यूपीनेडा के झांसी जिले के प्रभारी परियोजना अधिकारी जी पी अनुरागी ने बताया कि पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का उद्देश्य उपभोक्ताओं को मुफ्त बिजली उपलब्ध कराना है। इस इस योजना के अंतर्गत छतों पर सोलर पैनल स्थापित करने के लिए उपभोक्ता को सब्सिडी दी जाती है। जनपद के उपभोक्ता इस योजना में काफी रुचि प्रदर्शित कर चुके हैं। अभी तक झांसी जनपद में 8708 घरों पर रूफटॉप सोलर पावर प्लांट स्थापित किए जा चुके हैं।

सुभाष चन्द्र बोस के जन्म दिवस पर होगा मॉक ड्रिल

झांसी जयूसं। नगर मजिस्ट्रेट प्रमोद झा ने बताया है कि उत्तर प्रदेश दिवस-2026 के अवसर पर नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के जन्म दिवस पर 23 जनवरी 2026 को समस्त नागरिक सुरक्षा जनपदों में ब्लैक आउट मॉक ड्रिल का आयोजन कराये जाने के संबंध में उच्च स्तरीय निर्देश दिए गए हैं। शासन के निर्देशानुसार 23 जनवरी 2026 को सायं 06 बजे प्रदेश के समस्त जनपदों में नागरिक सुरक्षा विभाग द्वारा डीडीएमए, एसडीआरएफ, अग्निशमन, पुलिस, स्वास्थ्य एवं अन्य सम्बंधित विभागों के साथ सम्मिलित रूप से ब्लैक आउट मॉक ड्रिल आयोजित कराये जाने का निर्णय लिया गया है।

उन्होंने बताया है कि उक्त मॉक ड्रिल के लिए निर्धारित प्रक्रिया के अन्तर्गत समस्त सम्बंधित विभागों के साथ बैठक कर मॉक ड्रिल की कार्ययोजना तैयार करना, ब्लैक आउट मॉक ड्रिल आयोजित कराये जाने हेतु उपयुक्त स्थान/शेल्टर का चयन करना, ब्लैक आउट मॉक ड्रिल में प्रतिभाग करने हेतु स्वयंसेवकों, आपदा मित्रों इत्यादि को चिन्हित करना, निर्धारित समय पर मॉक ड्रिल का आरम्भ करना।

उन्होंने बताया कि मॉकड्रिल हेतु निर्धारित कार्यवाही के अन्तर्गत हवाई हमले की चेतावनी हेतु सायरन ध्वनित किया जाना (2 मिनट तक ऊंची-नीची आवाज में), सायरन ध्वनित होते ही सभी निर्धारित क्षेत्रों/ स्थलों की विद्युत व्यवस्था बाधित कर ब्लैक आउट करना, सायरन ध्वनित होने पर नागरिकों द्वारा सुरक्षित स्थान/शेल्टरों में शरण लेना, हवाई हमला का खतरा समाप्त होने पर आल क्लियर ध्वनि में सायरन ध्वनित करना (2 मिनट तक ऊंची आवाज में), हवाई हमले की चेतावनी समाप्त होने के उपरांत नागरिक सुरक्षा के स्वयंसेवकों द्वारा छोटी आग बुझाने हेतु फायर एक्सटिंगुशर का प्रयोग करना तथा फायर सर्विस द्वारा बड़ी आग बुझाने हेतु फायर टेंडर वेहिकल का प्रयोग करना, हमले के दौरान घायल हुए लोगों को नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों द्वारा प्राथमिक चिकित्सा प्रदान करना, ध्वस्त/क्षतिग्रस्त बिल्डिंगों में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालना, गंभीर रूप से घायल लोगों को एम्बुलेंस से अस्पताल तक पहुंचाना तथा मॉक ड्रिल समाप्ति की घोषणा करना आदि है। उन्होंने बताया कि शासन के निर्देशानुसार जनपद झांसी में 23 जनवरी 2026 को सायं 06 बजे ब्लैक आउट मॉक ड्रिल के सफल आयोजन पुलिस लाइन परिसर झांसी में आयोजित किया जाएगा।

सेवा, बलिदान के लिए राष्ट्र की आंतरिक भावना हमेशा वयोवृद्धों के साथ रहेगी : जीओसी

व्हाइट टाइगर डिवीजन ने वेलफेयर, शिकायत निवारण और सेवा की स्थायी विरासत पर जोर देते हुए 10 वां सशस्त्र सेना वयोवृद्ध दिवस मनाया

झांसी जयूसं। व्हाइट टाइगर डिवीजन के मेजर जनरल मंदीप सिंह सेना मैडल ने समाज और राष्ट्र निर्माण में सशस्त्र सेना के वयोवृद्धों के निरंतर योगदान को स्वीकार किया, उन्हें अनुभव, अनुशासन और राष्ट्रीय मूल्यों का भंडार और भविष्य की पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का निरंतर स्रोत माना। यह बात उन्होंने व्हाइट टाइगर डिवीजन सैनिक स्कूल में आयोजित 10 वां सशस्त्र सेना वयोवृद्ध दिवस के अवसर पर कही है।

उन्होंने वयोवृद्धों को आश्वस्त किया कि वे राष्ट्र के लिए बहुमूल्य हैं, और उनकी सेवा और बलिदान के लिए राष्ट्र की आंतरिक भावना हमेशा रहेगी। उन्होंने आगे जोर दिया कि भारतीय सेना अपने वयोवृद्धों और उनके परिवारों के कल्याण, गरिमा और सम्मान की रक्षा के लिए दृढ़ रूप से प्रतिबद्ध है। व्हाइट टाइगर डिवीजन द्वारा 10 वें सशस्त्र सेना वयोवृद्ध दिवस का मनाना एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि थी - अतीत की विरासत का सम्मान, वर्तमान की चिंताओं को संबोधित करना, और सेवारत बिरादरी और राष्ट्र की सेवा में उत्कृष्टता के साथ सेवा करने वालों के बीच स्थायी बंधन को मजबूत करना। व्हाइट टाइगर डिवीजन ने सशस्त्र सेना के वयोवृद्धों की बहादुरी, बलिदान और निस्वार्थ सेवा को श्रद्धांजलि देते हुए 10वां सशस्त्र सेना वयोवृद्ध दिवस मनाया। साथ ही उनके कल्याण, गरिमा और निरंतर जुड़ाव के प्रति अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता को दोहराया। इस अवसर के हिस्से के रूप में, डिवीजन ने अपने वयोवृद्धों के साथ एक समर्पित बातचीत कार्यक्रम आयोजित किया, जिसके दौरान वेतन, पेंशन और भत्तों से संबंधित लंबे समय से चले आ रहे मुद्दों और विसंगतियों की व्यापक रूप से समीक्षा की गई और व्हाइट टाइगर डिवीजन द्वारा डायरेक्टोरेट ऑफ इंडियन आर्मी वेटरन्स के साथ समन्वित प्रशासनिक प्रयासों के माध्यम से हल किया गया।

वयोवृद्धों को निरंतर समर्थन का आश्वासन दिया गया और उन्हें सहायता के लिए किसी भी समय डिवीजन से संपर्क करने के लिए प्रोत्साहित किया गया, जिससे सेवारत सैनिकों और वयोवृद्धों के बीच स्थायी बंधन मजबूत हुआ। बातचीत में एक गहराई से भावपूर्ण आदान-प्रदान हुआ क्योंकि वयोवृद्धों ने अपने सेवा के वर्षों को याद किया। ऑपरेशनल कार्यकाल, प्रशिक्षण और यूनिफॉर्म में जीवन के क्षणों को पुनर्जीवित किया।

साथीपन, बलिदान और लचीलेपन की साझा कहानियों के माध्यम से, वयोवृद्धों ने पुष्टि की कि सशस्त्र सेना के साथ उनका बंधन और राष्ट्र के प्रति उनकी प्रतिबद्धता अटल है, और वे राष्ट्रीय सेवा के लिए किसी भी क्षमता में योगदान देने के लिए हमेशा तैयार हैं। उनकी कहानियों ने सभी उपस्थित लोगों के लिए प्रेरणा के रूप में काम किया, सैन्य बिरादरी के समयहीन मूल्यों और भावना को प्रतिबिंबित किया।

स्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक नाथूराम कुशवाहा द्वारा जनता यूनियन प्रेस, शिव परिवार कालोनी, उन्नाव गेट बाहर झाँसी से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक - नाथूराम कुशवाहा*
फोन नं. 0510-2331158 आरएनआई नं. यूपीएचआईएन/2007/22191 समस्त विवादों का निपटारा झाँसी न्यायालय के अधीन होगा। *पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए उत्तरदायी